शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 45 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 8 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एआईयूडीएफ की वंदना में लगे गौरव गोगोई : पीयूष पेज 3

जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने दिल्ली पहुंचे मॉरीशस के प्रधानमंत्री... पेज 4

राम मंदिर निर्माण कल-युग में राम युग के पदार्पण का शंखनाद है : अमरजीत मिश्र पेज 5

सीएम का जन संवाद कार्यक्रम एक ढकोसला : बजरंग गर्ग पेज 8

कछार में पांच नई परियोजनाएं : मुख्यमंत्री

कछार (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा का गुरुवार को सिलचर में जोरदार स्वागत किया गया। उन्होंने कछार जिले में एक के बाद एक पांच नई परियोजनाओं की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने काटिगोरा, बरखोला, उदारबंद और सोनाई को नया सब-डिवीजन घोषित किया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि विधानसभा के आगामी सत्र में जीसी कॉलेज, सिलचर को पूर्ण विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें आज बराक घाटी के सिलचर में महाबीर लाचित बरफूकन की स्मृति में एक विशाल प्रतिमा का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन करते हुए बहुत गर्व हो रहा है। बराक घाटी की सबसे ऊंची प्रतिमा, आहोम सेना के महान कमांडर की स्मृति को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कछार जिले के विकास के लिए पांच नई परियोजनाओं की घोषणा करते हुए ये बातें कही। मुख्यमंत्री ने गुरुवार सुबह सिलचर में बराक और सोनाई नदियों पर तीन कंक्रीट पुलों का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने बराक नदी पर पायलापुल और सोनाई को जोड़ने वाले बद्री पुल और सिलचर और बरखोला दुधपतिल को जोड़ने वाले ईटखोलाघाट पुल और सोनाई निर्वाचन क्षेत्र में सोनाई नदी पर बने पक्के पुल का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने घुंगुर में 48 करोड़ रुपए की लागत से एकीकृत डीसी कार्यालय परिसर की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री ने शिलकुरी में बनने वाले नए कन्वेंशन सेंटर की आधारशिला भी रखी। मुख्यमंत्री ने जिला आयुक्त कार्यालय परिसर में बीर लाचित बरफूकन की नवनिर्मित प्रतिमा का भी अनावरण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जिला खेल संघ मैदान में आयोजित 5वें जल जीवन सम्मेलन में जल जीवन मिशन के तहत 75 जलापूर्ति योजनाओं का उद्घाटन -शेष पृष्ठ दो पर

लखीमपुर में पुलिस टीम पर हमला, चार दर्जन गिरफ्तार

लखीमपुर (हि.स.)। लखीमपुर में पुलिस टीम पर भीषण हमला किया गया है। यह घटना जिले के बंगालमारा के 2 नंबर अहमदपुर के दलनिरपार में हुई। ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही पुलिस टीम पर हमला किया गया। पुलिस टीम ने एक अन्य गिरफ्तार ड्रग्स तस्कर को साथ लेकर छापेमारी करने पहुंची थी। हमलावरों ने पुलिसकर्मी को काट कर घायल कर दिया। पुलिस टीम नागरिक वर्दी में थी। ड्रग्स तस्कर सद्दाम हुसैन की गिरफ्तारी के तुरंत -शेष पृष्ठ दो पर

जन्माष्टमी का प्रसाद खाने से 24 लोग बीमार

धेमाजी। धेमाजी में गुरुवार को कृष्ण जन्माष्टमी पूजा अनुष्ठान के बाद प्रसाद खाने से 24 लोग बीमार पड़ गए। सूत्रों के अनुसार, यह घटना दक्षिण धेमाजी में हुई, जिससे हलिकुची कोंच गांव, चांदनी बारी और हलिकुची अयेंगिया गांव के निवासी गंभीर रूप से बीमार हो गए। पीड़ितों को उल्टी और सिरदर्द के साथ गंभीर पेट दर्द का अनुभव हुआ। बाद में उन्हें चिकित्सा के लिए धेमाजी सिविल अस्पताल ले जाया गया।

आश्रम में शराब और शबाब की महफिल कांड

भागचंद की पकड़ में चंद्र प्रकाश, योगेंद्र गुप्ता और दीपक की कमजोर नस

भागचंद को हर हाल में बचाना बन गई है इनकी मजबूरी

गुवाहाटी (विभास)। महानगर गुवाहाटी सहित देश भर में फैले विहंगम योग संस्थान के करोड़ों श्रद्धालुओं की संवेदनाओं को झकझोर देने वाले भागचंद जैन कांड में नित नए खुलासे हो रहे हैं। महानगर के फटाशील आमबाड़ी स्थित विहंगम योग संस्थान के स्वयंभू नेता हर हाल में, हर कीमत पर अपराधी प्रवृत्ति के शराबी और शबाबी भागचंद जैन को बचाने में दिन-रात एक किए हुए हैं। इनकी अगुवाई भ्रष्ट चंदाखोर चंद्र प्रकाश शर्मा कर रहा है। मिली जानकारी के अनुसार भागचंद जैन के हाथों में इन लोगों की काली करतूतों से संबंधित कई सबूत हैं, जिन्हें सार्वजनिक करने की धमकी देकर वह इन्हें बरगला रहा है। ऐसे में चाहे चंद्र प्रकाश शर्मा, योगेंद्र गुप्ता, दीपक शर्मा हो या विहंगम योग संस्थान, गुवाहाटी के अन्य स्वयंभू नेता, उनके पास भागचंद को बचाने के अलावा और कोई चारा नहीं है। जानकार बताते हैं कि विहंगम योग संस्थान के ऊपरी तल्ले पर चंद्र प्रकाश शर्मा की शह पर सारे नियम-कानून-कायदे को ताक पर रखकर उसे एक पर्सनल अटेच्ड लैट्रिन बाथरूम वाला कमरा आवंटित किया था। गत 15 अगस्त की घटना से यह बात साबित हो गई कि उस कमरे में भागचंद जैन शराब और शबाब की महफिलें सजाया करता था। भागचंद जैन की कुर्सी से बंधे हुए अर्द्धनग्न तस्वीर और उसका लिखित कबूलनामा स्वयं सारी सच्चाई बयां कर रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि विहंगम योग संस्थान, गुवाहाटी के कई नेता भी भागचंद जैन द्वारा उक्त कमरे में उपलब्ध करवाई जा रही *सेवाओं* का लाभ लिया करते थे। कहा तो यहां तक जा रहा है कि शातिर भागचंद ने कमरे में स्पाई कैमरे लगा रखे थे। उन कैमरों में चंद्र प्रकाश सहित कई अन्य नेताओं की आपत्तिजनक अवस्था में तस्वीरें कैद हो गईं और उन्हीं की बिना पर भागचंद जैन इन सबको मनचाहा नाच नचा रहा है। यह बात तब सही साबित होती प्रतीत हुई जब भागचंद जैन द्वारा गत 2 सितंबर को विहंगम योग संस्थान को दिए गए पत्र का संज्ञान लेकर 5 सितंबर को हड़बड़ी में आपातकालीन बैठक बुलाई गई। उक्त बैठक में न तो 15 अगस्त की घटना पर कोई चर्चा हुई और न ही चंद्र प्रकाश शर्मा, योगेंद्र गुप्ता पर विहंगम योग के नाम पर चंदा उठाकर खा जाने के आरोपों के बारे में कोई विचार-विमर्श किया गया। होना तो यह चाहिए था कि भागचंद जैन के खिलाफ आश्रम में अनैतिक गतिविधियां चलाने पर कार्रवाई होती, पर उसकी तो जवाई की तरह खातिरदारी करते हुए क्लीन चिट दे दी गई और उसकी काली करतूतों का पर्दाफाश करने वाले राकेश शर्मा और उनके परिवार पर कार्रवाई की गई। यानी चौकीदार को ही चोर बता दिया गया। वहीं चंद्रप्रकाश शर्मा के खिलाफ चंदा उठाकर गबन करने और विहंगम योग के नाम पर अपनी दुकानदारी चलाने के आरोप पिछले दिनों मीडिया में सबूत सहित लगाए गए हैं। इस लिहाज से उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया जाना चाहिए था। उस से विहंगम योग के नाम पर उठाए गए चंदे का हिसाब मांगा जाना चाहिए था। उससे पूछा जाना चाहिए था कि विहंगम योग के नाम पर डिब्बों (दान पात्र) से पिछले वर्षों में कितनी राशि उठाई गई है। पर उक्त आपातकालीन सभा में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। उल्टा चोर मचाए शोर की कहावत को सही साबित करते हुए चंद्र प्रकाश शर्मा ने मीटिंग के प्रतिवेदन को बेशर्मी की हद तक जाकर सार्वजनिक किया। गत 5 सितंबर की आपातकालीन बैठक से यह भी साबित हो गया कि कुछ लोग माफिया सिंडिकेट की तरह विहंगम योग संस्थान की गुवाहाटी शाखा को चला रहे हैं। यह बात भी आईने की तरफ साफ हो गई थी विहंगम योग के ये तथाकथित योगी अब योगी नहीं रहकर भोगी बन गए हैं। वे अब योग की बजाय भोग-विलास, शराब और कबाब की साधना करने लगे हैं। प्रसंगवश उल्लेखनीय है कि गत पांच सितंबर को हुई आपातकालीन सभा में विहंगम योग संस्थान के कई शीर्ष पदाधिकारी अनुपस्थित थे। बताया जा रहा है कि वे भागचंद जैन और चंद्र प्रकाश शर्मा को उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत होने के बावजूद बचाए जाने की कोशिशों से नाराज हैं। भागचंद जैन को बचाने और उसे सार्वजनिक जीवन में फिर से स्थापित करने की एक बेशर्म कोशिश गत 6 सितंबर को भी की गई थी। उल्लेखनीय है कि गत 6 सितंबर को चंद्र प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में महानगर के फैंसी बाजार में जन्माष्टमी का एक कार्यक्रम हुआ था, जिसमें प्रसाद भोग की -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम-किसान योजना : अरुणाचल सरकार को कैग की फटकार

इटानगर। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) के सामने पूर्वोत्तर राज्य में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को लागू करने को लेकर कई कमियां सामने आई है। इसको लेकर कैग ने अरुणाचल प्रदेश सरकार को फटकार लगाई है और उसकी आलोचना की है। सीएजी ने हाल ही में विधानसभा में पेश की गई अपनी रिपोर्ट में राज्य में केंद्रीय योजना को लागू करते समय कई विसंगतियों के बारे में भी बताया। केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना फरवरी 2019 में शुरू की गई थी और इसका उद्देश्य किसानों के लिए आय सहायता और जोखिम शमन प्रदान करना था। योजना के तहत, पात्र किसानों को कृषि और संबद्ध गतिविधियों के साथ-साथ घरेलू जरूरतों से संबंधित खर्चों को पूरा करने के लिए आय सहायता मिलती है। शत-प्रतिशत केंद्रीय वित्त पोषण वाली यह योजना प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) मोड के तहत संचालित होती है। योजना के तहत, देश भर के सभी पात्र किसानों को तीन समान किस्तों में प्रति वर्ष 6000 रुपए की आय सहायता प्रदान की जाती है। कैग ने रिपोर्ट में आगे कहा है कि राज्य में स्व-पंजीकरण प्रक्रिया को ठीक से लागू नहीं किया गया, जिसके कारण अनुचित अस्वीकृति हुई और 90 फीसदी पंजीकरण प्रयास सत्यापन के लिए लंबित रहे। सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि राज्य में विकसित दिशानिर्देशों के अनुसार लाभार्थियों की पहचान के लिए कोई विधिवत अनुमोदित वैकल्पिक तंत्र नहीं था, जिससे योजना के -शेष पृष्ठ दो पर

अग्निवीर वायु सेना का अभिन्न अंग : एयर मार्शल

तेजपुर। चीन के साथ तनातनी के बीच पूर्वी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल एसपी धारकर ने असम में तेजपुर बेस की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। वायु सेना स्टेशन तेजपुर के एयर ऑफिसर कमांडिंग एयर कमोडोर वीजे सिंह ने उनका स्वागत किया। आगमन पर एयर मार्शल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान उन्होंने कर्मियों से खुद को नवीनतम तकनीकों से अपडेट रखने और अपने कौशल को बढ़ाते रहने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि वे तीन -शेष पृष्ठ दो पर

बिजली संकट : लोड-शेडिंग के समय की घोषणा करेगी सरकार

गुवाहाटी। असम स्पष्ट बिजली संकट से जूझ रहा है, राज्य सरकार राज्य के विभिन्न शहरों के आधार पर लोड-शेडिंग के लिए समय की घोषणा कर सकती है। रिपोर्टों के अनुसार, असम सरकार बिजली दरों में बढ़ोतरी नहीं करेगी, इसके बजाय वे लोड-शेडिंग के लिए संभवत: कल या परसों समय की घोषणा करेंगे। चूंकि राज्य भीषण गर्मी की चपेट में है, इसलिए नागरिकों ने लगातार बिजली कटौती और ऊंची बिजली दरों पर नाराजगी व्यक्त की है। इनके कारण, कई लोग बिजली कटौती और टैरिफ बढ़ोतरी के खिलाफ विरोध करने के लिए सड़कों पर उतर आए हैं क्योंकि पारे में वृद्धि ने जीवन को असहनीय बना दिया है। इससे पहले बुधवार को, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि लोड शेडिंग की व्यक्तिगत रूप से निगरानी की जा रही है और कहा कि पहले 1,800 मेगावाट -शेष पृष्ठ दो पर

आरक्षण जारी रहे जब तक समाज में भेदभाव : भागवत

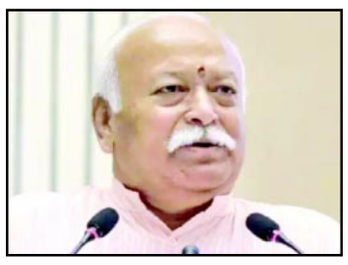

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि जब तक समाज में भेदभाव है, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए। भेदभाव अदृश्य होते हुए भी समाज में मौजूद है। उन्होंने यह भी कहा कि अखंड भारत आज के युवाओं के बूढ़े होने से पहले एक वास्तविकता बन जाएगा। वह नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान संघ प्रमुख ने कहा कि सामाजिक व्यवस्था में हमने अपने बंधुओं को पीछे रखा। हमने उनकी परवाह नहीं की। यह सिलसिला दो हजार साल तक चलता -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
कार्य के मध्य में अति विलंब और आलस्य उचित नहीं है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

आईएसआई एजेंट का खुलासा : राष्ट्रपति भवन पर पाकिस्तान की नजर

कोलकाता (हि.स.)। कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने भक्त बंसी झा नाम के जिस आईएसआई एजेंट को गिरफ्तार किया था, उससे पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। अब उसने बताया है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की नजर दिल्ली के राष्ट्रपति भवन पर है। इसके साथ ही इंडिया गेट और वॉर मेमोरियल जैसी महत्वपूर्ण जगहों को टारगेट करने की साजिस रची जा रही थी। दिल्ली में मौजूद ये सारे संस्थान सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हैं और 24 घंटे अति सुरक्षा घेरे -शेष पृष्ठ दो पर

जी-20 शिखर सम्मेलन : दुल्हन की तरह सजी है दिल्ली

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन 9 और 10 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने जा रहा है। दिल्ली में इसे लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। 2 दिन चलने वाली इस बैठक के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा होगी। जी-20 का मंच अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों को निर्धारित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बैठक में हिस्सा लेने के लिए अमरीका, ब्रिटेन से लेकर फ्रांस तक के राष्ट्राध्यक्ष आ रहे हैं। आइए जानते हैं इस के बारे में खास बातें दुनिया के 20 प्रमुख देशों ने 1999 में एशियाई वित्तीय संकट के बाद एक आर्थिक समूह बनाया था। यह समूह वर्तमान -शेष पृष्ठ दो पर

महिला को उठाने के लिए दमकल को बुलाना पड़ा

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे में एक 160 किलो वजन वाली बीमार महिला अपने बिस्तर से गिर गई और उसे उठाने के लिए उनके परिवार वालों को दमकल विभाग से मदद लेनी पड़ी। वाघविल इलाके में रहने वाली 62 वर्षीय महिला जो बीमार होने के कारण बाहर आना-जाना नहीं कर सकती है। वह गुरुवार को सुबह के आठ बजे अपने बिस्तर से गिर गई थी। परिवार वालों ने उन्हें उठाने की कोशिश की, लेकिन बिस्तर पर उठाकर नहीं रख पाए। अंत में परिवार वालों ने दमकल विभाग को इस घटना की जानकारी दी। सूचना पाकर दमकल विभाग मौके पर पहुंचा और उन्होंने महिला को उठाकर बिस्तर पर -शेष पृष्ठ दो पर

तूफान की रिपोर्टिंग पर 20 साल जेल

नाएप्यीडॉ। म्यांमार की एक अदालत ने एक *भूमिगत समाचार एजेंसी* के एक फोटो पत्रकार को मई में आए घातक तूफान के बाद उसके कवरेज के लिए 20 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। मीडिया संगठन ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह सजा स्वतंत्र ऑनलाइन समाचार सेवा *म्यांमा नाउ* के लिए काम करने वाले फोटो पत्रकार साई जॉ थाइके को दी गई है। इस समाचार सेवा को सरकार की ओर से मान्यता नहीं दी गई है। सेना द्वारा फरवरी 2021 में आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार का तख्तापलट करने के बाद हिरासत में लिए गए किसी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

गुलामी का प्रतीक इंडिया नाम नहीं राष्ट्रगान है : मौलाना तौकीर रजा

बरेली। *भारत* और *इंडिया* नाम को लेकर छिड़े सियासी घमासान पर आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां ने भाजपा, कांग्रेस और आरएसएस को निशाने पर लिया है। बरेली में गुरुवार को प्रेसवार्ता कर मौलाना ने कहा कि हिंदुस्तान के तीन नाम हैं, जो हमेशा रहेंगे। राजनीतिक दल देश के नाम पर राजनीति कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इंडिया नाम गुलामी का प्रतीक नहीं है, बल्कि राष्ट्रगान गुलामी का प्रतीक है। मौलाना तौकीर रजा खां ने कहा कि राजनीति और वोटों को हासिल करने के लिए देश का कितना बड़ा नुकसान हो जाए, इन राजनीतिक दलों को कोई परवाह नहीं। भाजपा और आरएसएस इंडिया नाम से इतनी खौफजदा हैं कि इंडिया को खत्म करने के लिए तैयार हो गईं। इंडिया को जो खत्म करना चाहता है या कोशिश कर रहा है। वो हमारे देश का दोस्त नहीं हो सकता। तौकीर रजा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीतिक लाभ लेने के लिए विपक्षी गठबंधन का नाम इंडिया रखा गया है। उन्होंने कहा कि मैंने कांग्रेस के झंडे का भी हमेशा एतराज किया था। जब देश का झंडा तिरंगा है तो कांग्रेस पार्टी को अपना झंडा अलग रखना चाहिए था। इस बार गठबंधन का नाम इंडिया रखा है, ये सिर्फ राजनीतिक के लिए हैं। कांग्रेस गलत रही है। भाजपा उससे ज्यादा गलत कर रही है। मौलाना ने बताया कि जब भाजपा ने कहा था कि गुलामी के प्रतीक खत्म किए जाएंगे तब मैंने लिखकर दिया था कि गुलामी का प्रतीक तो राष्ट्रगान है। यह बात राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और आरएसएस प्रमुख को भी लिखी। उन्होंने इसका जबाव नहीं दिया। जन गण मन अधिनायक, अधिनायक शब्द किसके लिए इस्तेमाल किया गया है? उन्होंने कहा कि किंग जार्ज के लिए राष्ट्रगान गाया गया था। यह गुलामी का प्रतीक है।

आरबीआई का नाम बदलने पर हिमंत ने इंदिरा गांधी और मनमोहन सिंह से जोड़कर दिया तर्क

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को भारत के लिए अपना आह्वान दोहराया। उन्होंने तर्क दिया कि भारतीय रिजर्व बैंक जैसे संस्थानों को एक नया नाम दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले इंदिरा गांधी और मनमोहन ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने कहा कि चाहे वह इंडिया हो या भारत, मुझे नहीं लगता कि यह विवाद का विषय है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही घोषणा कर दी है कि इंडिया और भारत नाम एक दूसरे के स्थान पर इस्तेमाल किए जा सकते हैं। जब अमित शाह ने संसद में भारतीय न्याय संहिता कानून पेश किया था तो किसी ने आपत्ति नहीं जताई थी। शर्मा ने कहा कि मनमोहन ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी, जबकि एचडी देवेगौड़ा ने इंडिया के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। अब तक मुझे याद है, इंदिरा गांधी ने भी भारत की प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी, इंडिया की प्रधानमंत्री के रूप में नहीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह भारत का समय है। ब्रिटिश काल के रीति-रिवाज औपनिवेशिक हैंगओवर हैं और देश पुनर्जागरण के चरण में प्रवेश करने वाला है, जिस दौरान इस शब्द को छोड़ दिया जाएगा।

ब्राजील में तूफान से 27 की मौत, 1600 लोग बेघर

रियो। ब्राजील में आए उष्णकटिबंधीय चक्रवात के कारण 27 लोगों की मौत हो गई और 1600 लोग बेघर हो गए। चक्रवात के कारण दक्षिणी ब्राजील के कई शहरों में बाढ़ आ गई। बचाव दल राहत कार्य में जुटे हैं। रियो ग्रांडे डो सुल के गवर्नर एडुआर्डो लेइट ने कहा कि इस आपदा के कारण देश में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई है। बचाव के प्रयास बुधवार को पश्चिम की ओर बढ़ाए गए और हेलीकाप्टर रियो पार्डो घाटी की ओर बढ़ गए। खोज एवं बचाव दल का ध्यान दक्षिणी राज्य की राजधानी पोर्टो एलेग्रे के उत्तर पश्चिम में स्थित तक्वारी घाटी पर केंद्रित है। यहां सबसे अधिक नुकसान हुआ है। राज्य के मध्य और दक्षिण क्षेत्र में और अधिक भारी बारिश की संभावना है। टीवी फुटेज में दिख रहा है कि नदियां अपने किनारों पर उफान पर हैं और परिवार घरों की छत पर चढ़कर मदद की गुहार लगा रहे हैं। लेइट ने बताया कि 50 हजार की आबादी वाले मौकम शहर के एक घर में 15 लोगों की मौत हो गई। कई पीड़ितों की करंट लगने से मौत हो गई। विश्वभर में अगस्त महीने ने तोड़ा गर्मी का रिकार्ड जिनेवा ने वर्ष 2023 में अगस्त का तापमान अबतक का सर्वाधिक है। यह जुलाई के बाद लगातार दूसरा सबसे गर्म महीना रहा। सितंबर का दैनिक तापमान भी साल के इस समय में इससे पहले दर्ज तापमान से अधिक है। यह घोषणा वर्ल्ड मेट्रोलाजिकल आर्गेनाइजेशन और यूरोपियन क्लाइमेट सर्विस कोपरनिकस ने की है। कापरनिकस संस्थान से जुड़े कार्लो बूनटेम्पो ने कहा कि गर्मी के नए रिकार्ड और इसकी निरंतरता जलवायु प्रणाली के गर्म होने का स्पष्ट परिणाम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगस्त का महीना पूर्व औद्योगिक काल के औसत (13.5) से 1.5 डिग्री अधिक गर्म रहा है।

मुंबई में दही हांडी उत्सव के दौरान विभिन्न स्थानों पर 35 लोग घायल

मुंबई (हि.स.)। मुंबई में दही हांडी उत्सव मनाते समय गुरुवार को अब तक 35 लोग घायल हो गए हैं। इनमें से 4 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और 9 लोगों को इलाज के बाद उन्हें घर छोड़ दिया गया है। इसके साथ ही 22 लोगों का ओपीडी में इलाज चल रहा है। मुंबई शहर में दही हांडी का उत्सव जोरदार तरीके से मनाया जा रहा है। मुंबई में आज सुबह से ही श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी पर्व के तहत लोग गोविंदा के रूप में दही हांडी फोड़ रहे हैं। दही हांडी फोड़ते समय गोविंदा एक के ऊपर एक इस तरह 9 से 10 लेयर (परत) बना रहे हैं। राज्य सरकार ने इसे साहसिक खेल का दर्जा दिया है। इस खेल को बीमा कवर दिया गया है। साथ ही इस घटना में घायलों के लिए मुंबई नगर निगम पहले से ही सतर्क है। इसी वजह से घायल गोविंदा का इलाज करने की अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें अस्पताल में एडमिट करने के लिए 125 बिस्तर आरक्षित किए गए हैं। इनमें सायन अस्पताल में 10, केईएम में 7, नायर अस्पताल में 4 और बाकी मुंबई के शहरों और उपनगरीय अस्पतालों में रखे गए हैं।

हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

धेमाजी (हि.स.)। राज्य भर में ड्रग्स के खिलाफ जारी मुहिम को आगे बढ़ाते हुए आज राज्य की धेमाजी जिले की सिलापथार पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ एक अभियान चलाया। अभियान के दौरान दो अरुणाचली व्यक्तियों को हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियान के दौरान उनके पास से 40.18 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त की गई। इस संदर्भ में एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

गो तस्करी के दो आरोपी गिरफ्तार

कोकराझार (हि.स.)। जिले के गोसाईगांव में बुधवार देर रात पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार करते हुए निजी वाहन सहित पांच गायों को बरामद किया है। पुलिस अधिकारी हिरेन कुमार डेका के नेतृत्व में पुलिस के एक दल ने अभियान चलाकर एक वाहन (एएस 01 बीजी 4760) से तस्करी कर ले जाई जा रहीं पांच गायों को बरामद किया।

उत्पल बोरा भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष भवेश चंद्र कलिता ने आज विधायक उत्पल बोरा को प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त किया। आज प्रदेश अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित्र एक नियुक्ति पत्र की प्रतिलिपि पार्टी के केंद्रीय कार्यालय तथा नेतृत्व को भी भेज दी गई। उत्पल बोरा की इस नियुक्ति से प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा के सदस्यों एवं पदाधिकारी के बीच खुशी देखी जा रही है।

देश में जन्माष्टमी की धूम, ढोल पर थिरकते भक्तगण

नई दिल्ली। पूरे देश में जन्माष्टमी का त्यौहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। मंदिरों में भगवान श्री कृष्ण के दर्शन करने के लिए भक्तों की सुबह से ही कतारें लगी हुई हैं। भगवान कृष्ण की जन्मभूमि मथुरा से लेकर देशभर के इस्कॉन मंदिरों में ठाकुर जी की मंगला और तुलसी आरती शुरू हो गई है। लोग भगवान का जन्मोत्सव मनाने के लिए बाजारों में खरीददारी कर रहे हैं। देश के कोने-कोने से जन्माष्टमी मनाने की तस्वीरें सामने आ रही हैं। गुरुवार (7 सितंबर) को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के इस्कॉन मंदिर में भक्त जन्माष्टमी के रंग में सराबोर नजर आए। यहां भक्त खुशी में ढोल-नगाड़ों की धुन पर नाचते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी तरह राजधानी दिल्ली के मशहूर बिड़ला मंदिर को जन्माष्टमी के अवसर पर फूलों से सजाया गया है। मंदिर में कृष्ण भक्तों की भीड़ सुबह से ही उमड़ रही है। आज रात ठीक 12 भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। बाजारों में लोग भगवान के श्रृंगार से संबंधित सामानों की जमकर खरीददारी कर रहे है। दिल्ली के गाजीपुर फूल मंडी में फूल विक्रेताओं के कारोबार में तेजी देखी जा रही है क्योंकि लोग कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर फूल खरीदने के लिए उमड़ रहे हैं। इसके अलावा लोग जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भी फूल खरीद रहे हैं। उधर पूरे देश में जन्माष्टमी का त्यौहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। मंदिरों में भगवान श्री कृष्ण के दर्शन करने के लिए भक्त सुबह से ही लाइनों में लगे हुए हैं। कृष्ण की जन्मभूमि मथुरा से लेकर देशभर के इस्कॉन मंदिरों में ठाकुर जी की मंगला और तुलसी आरती शुरू हो गई है। इस बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देशवासियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पर ट्वीट करके कहा कि मैं सभी देशवासियों को जन्माष्टमी के पावन पर्व की बधाई देती हूं। जन्माष्टमी का त्योहार हमें भगवान श्रीकृष्ण के गीता के उपदेश को समझने, अमल में लाने और निष्काम कर्म करने की प्रेरणा देता है।

पृष्ठ एक का शेष

भागचंद की पकड़ ...

व्यवस्था अमृत भोग भंडारे के सौजन्य से की गई थी और भागचंद जैन स्वयं उस कार्यक्रम में उपस्थित था, जबकि यह बात साबित हो गई है कि भागचंद जैन कोई भंडारा नहीं चलता है, भंडारे के नाम से लोगों से मोटी रकम चंदे के रूप में उठाता है और वहां जो कुछ बनता है उसे महानगर के विभिन्न क्लबों व अन्य सेवा संस्थाओं को ऊंचे दामों पर बेच देता है। यानी आम के आम और गुठली के दाम। बहरहाल उक्त कार्यक्रम में भागचंद जैन की उपस्थिति को देखकर कई इज्जतदार श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम से कन्नी काटने में ही अपनी भलाई समझी और वे वहां से उठ कर चले गए। लोगों ने कहा कि आज एक और पवित्र संगठन को भागचंद जैन की उपस्थिति ने अपवित्र कर दिया। जहां तक चंद्रप्रकाश का सवाल है तो पहले तो वह केवल विहंगम योग संस्थान के नाम पर ही उगाही किया करता था, पर अब उसने अपने चंदे के धंधे को विस्तार दे दिया है। अमृत भोग भंडारे में उसने भागचंद जैन के साथ में साझेदारी कर ली है। इसके अलावा जन्माष्टमी हो या अन्य कोई सनातनी पर्व-त्यौहार, वह उसके नाम पर चंदा उठाने से गुरेज नहीं करता। इस बीच चंदाखोर चंद्रप्रकाश की एक और पोल खुली है। असम जातीय परिषद के नाम पर गत विधानसभा चुनाव के समय उसने व्यापारियों को धमकी देकर बड़े पैमाने पर जो उगाही की थी, उसके पैसे वह स्वयं ही डकार गया था। पार्टी फंड में छोटी सी राशि ही उसने जमा की थी। इस संबंध में जल्द ही हम असम जातीय परिषद के शीर्ष नेता लुरिन ज्योति गोगोई का पक्ष आपके सामने रखेंगे।

कछार में पांच...

किया। मुख्यमंत्री ने असम माला परियोजना के तहत 210 करोड़ रुपए की लागत से 21 किलोमीटर लंबी सिलचर-कालाइन सड़क को चार लेन वाली सड़क में अपग्रेड करने की आधारशिला भी रखी। मुख्यमंत्री ने कछार जिले के विकास के लिए कई नई परियोजनाओं की भी घोषणा की। जिसमें, सिलचर के शिलघाट में बराक नदी पर एक और कंक्रीट पुल का निर्माण भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने सिलचर और दूधपातिल को जोड़ने के लिए सिलचर के मधुराघाट में एक और नए कंक्रीट पुल के निर्माण की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री हिमंत ने कहा कि बराक के लोग परिसीमन से बहुत खुश हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा पहले ही शिलचर के पूर्व विधायक दिलीप पाल को वापस लाने के लिए आवेदन कर चुकी है, जिन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सिलचर शहर को यातायात की समस्या से मुक्त करने के लिए तीन नए फ्लाईओवर बनाने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनगर से ट्रंक रोड तक 3 किमी लंबे फ्लाईओवर, कैपिटल प्वाइंट से रांगिरखारी तक 2.3 किमी लंबे फ्लाईओवर और तारापुर शिवबारी रोड पर 1 किमी लंबे एलिवेटेड ओवरब्रिज के निर्माण के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है।

लखीमपुर में पुलिस ...

बाद सद्दाम उर्फ बेलायत के परिजन पुलिस पर टूट पड़े। पुलिस पर हमला कर तस्कर सद्दाम हुसैन को पुलिस से छुरा लिया गया। इसी बीच, हमले के दौरान तस्कर सद्दाम की गर्भवती पत्नी वाहिदा बेगम गंभीर रूप से घायल हो गईं। यह घटना बुधवार रात की है। गुरुवार की सुबह एसपी आनंद मिश्रा ने हमलावर और पैडलर सद्दाम हुसैन की सघन तलाश की। मौके से पुलिस की बड़ी टीम ने चार दर्जन से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए लोगों को बंगालमारा, बिहपुरिया, धलपुर, नाओबैसा, लालुक पुलिस थानों में अलग-अलग रखा गया है।

बिजली संकट : लोड-शेडिंग...

की आवश्यकता थी, जबकि इस साल हमें 2,500 मेगावाट की आवश्यकता है। बिजली दरें क्यों बढ़ने की संभावना है, इसका कारण बताते हुए सीएम शर्मा ने कहा कि अभी हमारे पास इतनी बिजली नहीं है और अगर हमें बिजली खरीदनी पड़ी तो बिजली दरों में 1 रुपए की बढ़ोतरी की जाएगी। उन्होंने बताया कि अगले वर्ष के लिए राज्य सरकार ने मेगावाट बढ़ाने के लिए विभिन्न कंपनियों के साथ समझौता किया है ताकि निवासियों को बिजली का निरंतर प्रवाह मिल सके। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कहीं भी 5-10 घंटे बिजली कटौती नहीं की जाती है और अगर लोगों को 24/7 बिजली आपूर्ति की आवश्यकता है, तो हमें टैरिफ बढ़ाना होगा। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों में राज्य में अत्यधिक तापमान बढ़ गया है, जिससे लोगों का जीवन असहनीय हो गया है और लगातार बिजली कटौती ने इसे और अधिक असहनीय बना दिया है। इसके चलते लोगों ने चिंता जताई है कि टैरिफ बढ़ोतरी के बाद भी उन्हें लगातार बिजली नहीं मिल रही है।

पीएम-किसान योजना...

उचित कार्यान्वयन में बाधा आ रही थी। पात्रता के लिए कोई ठोस तंत्र भी नहीं था। रिपोर्ट में कहा गया है कि उपयुक्त अधिकारियों के सत्यापन के बिना कुल 373 लाभार्थियों को पंजीकृत किया गया था और 28.22 लाख रुपए का लाभ पहले ही असत्यापित लाभार्थियों को दिया जा चुका है। कुल 46.98 लाख रुपए का लाभ 572 अयोग्य लाभार्थियों को दिया गया है। इसमें कहा गया है कि सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) से जुड़े योजना खातों से 95 लाख रुपए का अतिरिक्त वितरण हुआ था, जिसके लिए राज्य नोडल विभाग उचित नहीं ठहरा सका। रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य परियोजना निगरानी इकाई ने कोई गतिविधि नहीं की और योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार किए जाने वाले *पांच फीसदी भौतिक सत्यापन* के कवरेज में भारी कमी है।

अग्निवीर वायु सेना ...

दिवसीय यात्रा पर थे और बुधवार को समीक्षा के साथ संपन्न हुई। गुवाहाटी में रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि इस दौरान धारकर ने कहा, अग्निवीर अच्छी तरह से प्रशिक्षित अग्निवीर वायु सेना का एक अभिन्न अंग बन गए हैं। उन्हें तैयार करना और प्रशिक्षित करना सभी वरिष्ठ वायु योद्धाओं की जिम्मेदारी है। स्टेशन के कर्मियों के साथ बातचीत करते हुए, उन्होंने उनसे तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने अपने कौशल को बढ़ाने, दक्षता बनाए रखने और सौंपी गई सभी भूमिकाओं में उत्कृष्टता बनाए रखने पर भी जोर दिया। उन्होंने सभी वायु योद्धाओं से परिचालन संबंधी तैयारियों के लिए शारीरिक रूप से फिट और मानसिक रूप से चुस्त रहने और किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए सतर्क रहने का आह्वान किया।

आरक्षण जारी रहे ...

रहा। जब तक हम उन्हें समानता प्रदान नहीं कर देते, तब तक कुछ विशेष उपाय करने होंगे। उन्होंने कहा कि जब तक ऐसा भेदभाव बना हुआ है, संविधान में प्रदत्त आरक्षण का हम पूरा समर्थन करते हैं। सतही रूप से भेदभाव भले ही नजर न आए, लेकिन यह समाज में व्याप्त है। भागवत ने कहा कि यह केवल वित्तीय या राजनीतिक समानता सुनिश्चित करने के लिए नहीं, बल्कि सम्मान देने के लिए भी है। एक छात्र के सवाल का जवाब देते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि यदि आप इसी तरह से काम करते रहेंगे, तो आपके बूढ़े होने से पहले ही यह साकार हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अब स्थिति ऐसी बन रही है कि जो लोग भारत से अलग हुए उन्हें लगने लगा है कि उन्होंने गलती कर दी है। उन सभी को लगता है कि उन्हें फिर से भारत में होना चाहिए। उन्हें लगता है कि ऐसा करने के लिए उन्हें नक्शे पर मौजूद रेखाओं को मिटाना होगा। लेकिन, ऐसा नहीं है। भारत में होने का अर्थ भारत की प्रकृति (स्वभाव) को स्वीकार करना है।

जी-20 शिखर सम्मेलन...

में वैश्विक सकल घरेलू उत्पादन (जी.डी.पी.) का 80 फीसदी और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का 75 फीसदी हिस्सा है अब तक कुल 17 जी-20 बैठकों का आयोजन हो चुका है। नई दिल्ली में यह 18वां जी- 20 शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। इस समूह के सदस्य देशों में भारत के साथ ही अमरीका, चीन, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस जैसे दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश शामिल हैं। इसके साथ ही जर्मनी, अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, इंडोनेशिया के साथ यूरोपीय संघ भी इस समूह का हिस्सा है। भारत सप्ताह के अंत में होने वाले जी- 20 शिखर सम्मेलन के दौरान विदेशी प्रतिनिधियों के समक्ष अपनी डिजिटल ताकत को प्रदर्शित करेगा जिसमें आधार और यू.पी.आई. जैसे प्रौद्योगिकी मंचों को दर्शाने के साथ *गीता* ऐप के जरिए जीवन को समझने का मौका भी मिलेगा। राजधानी के प्रगति मैदान में नवनिर्मित सम्मेलन स्थल भारत मंडपम में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान विदेशी मेहमानों को पवित्र ग्रंथ गीता को शिक्षाओं एवं उसके दर्शन को समझने का मौका एक विशेष ऐप के जरिए मिल सकेगा। मंत्रालय के एक वरि अधिकारी ने बुधवार को कहा कि आस्क गीता एक ऐसा माध्यम होगा जिसके माध्यम से विदेशी मेहमान इस पवित्र ग्रंथ में उलिखित शिक्षाओं के अनुरूप जीवन से जुड़े विविध पहलुओं को समझ सकेंगे। इसके साथ ही सम्मेलन में आने वाले प्रतिनिधि डिजिटल कॉमर्स को बढ़ावा देने के लिए गठित ओ. एन.डी.सी. मंच के साथ संवाद भी कर सकेंगे। यह पहली बार है जब भारत विश्व नेताओं के इतने शक्तिशाली समूह की मेजबानी कर रहा है भारतीय अध्यक्षता के तहत इसकी थीम %वसुधैव कुटुंबकम रखी गई है, जिसका अर्थ है विश्व एक परिवार है। आयोजन के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को दुल्हन की तरह सजाया गया है। दिल्ली की तमाम सड़कों और चौराहों को फूलों और फव्वारों से सजाया गया है जबकि सरकारी भवनों और फुटपायों को नए सिरे से पेंट किया गया है। सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। एंटी ड्रोन सिस्टम और 1,30,000 पुलिस और अर्ध सैन्य कर्मियों द्वारा शहर को अचूक सुरक्षा प्रदान की जानी है। इस बार की जी 20 बैठक में बहुपक्षीय संस्थानों से विकासशील देशों को अधिक ऋण, अंतर्राष्ट्रीय ऋण व्यवस्था में सुधार और क्रिप्टोकरंसी पर नियम को लेकर चर्चा होने की उम्मीद है। इसके अलावा खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा पर भूराजनीतिक अनिश्चितताओं के प्रभाव पर भी विमर्श हो सकता है। हालांकि, इस साल अब तक जी-20 समूह ने कोई भी संयुक्त बयान जारी नहीं किया है क्योंकि जी-20 समूह रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर पूरी तरह से बंटा हुआ दिखाई पड़ता है। नई दिल्ली में होने वाले सम्मेलन में 19 देशों के राष्ट्राध्यक्ष और सरकार के प्रमुख भाग लेंगे। इसके अलावा यूरोपीय संघ भी इस सम्मेलन में शिरकत करेगा। जी-20 के सदस्य देशों के अलावा 9 देशों के प्रमुख बतौर अतिथि देश, बैठक में हिस्सा लेंगे। अंतर्राष्ट्रीय संगठन (यू.एन. आई.एम.एफ. डब्ल्यू. बी. डब्ल्यू.एच.ओ. डब्ल्यू. टी. ओ., आई.एल.ओ. एफ. एस. बी. और ओ.ई.सी.डी.) व क्षेत्रीय संगठन (ए.यू. ए.यू.डी.ए. एन.ई.पी.ए.डी. और आसियान के अतिरिक्त जी-20 के अध्यक्ष के रूप में भारत द्वारा आई.एस.ए. सी.डी.आर.आई. और ए.डी.बी. को अतिथि अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के रूप में आमंत्रित किया गया है। रूस जी-20 समूह का हिस्सा है। इस बार की बैठक में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन हिस्सा नहीं लेंगे। रूस का प्रतिनिधित्व रूसी संघ के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव करेंगे। इस बारे में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से टैलीफोन पर बात भी की थी। जी- 20 शिखर सम्मेलन से पहले यूक्रेन में कथित युद्ध अपराधों को लेकर अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आई.सी.सी.) के गिरफ्तारी वारंट के चलते पुतिन जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी शामिल नहीं हुए थे। जानकारों का मानना है कि युद्ध को लेकर पश्चिमी देशों के साथ एक मंच पर आने पर पुतिन के लिए सहज माहौल नहीं होगा और जी-20 नोंकझोंक के लिए उचित प्लेटफॉर्म नहीं होगा। राष्ट्रपति शी जिनपिंग कार्यक्रम का हिस्सा नहीं होंगे। उनके स्थान पर चीन का प्रतिनिधित्व देश के प्रधानमंत्री ली वांग करेंगे। ऐसा करके प्रधानमंत्री के निमंत्रण के अलावा शी जिनपिंग ने अमरीका के राष्ट्रपति जो बाइन की उम्मीद पर पानी फेर दिया है। बाइडेन ने उनसे जी-20 सम्मेलन में भारत आने की अपील की थी। शी 2013 में सत्ता में आने के बाद पहली बार जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग नहीं ले रहे हैं, जिसका कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है। शी की अनुपस्थिति ऐसे समय में हो रही है जब भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एल.ए.सी.) पर तनाव बना हुआ है। इस बीच विशेषज्ञों ने कहा है कि शी की अनुपस्थिति से भारत के लिए अपने वैश्विक नेतृत्व की ताकत बढ़ाना भी आसान हो सकता है। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को लोगों से जी-20 शिखर सम्मेलन को देखते हुए टहलने, साइकिल चलाने और सैर-सपाटे जैसी गतिविधियों के लिए इंडिया गेट और कर्तव्य पथ पर नहीं जाने का आग्रह किया। विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) एस.एस. यादव ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चूंकि इंडिया गेट कर्तव्य पथ को नियंत्रित क्षेत्र में निर्दिष्ट किया गया है, इसलिए दिल्ली पुलिस लोगों से अप्रैल करती है कि जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान टहलने, साइकिल चलाने वा सैर- सपाटे के लिए इस क्षेत्र में न जाएं। नई दिल्ली: जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद का स्वागत करते अधिकारी।

महिला को उठाने...

बैठाया। हालांकि, इस घटना के दौरान महिला को कोई चोट नहीं लगी। क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन ने इस घटना का जिक्र करते हुए बताया कि उनके पास कई फोन कॉल आते हैं, लेकिन यह घटना असामान्य थी।

तूफान की रिपोर्टिंग ...

भी पत्रकार को सजा देने का यह सबसे गंभीर मामला प्रतीत होता है। प्रेस स्वतंत्रता समूह *रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स* ने अप्रैल में कहा था कि पत्रकारों को जेल में डालने के मामले में चीन के बाद म्यांमार दुनिया में दूसरे स्थान पर है। इतना ही नहीं, विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2023 में 180 देशों में से म्यांमार सबसे निचले स्थान 176वें पर है।

आईएसआई एजेंट का ...

में रहते हैं। इसके बावजूद भक्त बंसी के मोबाइल से इनकी तस्वीरें मिली हैं, जो केंद्रीय एजेंसियों को अचंभित करने वाली हैं। भक्त बंसी के दूसरे सहयोगियों के बारे में भी पता लगाया जा रहा है। उसने पूछताछ में बताया है कि दिल्ली में मौजूद सामरिक महत्व की कई इमारतों पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी हमला करवाने की फिराक में है। इसके लिए आतंकी संगठनों को काम पर लगाया जा रहा था। भक्त बंसी को इस बात की जिम्मेदारी दी गई थी कि इन जगहों की पुख्ता तस्वीरें उपलब्ध करवाए।

पूसी रेलवे ने किया ट्रेनों के प्रस्थान, गंतव्य में बदलाव

गुवाहाटी (हिंस)। मानकोट्टा आरओबी के पुनर्निर्माण और रेलवे बिजलीकरण कार्यों के लिए डिब्रूगढ़ टाउन स्टेशन को अस्थायी रूप से बंद करने की वजह से कुछ ट्रेनों के प्रस्थान और गंतव्य स्टेशन को पहले 06 सितंबर तक डिब्रूगढ़ टाउन स्टेशन के बजाए डिब्रूगढ़ स्टेशन परिवर्तित किया गया था, अब इसे 30 सितंबर तक बढ़ाया गया है। तदनुसार, 05 से 30 सितंबर तक यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 12424 (नई दिल्ली - डिब्रुगढ़) राजधानी एक्सप्रेस नई दिल्ली से 16.20 बजे रवाना होगी और डिब्रूगढ़ 06 बजे पहुंचेगी। 07 से 30 सितंबर तक यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 12423 (डिब्रूगढ़ - नई दिल्ली) राजधानी एक्सप्रेस डिब्रूगढ़ से 20.55 बजे रवाना होगी और नई दिल्ली 10.30 बजे पहुंचेगी। 06 से 30 सितंबर तक यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15669 (गुवाहाटी - डिब्रूगढ़) नगालैंड एक्सप्रेस गुवाहाटी से 20.45 बजे रवाना होगी और डिब्रूगढ़ 10.30 बजे पहुंचेगी। 07 से 30 सितंबर तक यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15670 (डिब्रूगढ़ - गुवाहाटी) नगालैंड एक्सप्रेस डिब्रूगढ़ से 14:05 बजे रवाना होगी और गुवाहाटी 03:15 बजे पहुंचेगी। 07 से 30 सितंबर तक यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 05916 (डिब्रूगढ़ - शिमलगुड़ी जंक्शन) पैसेंजर स्पेशल डिब्रूगढ़ से 17:35 बजे रवाना होगी और शिमलगुड़ी जंक्शन 20:05 बजे पहुंचेगी। 07 से 30 सितंबर तक यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 05915 (शिमलगुड़ी जंक्शन - डिब्रूगढ़) पैसेंजर स्पेशल शिमलगुड़ी जंक्शन से 06:25 बजे रवाना होगी और डिब्रूगढ़ 08:45 बजे पहुंचेगी। इसके अलावा, ट्रेन संख्या 07902/07903 (लीडो - डिब्रूगढ़ टाउन - लीडो) डेमू स्पेशल की यात्रा, जिसे 07 मई से 06 सितंबर तक डिब्रूगढ़ टाउन स्टेशन को छोड़कर वाया चाउलखोवा - डिब्रूगढ़ होकर मुरकंगसेलेक तक बढ़ाया गया था, उसे अब 30 सितंबर तक किया गया है। ट्रेन संख्या 07902 (लीडो - मुरकंगसेलेक) डेमू स्पेशल लीडो से 06:45 बजे रवाना होगी और मुरकंगसेलेक 12:15 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 07903 (मुरकंगसेलेक - लीडो) डेमू स्पेशल मुरकंगसेलेक से 15:30 बजे रवाना होगी और लीडो 21:00 बजे पहुंचेगी। इस ट्रेन के परिचालन से असम और अरुणाचल प्रदेश के एक हिस्से के यात्रियों को ब्रह्मपुत्र के उत्तर और दक्षिण तटों के बीच सुगम यात्रा की सुविधा मिल रही है।

एआईयूडीएफ की वंदना में लगे गौरव गोगोई : पीयूष

मोरीगांव (हिंस)। राज्य के सूचना जनसंपर्क, जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सांसद तथा लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक गौरव गोगोई अंदर ही अंदर एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल से विनती कर रहे हैं ताकि एआईयूडीएफ नगांव से लोकसभा चुनाव में अपना उम्मीदवार खड़ा नहीं करें। आज यहां एक स्कूल के कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री पीयूष ने कहा कि बीते चुनाव में गौरव को कोलियाबर सीट से एआईयूडीएफ की कृपा पर ही चुनाव जीते थे। यदि एआईयूडीएफ वहां से उम्मीदवार खड़े करती तो गौरव गोगोई का चुनाव जीतना नामुमकिन था। इसके साथ ही बीते विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और एडीएफ के बीच चुनावी एआईयूडीएफ था। उन्होंने कहा कि एआईयूडीएफ और कांग्रेस का गठबंधन हमेशा से ही है और रहेगा। क्योंकि, कांग्रेस एआईयूडीएफ के बिना एक

भी सीट जीतने की स्थिति में नहीं है। वहीं, मंत्री ने यह भी कहा कि गौरव गोगोई अपनी ही पार्टी के सांसद प्रद्युत बरदलै से नगांव की सीट छीनने में लगे हुए हैं। कांग्रेस भाजपा से क्या लड़ेगी, अपनी पार्टी के अंदर की लड़ाई से ही उसकी मात हो गई है।

भाजपा मुख्यालय में भाजपा अगप प्रवक्ताओं की बैठक संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। बशिष्ठ स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आज प्रदेश भाजपा और असम गण परिषद के प्रवक्ताओं की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश भाजपा महासचिव

सांसद पल्लब लोचन दास, दीपलुरंजन शर्मा, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव एवं सांसद पवित्र मार्घेरिटा, मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुवा, प्रेस विभाग के संयोजक देवान ध्रुवज्योति मरल, असम गण परिषद के उपाध्यक्ष दिलीप पाटगिरी, सुनील डेका, महासचिव एवं विधायक रामेंद्र नारायण कलिता आदि उपस्थित थे। भाजपा मुख्यालय में पहली बार हुई इस प्रकार की बैठक में दोनों दलों के प्रतिनिधियों ने आने वाले दिनों में और अधिक सामंजस्यपूर्ण तरीके से काम कैसे क जाए, इस पर विस्तार से चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने देश और राज्य के विकास के लिए कई कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू किए हैं। आज की बैठक में इन कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी तरीके से जनता तक ले जाने का भी निर्णय लिया गया। आज की बैठक में यह भी तय किया गया कि दोनों दलों के समाचार विभाग संयुक्त रूप से रणनीति बनाएंगे और आगामी लोकसभा चुनाव के साथ आगामी सभी चुनावों में रणनीति के साथ आगे बढ़ेंगे।

रंगिया : खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता विभाग को लेकर विशेष बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया के महकमाधिपति कार्यालय के बैठक कक्ष में अतिरिक्त उपायुक्त तथा रंगिया के महकमाधिपति दिपन बर्मन की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग की एक विशेष बैठक आयोजित की गई। कमलपुर के विधायक दिगंतो कलिता के निर्देशन में आयोजित इस बैठक में विधायक कलिता के प्रतिनिधि के साथ विभागीय अधिकारी और कर्मचारी, समवाय समितियों के अध्यक्ष/सचिव, सुलभ मूल्य के दुकानदार संस्था के अध्यक्ष/सचिव व प्रतिनिधि शामिल रहे। इस बैठक के दौरान महकमाधिपति ने सभी से वर्तमान चल रहे राशन कार्ड के नाम शामिल करने या नए राशन कार्ड के लिए आवेदन प्रक्रिया पर नजर

रखने का आह्वान किया ताकि कोई विसंगति या कोई अवैध वित्तीय लेनदेन न हो। साथ ही उपस्थित लोगों को यह बात सभी हिताधिकारियों तक पहुंचाने का भी उन्होंने सभी से अनुरोध किया। इस दौरान कमलपुर के विधायक के प्रतिनिधि ने भी इस संबंध में विधायक की सलाह को उपस्थित लोगों के बीच अवगत कराया। इस मौके पर रंगिया के महकमाधिपति कार्यालय के माध्यम से यह सूचित किया गया है कि यदि किसी व्यक्ति को राशन कार्ड में नाम शामिल करने या नए राशन कार्ड की आवेदन प्रक्रिया के संबंध में कोई विवाद है, तो वह तुरंत ही महकमाधिपति कार्यालय में आकर महकमाधिपति को इस बारे में अवगत कराएं। साथ ही कोई भी बिचौलिया किसी भी व्यक्ति को आर्थिक रूप से ठग न सके इसके लिए सभी को सावधान रहने का भी अनुरोध किया गया है।

बीटीआर प्रमुख ने की कई बड़ी योजनाओं की घोषणा

उदालगुड़ी (हिंस)। रौता के लोगों के लिए अच्छी खबर है। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने कई बड़ी योजनाओं की घोषणा की है। रौता में जल्द ही ऑर्गेनिक यूनिवर्सिटी का कैंपस शुरू होने जा रहा है। 5 करोड़ रुपए की लागत से एक स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) सरकार की योजना रौता में एक उच्च गुणवत्ता वाले सिनेमाघर और कोल्ड स्टोरेज वाले स्थान पर एक फुट पार्क बनाने की है। अपनी पार्टी की एक मीटिंग को संबोधित करते हुए बीटीआर के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो ने यह भी घोषणा की कि इस मेगा योजना के अलावा उदालगुड़ी जिले के रौता में साहित्य सभा, सामाजिक भवन, प्रतिष्ठानों के भवन, कार्यालय निर्माण आदि किया जाएगा।

बजाली मामले में कई तथ्य आए सामने, 3 गिरफ्तार

बजाली (हिंस)। बजाली के सुपारी सिंडिकेट मामले में सीआईडी की पूछताछ में कई नए तथ्य सामने आए हैं। रबीउल के आवास पर छापे की जीडी एंट्री (सामान्य डायरी में मामले का विवरण) बजाली पुलिस द्वारा की गई थी। एलसी अनंत मालाकार ने पूरा फर्जी केस लिखा था। अनंत मालाकार 16 जुलाई को पाठशाला पुलिस स्टेशन में तैनात थे। रबीउल का आवास भवानीपुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत था। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बूढ़ागोहाईं ने अनंत मालाकार को भवानीपुर बुलाया। इस जीडी एंट्री के माध्यम से डीएसपी पुष्कल गोगोई द्वारा एक सूची तैयार की गई थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गायत्री सोनोवाल ने भी सूची बनाने में सहायता की थी। सीआईडी को इनके बारे में उचित दस्तावेजी सबूत मिले थे। पुलिस पहले ही पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बूढ़ागोहाईं, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गायत्री सोनोवाल, डीएसपी पुष्कल गोगोई, आईसी देबजीत गिरि, एसपी के ड्राइवर सहित सात लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। फिर गुरुवार को एलसी मालाकार को कथित तौर पर फर्जी जीडी एंट्री लिखने के आरोप में सीआईडी कार्यालय लाया गया। एलसी अनंत मालाकार को जल्द ही गिरफ्तार किया जा सकता है। सीआईडी ने एसपी बूढ़ागोहाईं के अंगरक्षक को भी हिरासत में लिया है। शहीदुल इस्लाम और अनंत मालाकार ने इस पूरे घोटाले को कबूल कर लिया है। घोटाले का ब्यौरा एलसी भवानीपुर सांवर हुसैन अहमद के सामने भी कबूल किया गया है। एसपी के पीएसओ प्रांजल पातर ने भी घोटाले की बात कबूली है। इस संबंध में कई और तथ्य सामने आने की संभावना है।

कचुवा में ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। जिले के कचुवा के जुरिपार में पुलिस और ग्राम रक्षक दल द्वारा आज चलाए गए एक अभियान के दौरान ड्रग्स के साथ एक तस्कर गिरफ्तार कर लिया गया। खुफिया जानकारी के आधार पर कचुवा पुलिस और ग्राम रक्षक दल ने यह अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व कचुवा पुलिस थाना के प्रभारी राजा इरशाद ने किया। छापेमारी में आमसर अली नामक एक ड्रग्स तस्कर को पकड़ने में कामयाबी मिली है। आमसर अली के पास से दो साबुनदानी से 25.02 ग्राम संदिग्ध हेरोइन के साथ एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। ड्रग्स के साथ तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच जारी है।

जामलाइ में सामाजिक कार्यकर्ता का निधन, शोक

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के नगरबेड़ा पुलिस स्टेशन के तहत जमलाई में एक सामाजिक कार्यकर्ता की मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। पता चला है कि संबंधित पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र के तहत जमलाई निवासी और जमलाई क्षेत्रीय बाजार प्रबंधन समिति के पूर्व अध्यक्ष असीर अली (56)

सुबह निजी काम से अपने घर से बाहर निकले थे। जहां उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा और वह नागरबेड़ा बाजार के एक चाय रेस्तरां में कुछ साथियों के साथ चाय पीने के दौरान बेहोश हो गए। उन्हें नगरबेड़ा प्रखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने उनकी जांच की और उन्हें मृत घोषित कर दिया। अपनी मृत्यु के समय, वह अपनी पत्नी, एक बेटी और दो बेटों और बड़ी संख्या में रिश्तेदारों को छोड़ गए। अपनी मृत्यु से पहले, वह ग्रेटर जमलाई क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों और कार्यक्रमों में शामिल थे। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

भव्य धार्मिक शोभायात्रा के साथ विहिप ने मनाई जन्माष्टमी

रंगिया (विभास)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की उत्तर कामरूप जिला समिति द्वारा बुधवार को रंगिया में भव्य कार्यक्रमों के साथ परिषद का स्थापना दिवस और श्रीश्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला समिति के अध्यक्ष रंजन कुमार बैश्य द्वारा धार्मिक ध्वजारोहण के साथ सुबह 9:00 बजे किया गया। इसके साथ ही सुबह 9.30 बजे आयोजन स्थल यानी प्रगति संघ मैदान रंगिया प्रांगण में गौ-माता पूजन सहित सुबह 11.00 बजे एक विशाल धर्मसभा आयोजित की गई जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ असम प्रांत के क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख डॉ. सुनील माहन्ति के अलावा विश्व हिंदू परिषद उत्तर पूब प्रांत के समरसता प्रमुख अनूप दास, रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, मंगलदै लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद रमेन डेका, रंगिया के महकमाधिपती

दिपन बर्मन, प्रदेश भाजपा के सांगठनिक महासचिव जी आर रविन्द्र राजू आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस सभा में सभी वक्ताओं ने अपने भाषण में धर्म के प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। सभा में विहिप के सदस्यों और कार्यकर्ताओं सहित भारी संख्या में स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया। इसके पश्चात एक विशाल सांस्कृतिक शोभायात्रा आयोजन स्थल से निकाली गई जिसका शुभारंभ मंत्री भवेश कलिता और पूर्व सांसद रमेन डेका ने धर्मिय झंडी दिखाकर किया। शोभायात्रा नगर मुख्य मार्गो से होती हुई दोपहर 2 बजे पुन: आयोजन स्थल पहुंची। शोभायात्रा में करीब 2 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं ने बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया। इसके साथ ही दोपहर 2 बजे प्रसाद व भोग वितरित किया गया। श्री श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पूजा सायं 6.30 बजे से प्रारंम्भ की गई जिसके अंतर्गत आरती, पुष्पांजली आदि का आयोजन किया गया। जिला समिति के अध्यक्ष रंजन कुमार बैश्य, सचिव शैलजानन्द भट्टाचार्य सहित महोत्सव आयोजन समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष अमरेन्द्र लहकर, सह-कार्यवाहक अध्यक्ष अंजन भुइयां, महासचिव मृदुल डेका, सह-सचिव दिनमनी डेका, बलेन सील, प्रणव कलिता, शंकर काकोती, हरिचरण बोड़ो, हिरकज्योति कलिता, विनोद दास, गणपति सालोई, कोषाध्यक्ष- राजेश बजाज, हिसाब परीक्षक लखिकांत महंतो सहित वित्त, अभ्यर्थना,शोभा यात्रा संचालन, व्यवस्थापना, खाद्य, पूजा,प्रसाद वितरण, पानी विभाग आदी विभिन्न उपसमितियों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का भरपूर सहयोग रहा।

युवक की मृत्यु को लेकर होजाई थाने का घेराव

होजाई (विभास)। युवक की मृत्यु को केंद्र कर होजाई थाना परिसर में बुधवार सांयस्थिति तनावपूर्ण हो गई। प्राप्त समाचारों के अनुसार 20 अगस्त को शिवबाड़ी अंचल के पांच नंबर वार्ड निवासी हीरो रोय (पप्पू) नामक युवक की एकांश लोगों ने प्रहार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। समाचारों के अनुसार घटना उस समय घटी जब मनसा पूजा का विसर्जन शिव बाड़ी स्थित पोखरी पर किया जा रहा था। घायल हीरो राय को संकट जनक अवस्था को देखते हुए उसे उच्च चिकित्सा के लिए गुवाहाटी के जीएमसीएच चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। लगभग 19 दिनों से चले उसके इलाज के दौरान बुधवार दौपहर को उसका निधन हो गया। चिकित्सालय में शव का अंत परीक्षण करने के पश्चात होजाई लाया गया। उसके परिवार व शुभचिंतिको ने न्याय की मांग हेतु उसका शव ले जाकर होजाई थाना परिसर में रख परिसर का घेराव कर न्याय की मांग की। इस दौरान लोग काफी उत्तेजित थे व पुलिस की कार्रवाई से नाखुश थे। इस दौरान होजाई जिला पुलिस अधीक्षक सौरभ गुप्ता के निर्देश पर अपराध शाखा के उप-पुलिस अधीक्षक पल्लव तमूली ने उत्तेजित लोगों से बातचीत की व उन्हें विश्वास दिलाया कि 7 दिनों के अंदर इस घटना से जुड़े सभी आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। इस आश्वासन के पश्चात मृत हीरो राय का अंतिम संस्कार किया गया। गौरतलब है अभी तक पुलिस ने इस घटना से जड़ित आरोपी काजल सूत्रधार, उसकी पत्नी व पुत्री को हिरासत में लिया जब वह डिमापुर से अपने घर पहुंचे। वहीं पुलिस इस घटना से जड़ित आरोपियों को पकड़ने हेतु कड़ी कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

आरएके सेरामिक्स ने गुवाहाटी में अपने कार्यालय व प्रथम शोरूम का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (विभास)। दुनिया की अग्रणी सिरेमिक ब्रांड आरएके सेरामिक्स ने आज गुवाहाटी में उत्तर पूर्व भारत में अपना पहला अनुभव केंद्र और कार्यालय का शुभारंभ किया। कार्यालय सह शोरूम का उद्घाटन आरएके सेरामिक्स इंडिया के सीईओ अनिल के बीजावत ने किया। इस मौके पर सम्मानित अतिथि के रूप में बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, गुवाहाटी सेंटर के अध्यक्ष बिजय सराफ सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। आरएके सिरेमिक्स का यह अनुभव केंद्र प्रतिस्पर्धी मूल्य पर भारतीय ग्राहकों के लिए शानदार सिरेमिक टाइल्स और बाथवेयर उत्पादों की वैश्विक श्रृंखला को लेकर आया है। हमारे नए गुवाहाटी कार्यालय परिसर के भीतर नए डिजाइन किए गए, 2000 वर्ग फुट के डिस्प्ले क्षेत्र

में एक समकालीन और सौंदर्यपूर्ण लुक और अनुभव है। एक वैश्विक ट्रेंडसेटर होने के नाते कंपनी आने वाले महीनों में उत्तर पूर्व में उत्पादों की एक और अधिक अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला पेश करने की योजना बना रही है। आरएके सेरामिक्स भारत में इस श्रेणी में सबसे तेजी से बढ़ते ब्रांडों में से एक है। पिछले साल भारत में यह ब्रांड 20 प्रतिशत बढ़कर 1,000 करोड़ पर बंद हुआ। कंपनी के वर्तमान में भारत में 11 प्रमुख शोरूम हैं जो देश के उत्तर, पूर्व, पश्चिम और दक्षिणी हिस्सों में फैले हुए हैं। आरएके सेरामिक्स इंडिया के सीईओ अनिल के बीजावत ने अनुभव केंद्र और कार्यालय का उद्घाटन करते हुए कहा कि उत्तर पूर्व हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और यह तेजी से उभरने वाला बी2बी और बी2सी बाजार है, जिसमें जबरदस्त संभावनाएं हैं। हमें यहां गुणवत्तापूर्ण शोरूम खोलकर खुशी हो रही है। हम गुवाहाटी और उत्तर पूर्व भारत के बढ़ते ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तत्पर हैं जो अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता और मानकों के सर्वोत्तम उत्पाद चाहते हैं। विस्तार योजनाओं पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि हम सभी बाजारों में अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम अनुभव और गुणवत्ता वाले उत्पाद देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और यही कारण है कि हम मौजूदा अनुभव केंद्रों को नया रूप दे रहे हैं और भारत के विभिन्न महत्वपूर्ण शहरों में कई और केंद्र खोल रहे हैं। गुवाहाटी में प्रदर्शन का मुख्य आकर्षण लूस है, जो एक विशेष पारभासी स्लैब है, जो बहुत उच्च गुणवत्ता वाले कच्चे माल से तैयार किया गया है। प्रकाशित होने पर, लूस का विशेष शरीर एक नरम चमक देता है और वास्तव में डिजाइन को प्राकृतिक दिखने वाले गोमेद में बदल देता है। इसके अलावा आरएके सेरामिक्स एसयूटी रेंज (सुपर यूटिलिटी टाइल्स) रेंज भी प्रदर्शित है। एसयूटी संग्रह तकनीकी रूप से बेहतर उपयोगी टाइलों की एक श्रृंखला है जो सुंदर और समकालीन हैं। इसमें इग्नीअस (भारत की एकमात्र स्क्रैच प्रूफ टाइलें), बेयरफुट+ (आर12 रेटिंग वाली एंटी स्लिप टाइल्स), क्लिमा (क्लाइमेट एडाप्टिव टाइल्स) और कई अन्य शामिल हैं।

रंगिया जन्माष्टमी : प्रथम निमंत्रण भगवान श्री गणेश जी को अर्पित किया गया

रंगिया (विभास)। श्रीश्री गणेश चतुर्थी महोत्सव समिति वर्ष- 2023, रंगिया द्वारा समिति के 35 वें श्रीश्री गणेश चतुर्थी महोत्सव के आयोजन को लेकर बृहस्पतिवार को प्रथम निमंत्रण भगवान श्री गणेश जी को अर्पित किया गया। महोत्सव के दौरान सभी प्रकार की विघ्न बाधाओं को दूर कर आनंदमय परिवेश में आयोजन के उद्देश्य से श्रीश्री गणेश चतुर्थी महोत्सव का निमंत्रण भगवान के श्री चरणों में श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर के महंत पुजारी गोपाल शर्मा के मार्फत अर्पित किया गया। इस शुभ अवसर पर समिति के पदाधिकारी गोपाल जाजोदिया, आशिक सुरेका, प्रमोद छित्रका, आशीष लुण्डिया, सौरभ बजाज और कौशल सिंघानिया ने

उपस्थित होकर भगवान की आराधना की। वहीं आगामी 18 सितंबर सोमवार को प्रतिमा स्थापन के महोत्सव प्रारंभ होगा। जिसके तय कार्यक्रमों के अनुसार 19 सितंबर की सुबह धार्मिक ध्वजारोहण, पूजा अर्चना, हवन, महाआरती व प्रसाद वितरण किया जाएगा। संध्या आरती के बाद छप्पन भोग अर्पण व वितरण के बाद अतिथि कलाकारों द्वारा जागरण का आयोजन किया जाएगा। 20 सितंबर की सुबह आरती व प्रसाद वितरण के बाद दोपहर बाद सेठ गणेश की रंगारंग धार्मिक शोभायात्रा निकाली जाएगी। संध्या आरती के साथ महोत्सव संपन्न होगा की जानकारी मिली है।

अधिवक्ताओं के लिए आधुनिक दो मंजिला इमारत के निर्माण-कार्य का शुभारंभ

रंगिया (विभास)। न्यायिक मामलों को सुचारू रूप से चलाने और अधिवक्ताओं की सुविधा के लिए रंगिया महकमा न्यायिक दंडाधिकारी अदालत परिसर में रंगिया नगर पालिका के अधीन एक आधुनिक दो मंजिला इमारत के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस बीच, रंगिया नगर पालिका के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर, उपाध्यक्ष विद्युत डेका भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक कलीता ने बताया कि लगभग 32 लाख रुपयों की लागत से इस दो मंजिला इमारत का निर्माण कार्य संपूर्ण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस भवन का निर्माण कार्य संपूर्ण होने के बाद अधिवक्ताओं की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो जाएगी। उक्त गृह निर्माण के शुभारंभ कार्यक्रम में रंगिया उकिल संस्था के बहुत से

वरिष्ठ अधिवक्ताओं के साथ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, रंगिया महकमा न्यायिक दंडाधिकारी सहित विभिन्न लोग उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संस्था के अध्यक्ष गोपाल चंद्र काकोती और सचिव सैयद मुस्तफा अहमद ने उपस्थित लोगों को धन्यवाद दिया।

मायुमं, गुवाहाटी समृद्धि शाखा व नगांव शाखा के अमृतधारा प्रकल्प का शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच की गुवाहाटी समृद्धि शाखा एवं नगांव शाखा के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय प्रकल्प अमृतधारा के अंतर्गत नवगांव नुरुल अमीन स्टेडियम में ठंडेपानी की मशीन लगाई गई। यह प्रकल्प गुवाहाटी समृद्धि शाखा की अमृतधारा संयोजिका अरुणा शर्मा की देख- रेख में किया गया। इसके अंतर्गत शाम 6 बजे से एक कार्यक्रम आयोजित कर ठंडे पानी की मशीन को स्पोर्ट्स एसोसिएशन को सौंपी गई। अमृतधारा का शुभारंभ नगांव सदर विधायक रूपक शर्मा द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर मायुमं के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष रितेश खटेड़, अमृतधारा संयोजक मनोज पोद्दार, प्रांतीय कार्यकारणी सदस्य विवेक तोदी, एवं अरुण नगरका का फुलाम गामोछा से शाखा

द्वारा अभिनंदन किया गया। साथ ही गुवाहाटी समृद्धि की अध्यक्षा बबीता मित्तल का भी नगांव शाखा व सदर विधायक रूपक शर्मा का अभिनन्दन किया गया। स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से भी गुवाहाटी समृद्धि शाखा की अध्यक्षा बबिता मित्तल का स्वागत किया गया। विधायक रूपक शर्मा ने मारवाड़ी युवा मंच के कार्यों की सरहाना करते हुए दोनों शाखाओ का धन्यवाद ज्ञापन किया और कहा की इस अमृतधारा का लाभ रोजाना करीबन 1200 बच्चों को मिलेगा। साथ ही युवा मंच द्वारा किए जा रहे अन्य कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम की सफलता हेतु नवगांव शाखाध्यक्ष विनीत मोर ने प्रायोजक ओम प्रकाश मित्तल का धन्यवाद दिया और साथ ही गुवाहाटी समृद्धि का और अपनी पूरी टीम का धन्यवाद दिया। गुवाहाटी समृद्धि शाखा की और से अध्यक्षा बबीता मित्तल, सचिव एकता गाड़ोदिया और उपाध्यक्षा संगीता कोठरी उपस्थित थी। नगांव शाखा की और से अध्यक्ष विनीत मोर, सचिव नारायण पारीक, विवेक तोदी, अमित शर्मा, मनीष गाड़ोदिया के साथ अन्य कई सदस्य मौजूद थे। यह जानकारी जनसम्पर्क सचिव अंजू शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति में दी।

जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने दिल्ली पहुंचे मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रवींद कुमार जुगनाथ

नई दिल्ली, (हि.स.)। जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए मेहमान दिल्ली पहुंचने लगे हैं। इसी क्रम में मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रवींद कुमार जुगनाथ गुरुवार को दिल्ली पहुंचे हैं। दिल्ली हवाई अड्डे पर केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग व पर्यटन राज्य मंत्री श्रीपाद नाइक ने जुगनाथ का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट कर कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रवींद कुमार जुगनाथ आज दिल्ली पहुंचे हैं। भारत में उनका स्वागत है। दिल्ली हवाई अड्डे पर केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग व पर्यटन राज्य मंत्री श्रीपाद नाइक ने जुगनाथ का स्वागत किया है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में 8 से 10 सितंबर के बीच जी-20 देशों की बैठक होनी है। इस बैठक में दुनिया के 20 ताकतवर देशों के नेता शामिल होंगे। जी-20 को देखते हुए दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है और राष्ट्रीय राजधानी को भव्य तरीके से सजाया गया है। जी-20 शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन, जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग,सऊदी अरब के प्रधानमंत्री

मोहम्मद बिन सलमान, क्राउन प्रिंस, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल हिस्सा लेंगे। मेहमान देशों के रूप में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सिसी, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रवींद कुमार जुगनाथ, सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग, स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज, नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रुटे, नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू, संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद, ओमान के उप प्रधानमंत्री सैय्यद असद बिन तारिक अल सईद हिस्सा लेंगें। कुछ वैश्विक संस्थानों के प्रतिनिधि भी जी-20 में हिस्सा लेने दिल्ली पहुंच रहे हैं। इस आयोजन में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, विश्व बैंक के चेयरमैन अजय बंगा, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एमडी क्रिस्टालिना जॉर्जिवा, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के मुखिया गिल्बर्ट फॉसौं होउंगबो और विश्व व्यापार संगठन के डीजी नगोजी सहित अन्य वैश्विक संगठनों के प्रमुख व जिम्मेदार अधिकारी कार्यक्रम में हिस्सा लेने दिल्ली आ रहे हैं।

अब जापान ने भी लांच किया मून मिशन, पहुंचने में लगेंगे चार से छह महीने

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की तर्ज पर जापान ने गुरुवार की सुबह अपना मून मिशन लांच कर दिया है। जापान की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा ने चंद्रमा पर लैंडर को ले जाने वाला रॉकेट एच-आईआईए लॉन्च किया। गौरतलब है कि मौसम की खराबी के चलते पिछले महीने एक हफ्ते में तीन बार मिशन स्थगित किया गया था। इसके बाद आखिरकार जापान इसकी लांचिंग करने में सफल रहा। तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से एच-आईआईए रॉकेट के जरिए यह लॉन्चिंग की गई। बार-बार खराब मौसम के चलते जापानी अंतरिक्ष एजेंसी को मून मिशन की लॉन्चिंग की तारीख को बदलना पड़ा था। जापानी एयरोस्पेश एक्सप्लोरेशन एजेंसी जाक्सा द्वारा लॉन्च किया जाने वाले मून मिशन ह्यमून स्नाइपर में रॉकेट

एक लैंडर को ले जाएगा, जिसके चार से छह महीने में चंद्रमा की सतह पर पहुंचने की उम्मीद है। बता दें कि जापान के मून मिशन में ब्रह्मांड के विकास की जांच के लिए डिजाइन किया गया एक एक्स-रे इमेजिंग उपग्रह भी होगा। जापान काफी लंबे समय से अपने मून मिशन पर काम कर रहा है। जापान के मून मिशन में कई चीजें शामिल हैं। जिस में चंद्रमा पर जांच करने के लिए स्मार्ट लैंडर को उतारना है। जापानी अंतरिक्ष एजेंसी मून स्नाइपर को एच2ए रॉकेट के जरिए चांद पर भेज रही है। मून स्नाइपर में हाई टेक्नोलॉजी के कैमरे लगे हुए हैं, जो चांद को समझने के लिए काम करेगा। स्लिम की चंद्र लैंडिंग अगले साल की शुरूआत में निर्धारित है। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी द्वारा चंद्रमा पर उतरने का यह पहला प्रयास है। इस साल मई में एक निजी जापानी कंपनी द्वारा किया गया पिछला प्रयास विफलता में समाप्त हो गया था।

जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान मौसम की सटीक जानकारी के लिए तैयार किया गया वेबपेज, बारिश के आसार

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली में 9 और 10 सितंबर को होने जा रहे जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान मौसम की सटीक जानकारी देने के लिए विशेष रूप से एक वेबपेज तैयार किया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग दिल्ली के नौ स्थानों की मौसम की जानकारी इस पेज पर साझा करेगा। इसके साथ मौसम विभाग ने 9 और 10 सितंबर को हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार 7 सितबंर यानी आज अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। आज दिन में बादल छाए रह सकते हैं। आईएमडी वैज्ञानिक सोमा सेन ने गुरुवार को बताया कि विभाग 7 से 10 सितंबर तक दिल्ली के लिए विस्तृत मौसम पूवार्नुमान उपलब्ध कराने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहा है। इसके लिए एक अलग वेबपेज भी बनाया

गया है। इस वेबपेज में दिल्ली के 9 स्थानों के लिए विस्तृत मौसम पूवार्नुमान दशार्या गया है। इनमें आ-ईजीआई एयरपोर्ट, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन,चांदनी चौक, अक्षरधाम मंदिर, बहाई मंदिर, कुतुब मीनार, राजघाट, लालकिला, दिल्ली विश्वविद्यालय और लोधी रोड शामिल हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली में इन स्थानों पर जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रतिनिधियों के सबसे अधिक आने की उम्मीद है। वेबपेज पर आर्द्रता, तापमान, हवा की गति और हवा की दिशा सहित वर्तमान मौसम की स्थिति के बारे में जानकारी होगी। यह पूवार्नुमान तीन घंटे के लिए वैध होगा।

सनातन धर्म पर बेटे उदयनिधि के विवादित बयान पर एमके स्टालिन ने दी सफाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म को लेकर दिए विवादित बयान पर राजनीतिक बयानबाजी जोरों पर है। इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने गुरुवार को एक्स पर पत्र साझा करते हुए बेटे के बयान पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा समर्थक ताकतें दमनकारी सिद्धांतों के खिलाफ उनके रुख को बर्दाश्त करने में असमर्थ हैं। उन्होंने एक झूठी कहानी फैलाई है, जिसमें आरोप लगाया गया है, "उदयनिधि ने सनातन विचारों वाले लोगों के नरसंहार का आह्वान किया था जबकि ऐसा नहीं है।" एमके स्टालिन ने कहा, "उदयनिधि ने सनातन सिद्धांतों पर अपने विचार व्यक्त किए, जो अनुसूचित जाति, जनजातियों और महिलाओं के खिलाफ भेदभाव करते हैं, उनका किसी भी धर्म या धार्मिक

मान्यताओं को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। उदयनिधि के बयान का राजनीतिक लाभ उठाने के लिए अपने व्याख्यान दे दिए गए, जो गलत है।" इससे पहले तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया है, वो किसी भी धर्म के दुश्मन नहीं हैं।

मराठा आरक्षणः सरकार के शासनादेश में बदलाव के लिए अड़े मनोज जारंगे, भूख हड़ताल जारी

मुंबई, (हि.स.)। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे मनोज जारंगे ने राज्य सरकार की ओर से जारी शासनादेश में बदलाव करने की मांग की है। मनोज जारंगे ने गुरुवार को कहा कि जब तक राज्य सरकार शासनादेश में बदलाव नहीं करती, तब तक भूख हड़ताल आंदोलन जारी रहेगा। मनोज जारंगे ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से जारी शासनादेश में कहा गया है कि निजामकालीन वंशावली दस्तावेज को देखकर कुनबी प्रमाणपत्र दिए जाएंगे लेकिन मराठा समाज के अधिकांश लोगों के पास निजामकालीन वंशावली दस्तावेज नहीं हैं। इससे मराठा समाज को राज्य सरकार के शासनादेश से कोई लाभ नहीं होगा। मनोज जारंगे ने बताया कि राज्य सरकार को निजामकालीन वंशावली दस्तावेज की

बजाय सभी मराठा शब्द का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे मराठा समाज की समस्या हल हो जाएगी। मनोज जारंगे ने कहा कि उनका भूख हड़ताल आंदोलन शांतिपूर्वक तरीके से चल रहा है।

वे दो दिन और इंतजार करने को तैयार हैं। पहले सरकार शासनादेश में बदलाव करे, उसके बाद ही वे अपनी भूख हड़ताल का आंदोलन वापस लेंगे। उल्लेखनीय है कि बुधवार को मुख्यमंत्री ने निजामकालीन वंशावली दस्तावेज को देखकर मराठा समाज को कुनबी प्रमाणपत्र देने का निर्णय कैबिनेट की बैठक में लिया था। उस समय भी जारंगे पाटिल ने कहा था कि वे शासनादेश को देखकर ही निर्णय लेंगे। आज मनोज जारंगे ने इस शासनादेश में बदलाव की मांग की है।

आईएनडीआईए गठबंधन देश को विनाश के पथ पर ले जाना चाहता है : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि आईएनडीआईए गठबंधन जिस तरीके से सनातन धर्म पर टीका टिप्पणी कर रहा है, यह अनुचित है। इसकी जितनी भी हम निंदा करें कम है। उनका कहना है कि सनातन धर्म नष्ट हो जाना चाहिए यही है आईएनडीआईए गठबंधन का असली चेहरा है। जिसे मैं मध्य प्रदेश और देश के समक्ष रखना चाहता हूं। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि आईएनडीआईए गठबंधन 28 दलों का गुट है, जो देश को विनाश के पथ पर ले जाना चाहता है। सनातन धर्म को नष्ट करना चाहता है। भष्ट्राचार और तुष्टीकरण को बढ़ावा देना चाहता है। इसका यही असली चेहरा है।

कोलकाता में पकड़े गए आईएसआई एजेंट ने किया खुलासा, राष्ट्रपति भवन पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की नजर

कोलकाता, (हि.स.)। कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने भक्त बंसी झा नाम के जिस आईएसआई एजेंट को गिरफ्तार किया था, उससे पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। अब उसने बताया है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की नजर दिल्ली के राष्ट्रपति भवन पर है। इसके साथ ही इंडिया गेट और वॉर मेमोरियल जैसी महत्वपूर्ण जगहों को टारगेट करने की साजिस रची जा रही थी। दिल्ली में मौजूद ये सारे संस्थान सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हैं और 24 घंटे अति सुरक्षा घेरे में रहते हैं। इसके बावजूद भक्त बंसी के मोबाइल से इनकी तस्वीरें मिली हैं, जो केंद्रीय

एजेंसियों को अर्चभित करने वाली हैं। भक्त बंसी के दूसरे सहयोगियों के बारे में भी पता लगाया जा रहा है। उसने पूछताछ में बताया है कि दिल्ली में मौजूद सामरिक महत्व की कई इमारतों पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी हमला करवाने की फिराक में है। इसके लिए आतंकी संगठनों को काम पर लगाया जा रहा था। भक्त बंसी को इस बात की जिम्मेदारी दी गई थी कि इन जगहों की पुख्ता तस्वीरें उपलब्ध करवाए।

जब तक भक्त जिंदा हैं, तब तक कोई भी धर्म को चुनौती नहीं दे सकता : स्मृति

नई दिल्ली (ईएमएस)। नए विपक्षी गठबंधन इंडिया के साथी दल डीएमके के नेता उदयनिधि की सनातन धर्म पर टिप्पणी से शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मामले में अब केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कह दिया है कि जब तक भक्त जिंदा हैं, तब तक कोई भी धर्म को चुनौती नहीं दे सकता। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने एक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म को खत्म करने की बात कह दी थी। राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में ईरानी ने कहा कि जो लोग सनातन धर्म को चुनौती दे रहे हैं, उन लोगों तक यह आवाज पहुंच जानी चाहिए कि जब तक भक्त जिंदा है, तब तक उनके धर्म को कोई चुनौती नहीं दे सकता। खबर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रियों से आस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर जारी झूठ और हमलों का

सामना करने के लिए कहा है। इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत कई बड़े नेता इंडिया गठबंधन के नेता के बयान का विरोध कर चुके हैं। शाह ने कहा था कि बीते दो दिनों से इंडिया गठबंधन सनातन धर्म का अपमान कर रहा है।

डीएमके और कांग्रेस के नेता सिर्फ वोट बैंक की राजनीति के लिए सनातन धर्म को खत्म करने की बात कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब हमारे सनातन धर्म का अपमान किया गया है। उदयनिधि ने कहा था कि कुछ चीजें हैं, जिनका विरोध नहीं किया जा सकता और उन्हें उखाड़ फेंकना ही जरूरी है। हम डेंगू, मच्छरों, मलेरिया या कोरोना का विरोध नहीं कर सकते। हमें इसे उखाड़ना ही होगा। वैसे ही हमें सनातन को भी खत्म करना होगा। इसके बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियंक खड़गे ने भी सनातन धर्म की तुलना बीमारी से कर दी थी।

पश्चिम बंगाल के मनरेगा कर्मचारी दिल्ली में करेंगे प्रदर्शन, तृणमूल सांसद ने पुलिस से मांगी अनुमति

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) कर्मचारी दो और तीन अक्टूबर को दिल्ली में जंतर-मंतर, कृषि भवन और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के आवास पर प्रदर्शन करेंगे। मनरेगा कर्मचारियों की ओर से तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक-ओ ब्रायन ने दिल्ली पुलिस को पत्र लिखकर इन तीन स्थानों पर प्रदर्शन करने की अनुमति मांगी है। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी दिल्ली में इस प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे। तृणमूल कांग्रेस केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के लिए दिए जाने वाले फंड को रोके जाने का मुद्दा लगातार उठा रही है। उधर, केंद्र सरकार का कहना है कि प. बंगाल में मनरेगा के तहत बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन से अलग होकर लड़ेगी चुनाव

-सीएम भगवंत मान की दो टूक, आप को पहली बार मिला इतना बड़ा जनादेश

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब में आम आदमी पार्टी लोकसभा चुनाव अलग होकर ही लड़ेगी। दोनों ही राजनीतिक दलों के नेताओं ने यह संकेत दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा का कहना है कि पंजाब में कांग्रेस को अकेले ही चुनाव लड़ना चाहिए और भाजपा का विरोध करने के लिए बाद में एकजुट होना चाहिए। इसी बीच पंजाब की कैबिनेट मंत्री का बयान आया है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने स्पष्ट कहा है कि आम आदमी पार्टी को पंजाब की सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। यहां आम आदमी पार्टी किसी भी गठबंधन के हक में नहीं है। आप प्रवक्ता मलविंदर सिंह कंग ने कहा कि हम स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेंगे। जानकारों का कहना है कि बातचीत में रुकावट आ गई है क्योंकि कांग्रेस चाहती है कि दोनों पार्टियां सात-सात सीटों (पंजाब में 13 और चंडीगढ़ में एक) पर चुनाव लड़े, जबकि आप उन्हें केवल पांच सीटें

देने को तैयार है। इस बारे में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि अलग-अलग चुनाव लड़ना संभव नहीं है। राज्य में दो मुख्य प्रतिद्वंद्वी पार्टियों के बीच संभावित टकराव का संकेत देते हुए सीएम मान ने कहा कि आप ने लोगों के जनादेश के बाद पंजाब में अपनी पहली सरकार बनाई है। राज्य ने 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को अभूतपूर्व जनादेश दिया था। हम चुनाव से पहले किए गए वादों के अनुसार जनता की सेवा के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं और अब तक बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और किसान कल्याण, बुनियादी ढांचे के विकास और रोजगार सृजन के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। जिसके बाद हमें बड़े पैमाने पर जनता का समर्थन मिल रहा है। सीएम ने कहा कि अगला संसदीय चुनाव लड़ने का निर्णय उस समय की स्थिति के अनुसार लिया जाएगा। उन्होंने कि कहा कि हम अच्छी तरह जानते हैं कि चुनाव कैसे लड़ना और जीतना है, अकेले सरकार कैसे बनानी और चलानी है। अकेले चुनाव लड़ने का पक्ष लेते हुए मान ने कहा कि आप को पंजाब में कुल 117 में से 92 सीटों का ऐतिहासिक जनादेश मिला। दिल्ली में तीन बार सरकार बनाई, गुजरात में 13 फीसदी वोट हासिल किए और देश की सबसे युवा राष्ट्रीय पार्टी बन गई। उन्होंने कहा कि यह सब अपने दम पर चुनाव लड़ने से हासिल हुआ है। इस बीच पर्यटन मंत्री अनमोल गगन मान ने कहा कि आप और कांग्रेस का कोई गठबंधन नहीं होगा और आप राज्य की सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करने का निर्णय सीएम मान के नेतृत्व में आप की राज्य इकाई द्वारा लिया गया है। कांग्रेस चाहेगी कि गठबंधन हो लेकिन आप ऐसा नहीं चाहती।

देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में भी अव्वल, मिला प्रथम पुरस्कार

मुख्यमंत्री बोले- इंदौर को सभी प्रतियोगिता में प्रथम आने की आदत हो गई है

भोपाल, (हि.स.)। देश के सबसे स्वच्छतम शहर इंदौर ने वायु सर्वेक्षण 2023 में भी अपना परचम फहराया है। भोपाल कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस का राष्ट्रीय कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। पहली बार देश की राजधानी दिल्ली से बाहर हुए इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केन्द्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव शामिल हुए। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2023 में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में इंदौर को प्रथम, आगरा को द्वितीय और महाराष्ट्र के ठाणे को तृतीय पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शि-ावराज चौहान ने कहा कि अपने इंदौर को नम्बर वन रहने की आदत हो गई है...। मुझे कहते हुए प्रसन्नता है कि स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2023 में इंदौर ने देश में अव्वल स्थान प्राप्त किया

है। मुझे बताते हुए खुशी है कि मध्यप्रदेश में हमने 30% फॉरेस्ट कवर बचा कर रखा है, जो देश के कुल फॉरेस्ट कवर का 12 फीसदी से भी अधिक है। मध्यप्रदेश आज टाइगर, लेपर्ड, घड़ियाल, वल्चर एवं चीता स्टेट भी है। उन्होंने कहा कि प्रकृति का शोषण नहीं दोहन किया जाना चाहिए। प्रकृति से उतनी मात्रा में ही लेना चाहिए जितनी आवश्यकता है। भारत कहता है कि एक ही चेतना हम सब में है। सभी प्राणियों में सद्भाव और विश्व का कल्याण हो, ऐसी कामना हम करते हैं। पीएम मोदी विश्व को लाइफ का संकल्प दिया। मध्य प्रदेश इन सभी संकल्पनाओं को धरातल पर लागू करने का काम कर रहा है। हमने जो प्रयास किये हैं, उसके परिणाम आ रहे हैं। पांच तत्वों में से एक पवन है। यदि वायु स्वच्छ न हो तो जीवन संभव नहीं हैं। इंदौर को तो सभी प्रतियोगिता में प्रथम आने की आदत हो गई है। जिन शहरों को यहां पुरस्कार मिला है, उन्हें भी बधाई।

इंदौर के अलावा मप्र के ये शहर भी शामिल – दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में इंदौर ने प्रथम और भोपाल ने पांचवां स्थान, जबलपुर ने 13वां और ग्वालियर ने 41वां स्थान प्राप्त किया है। तीन से 10 लाख तक शहरों की श्रेणी में सागर को देश में 10वां और ग्वालियर को 41वां स्थान मिला है। तीन लाख से कम आबादी वाले शहरों में देवास को छठवां स्थान मिला है।

हिन्दू धर्म नहीं, बल्कि जातिगत भेदभाव जैसी सनातन प्रथाओं के खिलाफ हूं : उदयनिधि

आंध्र प्रदेश, (हि.स.)। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के नेता उदयनिधि स्टालिन ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह हिंदू धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि जातिगत भेदभाव जैसी सनातन प्रथाओं के खिलाफ हैं। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नए संसद के उद्घाटन में आमंत्रित नहीं किया जाना इसका सबसे ज्वलंत और तात्कालिक उ-दाहरण बताया। उदयनिधि ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नए संसद के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित नहीं किया गया। यह दिल को दुखाने वाला मामला है। उनसे माफी मांगने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वे बिल्कुल अपने बयान के लिए माफी नहीं मांगेंगे। वे अपने वैचारिक सिद्धांतों और बोले गए हर शब्द पर कायम हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह अपनी बात बार-बार दोहराएंगे। साथ ही स्पष्ट किया कि उनके कथन में सभी धर्मों को शामिल किया है, न कि केवल हिंदुओं को।

उन्होंने जातिगत मतभेदों की निंदा की है न कि धर्मों की बातें कहीं है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे दयानिधि स्टालिन ने हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि सनातन धर्म का न केवल विरोध किया जाना चाहिए, बल्कि उसका उन्मूलन किया जाना चाहिए।उनके इस बयान की शनिवार से ही आलोचना हो रही है। भाजपा के तमाम नेताओं ने माफी की मांग भी की है।

भारत के लिए गौरव का विषय है जी-20 की अध्यक्षता : तोमर

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि भारत के लिए जी-20 का आयोजन गौरव की बात है। इस आयोजन से देश में खुशी की लहर है। हम सभी भारतवासी जी-20 के नेताओं का स्वागत करते हैं। तोमर ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि जी-20 की अध्यक्षता हर भारतीय के लिए गौरव का विषय है। हमारे देश की साख दुनिया में बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वह जी-20 समारोह में आने वाले सभी नेताओं का स्वागत करते हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में 8 से 10 सितंबर के बीच जी-20 देशों की बैठक होनी है। इस बैठक में दुनिया के 20 ताकतवर देशों के नेता शामिल होंगे। जी-20 को देखते

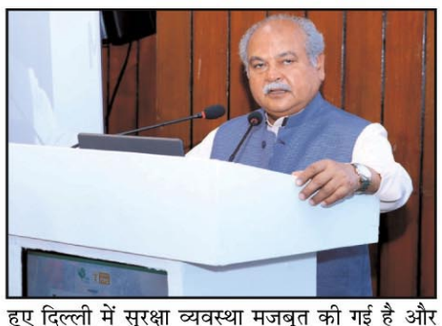

हुए दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है और राष्ट्रीय राजधानी को भव्य तरीके से सजाया गया है।

दूधपथरी में पहली बार बजी मोबाइल फोन की घंटी

बडगाम, (हि.स.)। मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के एक सुरम्य स्थल दूधपथरी में जियो संचार कंपनी के दो मोबाइल टावर स्थापित करने के बाद पहली बार यहां मोबाइल फोन की घंटी बज उठी है। एक अधिकारी ने बताया कि इस पहल ने दूधपथरी के लिए एक नया अध्याय खोल दिया है, जिससे यह पहले से कहीं ज्यादा दुनिया के करीब आ गया है। बडगाम के उपायुक्त अक्षय लाबू ने कहा कि ये सेलुलर ट-ावर उस संचार अंतर को पाट देंगे, जिसका सामना यह गंतव्य इतने लंबे समय से कर रहा था। दूधपथरी अपने हरे-भरे घास के मैदानों, प्राचीन जलधाराओं और मनमोहक परिदृश्यों के लिए जाना जाता है। यहां के दूरस्थ स्थानों पर अब तक आवश्यक संचार सेवाओं तक सीमित पहुंच थी। डीसी ने कहा कि अब मोबाइल कनेक्टिविटी सुलभ होने के साथ इस शांत गंतव्य के और अधिक विकास तथा संवर्द्धन के लिए मंच तैयार है। दुनिया से जुड़ते हुए इन टावरों की स्थापना एक महत्वपूर्ण मोड़ है। आगंतुक और निवासी समान रूप से निर्बाध कनेक्टि-विटी की उम्मीद कर सकते हैं, जिससे उन्हें प्रियजनों के संपर्क में रहने और जानकारी और सेवाओं तक अधिक आसानी से पहुंचने की अनुमति मिलेगी। उन्होंने कहा कि वे निकट भविष्य में सेल्फी पॉइंट, सार्वजनिक बाथरूम और पार्क स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन विकास का उद्देश्य पर्यटकों के लिए समग्र अनुभव को बढ़ाना है, जिससे दूधपथरी को प्रकृति प्रेमियों और यात्रियों के लिए और भी अधिक आकर्षक गंतव्य बनाया जा सके।

कानपुर नगर निगम 3.17 करोड़ में बनाएगा राधिका उपवन गौशाला, महापौर ने किया शिलान्यास

कानपुर, (हि.स.)। तीन करोड़ 17 लाख की लागत से एक हजार निराश्रित गोवंशों के लिए तीन एकड़ में बनने वाली राधिक उपवन गौशाला का कानपुर नगर निगम निर्माण कार्य जन्माष्टमी पर शुरू करने के लिए गुरूवार को जाजमऊ में भूमि पूजन किया। महापौर प्रमिला पांडेय ने पहले गायों का पूजन किया और उसके बाद भूमि पूजन करके राधिका उपवन का शिलान्यास किया। महापौर ने बताया कि निराश्रित गोवंशों के लिए कानपुर की यह दूसरी सबसे बड़ी गौशाला है। इसमें सड़कों पर घूम रहे निराश्रित गोवंशों को रखा जाएगा। इसको बनाने में लगभग 6 माह का समय लगेगा। इसको बनाने में करीब 3 करोड़ 17 लाख रुपए खर्च आएगा। नगर निगम इसे अपनी जमीन पर बना रहा है। शिलान्यास में अपर नगर आयुक्त प्रतिपाल सिंह चौहान भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि कानपुर की सड़कों पर भारी संख्या में निराश्रित गाय, सांड़ घूम रहे हैं। ये पॉलिथीन, कूड़ा कचरा खाकर बीमार भी हो रहे हैं। कई बार एक्सीडेंट का कारण भी बन रहे हैं। इससे जानवरों को भी चोट लग रही है, कई बार तो इनकी मौत तक हो जा रही है। ऐसे में नई गौशाला बनने के बाद निराश्रित जानवरों को पकड़ने के अभियान में तेजी आएगी। नगर निगम के पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आरके निरंजन ने बताया कि मौजूदा समय में नगर निगम पनकी अस्थाई गौशाला और कान्हा उपवन को संचालित कर रहा है। यहां करीब साढ़े 6 हजार गायों को रखा गया है। दोनों ही गौशाला पूरी तरह फुल हैं। यहां और जानवर रखने के लिए अधिक जगह भी नहीं बची है। ऐसे में अब नई गौशाला का निर्माण नगर निगम कराने जा रहा है।

राम मंदिर निर्माण 'कल-युग' में 'राम युग' के पदार्पण का शंखनाद है : अमरजीत मिश्र

लखनऊ, (हि.स.)। मुंबई भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष अमरजीत मिश्र ने गुरुवार को यहां कहा कि अयोध्या में निमार्णाधीन श्रीराम मंदिर के भव्य-दिव्य होते स्वरूप के समानुपात में रामराज का संकल्प सिद्ध हो रहा है, लोकतंत्र अधिक सहभागी और समृद्ध हो रहा है। लोकतंत्र की जीवंतता ही रामराज की परिणति है। उन्होंने कहा कि मोदी-योगी की जोड़ी के दुग्ध-शर्करा योग से लोकतंत्र मजबूत हुआ है। श्री मिश्र आज मुख्यमंत्री आवास में उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ से मिलकर सनातन धर्म के उत्तम प्रदेश से सनातन- विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निवेदन किया। उन्होंने काशी कॉरिडोर के बाद भव्य-दिव्य राम मंदिर के निर्माण कार्य में आई तेजी के लिए मुख्यमंत्री योगी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। उन्होंने कहा कि लोकरंजन से लोकमंगल की यह यात्रा लोकतंत्र को जीवंत कर रही है। मुंबई के भाजपा नेता ने पिछले 30 दिनों में सोशल मीडिया साइट एक्स (पहले ट्विटर) पर मुख्यमंत्री योगी के बढ़े 2.67 लाख फॉलोअर्स के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि राम मंदिर की आधारशिला कल-युग में राम युग के पदार्पण का शंखनाद है। वह राम युग, जो सत्य, शील और मयार्दा को जीता है। जो सद्भाव, सहकार, समन्वय, सहजीवन और सह-अस्तित्व की लोकतांत्रिक चेतना से अभिसिंचित है। भाजपा नेता श्री मिश्र ने कहा कि जहां सत्ता का कार्य लोकमंगल की सुचेष्टाओं को फलीभूत करना है। जहां व्यक्ति से अधिक विचार का महत्व है। जहां प्रजा के रक्षण और पोषण का दायित्व व्यक्ति नहीं, अपितु व्यवस्था करती है। व्यवस्था ऐसी जो चित्त, चरित्र और चिंतन की अभियंता है। इसलिए भारत को छोड़ कर दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं जिसे मां की तरह पूजा जाता हो। इंडिया माता नहीं कहा जाता, सदियों से भारत माता ही कहा जाता है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर, इस भावना का प्रतिनिधि प्रतीक है। इस सर्वकालिक प्रतीक को जीवंत करने का दायित्व तापस वेशधारी महंत योगी आदित्यनाथ ने स्वीकार कर लिया है। और रामराज्य की संकल्पना को जीवंत करना ही तो राम काज है। जिस तरह से उप्र की धरा से अपराधी और उपद्रवी विधि सम्मत परिणति को प्राप्त हो रहे हैं और पि-रत्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम का भाव चरितार्थ हो रहा है। मुंबई के उत्तरभारतीय नेता के मुताबिक योगी के सद्प्रयासों से गांव की पगडण्डी पर रोजगार का भास्कर उदित हो रहा है। यह तो युग परिवर्तन की झांकी मात्र है। महाराष्ट्र में पिछली देवेंद्र फडणवीस सरकार में राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त फिल्मसिटी के उपाध्यक्ष रहे अमरजीत मिश्र कहते हैं कि आस्था और अर्थव्यवस्था को संरक्षित कर जीवन और जीविका की सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए अंत्योदय से समाजोदय के विकास पथ पर उत्तर प्रदेश को अग्रसर करते योगी आदित्यनाथ त्रेतायुगीन वैभव को पुनः जीवंत करने हेतु क्रियाशील हैं। अयोध्या में उसकी झांकी देखी जा सकती है। विमानपत्तन समेत परिवहन पथों के बिछते जाल और राम की स्मृति से जुड़े हर घाट, कुण्ड और मंदिर के जीर्णोद्धार से अयोध्या प्रमुदित है। श्री मिश्र ने कहा कि धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं से विकसित होते आजीविका के अनेकानेक अवसरों से अयोध्यावासी हर्षित हैं।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव देखने गई मासूम के अपहरण की कोशिश, गंभीर हालत में सड़क पर फेंका

रायबरेली, (हि.स.)। श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम देखने गई एक मासूम को पहले से घात लगाए बेलगाम अपराधियों ने अपहरण की कोशिश की। हालांकि ग्रामीणों के दौड़ाने पर कार सवार अपराधी मासूम को कार से फेंक कर फरार हो गए। बच्ची को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सलोन कोतवाली क्षेत्र के रसूलपुर गांव निवासी सुनील कुमार की छह वर्षीय बेटी रिया अपनी मौसी के यहां पटेरवा आई थी। बुधवार की देर रात रिया पड़ोसी बच्चों के साथ गांव में ही श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित कार्यक्रम देख रही थी। इसी बीच एक चार पहिया वाहन से आये अपहरण कताओं ने रिया को जबरन गाड़ी में बैठा लिया और सलोन की ओर भागने लगे। इसी बीच कृष्ण जन्मोत्सव देखने गए कुछ लोगों ने लड़की को कार में बैठकर ले जाते हुए देखा। ग्रामीणों ने मोटरसाइकिल से कार का पीछा किया और अन्य लोगों को सूचना दी। ग्रामीणों ने आगे सड़क पर भी कार को घेरने का प्रयास किया। अपने को दोनों ओर से घिरा पाकर अपहरणकर्ता मासूम को पटेरवा चौराहे पर फेंक कर फरार हो गए। घायल मासूम को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया लेकिन हालात गंभीर होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। जहां उस-ाका इलाज चल रहा है। ऊंचाहार कोतवाल आदर्श कुमार सिंह के अनुसार जांच की जा रही है और सभी तथ्यों को खंगाला जा रहा है।

भारत जोड़ो यात्रा के एक साल पूरा होने पर उरई में निकाली गई पदयात्रा

जालौन, (हि.स.)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के एक वर्ष पूरे होने पर कांग्रेस जनों ने यात्रा निकाली। डॉ. रेहान सिद्दीकी और दीपांशु समाधिया के नेतृत्व में यह यात्रा माहिल तालाब स्थित गांधी प्रतिमा से प्रारंभ हुई। घंटाघर होते हुए भगत सिंह चौराहा, दाल गुंजन चौराहा, अंबेडकर चौराहे पर समाप्त हुई। इस यात्रा का उद्देश्य देश भर के लाखों लोग प्रेम और एकता के प्रति एकजुट करने की अटूट भावना से मंत्र मुग्ध थे। यह भारत जोड़ो यात्रा देश में इतिहास के रूप में दर्ज की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य उर्मिला सोनकर, शहर अध्यक्ष रेहान सिद्दीकी, जिला अध्यक्ष धीरेंद्र शुक्ला, पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव नारायण मिश्रा, महिला जिला अध्यक्ष शकुंतला, सरितानंद, राघवेंद्र तिवारी, अयूब अंसारी, कमल लोहे, अशरफ जावेद, जितेंद्र मिश्रा, अमित पांडे, राजेश, शिवाकांत, ख्वाजा बॉक्स, ओमप्रकाश, राघवेंद्र, हेमंत रिछारिया, गणेश दत्त, अब्दुल कादिर, माता प्रसाद, जमुनादास, संतोष ठाकुर, मनमोहन, भुवन, यजवेंद्र, फेजान उल आदि कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

घमंडिया गठबंधन के बाकी दलों ने भी हीनता ओढ़ रखी है : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि घमंडिया गठबंधन के बाकी दलों ने गांधी परिवार सरीखी हीनता ओढ़ रखी है जो अद्भुत भारत के बारे में रत्ती भर भी सकारात्मक नहीं सोच सकते। केशव प्रसाद मौर्य ने गुरूवार को ट्वीट कर इण्डिया का नाम भारत करने के मुद्दे पर विपक्षी दलों के नेताओं की बयानबाजी पर तंज कसा है। गौरतलब हो कि इण्डिया का नाम भारत करने का विरोध सपा,बसपा और कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने की है। इसके बाद उप मुख्यमंत्री का ट्वीट आया है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जब देश जीतता है तो भारत माता की जय बोला जाता है,इंडिया माता की नहीं। 2024 लोकसभा चुनाव में तीसरी बार मोदी सरकार आने का डर विपक्ष के नेताओं की बयानबाजी में साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार की धुरी वाला घमंडिया गठबंधन लड़ने चला था राजग से, लेकिन इसने तो दुनिया के सबसे प्राचीन यानी सनातन धर्म के खिलाफ ही युद्ध छेड़ दिया है, जो धर्म के साथ खड़ा नहीं हो सकता, उसका हश्र कौरवों जैसा होता है।

चैंबर चुनाव के उम्मीदवारों ने तोरपा में किया चुनाव प्रचार

खूंटी, (हि.स.)। खूंटी चैंबर ऑफ कॉमर्स के 10 सितंबर को होने वाले चुनाव के मद्देनजर प्रत्याशियों ने गुरुवार को तोरपा में प्रचार अभियान चलाया और व्यवसायियों से मतदान करने की अपील की। चुनाव प्रचार में शामिल उम्मीदवार जितेंद्र कश्यप, परमानंद कश्यप, अनूप कुमार साहू, प्रियांक भगत, मुकेश जायसवाल, दिलीप प्रसाद शाह, शशांक राज ने कहा कि उनके एकमात्र लक्ष्य खूंटी जिले के व्यापारियों के हितों की रक्षा करना है और उन्हें हर तरह के शोषण से बचाना है। उल्लेखनीय है कि 10 सितंबर को खूंटी चैंबर ऑफ कॉमर्स का चुनाव होगा। चुनाव में जिले के 12 सौ व्यावसायिक मतदाता चुनाव मैदान में उतरे 30 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। इस मौके पर जय भाला, राजेश्वर गुप्ता, विनोद जयसवाल, प्रदीप ठाकुर, रामा साहू, महादेव साहू, नंदलाल साहू, संजीव विजयवर्गीय सहित कई समर्थकों ने तोरपा के मतदाताओं से मुलाकात कर मतदान करने की अपील की।

कांग्रेस के झारखंड प्रभारी पहुंचे रांची, प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य नेताओं ने किया स्वागत

रांची, (हि. स.)। भारत जोड़ो यात्रा की पहली वर्षगांठ पर झारखंड कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय गुरुवार को रांची पहुंचे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित अन्य नेताओं ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट पर संवाददाताओं से बातचीत में अविनाश पांडेय ने कहा कि देश में महंगाई और बेरोजगारी मुख्य मुद्दा हैं। उन्होंने कहा कि देश में अभी अघोषित आपातकाल है। कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी पार्टियां देश को इसी अघोषित आपातकाल से बचाने के लिए साथ आई हैं। देश में बेरोजगारी है। महंगाई चरम पर है। आर्थिक तौर पर देश की दुर्दशा है। हमें इससे देश को बचाना है। उन्होंने कहा कि जब केंद्र की गलत नीतियों के खिलाफ विपक्षी दल साथ आए तो सरकार घबरा गई है। एक सवाल केंद्र सरकार कहती है कि कांग्रेस सहित विपक्षी पार्टियां भ्रष्टाचार के खिलाफ उनके अभियानों का विरोध कर रही हैं। इसके जवाब में पांडेय ने कहा कि भ्रष्टाचार के विरोध में केवल गैर-भाजपा नेताओं और पार्टियों पर ही कार्रवाई होगी।

रांची नगर निगम ने जागरुकता रैली निकालकर क्लीन रांची-ग्रीन रांची का दिया संदेश

रांची, (हि. स.)। रांची नगर निगम ने इंटरनेशनल डे ऑफ क्लीन एयर फॉर ब्लू स्काइज के अवसर पर गुरुवार को जन जागरुकता रैली निकाली। इस वर्ष का थीम टूगेदर फॉर क्लीन एयर था। रैली को रांची नगर निगम के सहायक प्रशासक ज्योति कुमार सिंह ने निगम कार्यालय से रवाना किया। रैली का उद्देश्य नीले आसमान के लिए स्वच्छ हवा का होना और उसकी आवश्यकता तथा सभी शहर वासियों को मिलकर एक साथ साफ हवा के लिए समर्पित होना सुनिश्चित करना है। यह रैली नगर निगम कार्यालय से शहीद चौक होते हुए परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक (फिरायालाल चौक) तक निकाली गई। इसमें शामिल लोगों ने क्लीन रांची-ग्रीन रांची एवं क्लीन एयर फॉर ब्लू स्काइज का नारा लगाते हुए पैदल मार्च किया। साथ ही शहरवासियों को संदेश दिया कि अधिक से अधिक पैदल चलें, जिससे स्वास्थ्य एवं पर्यावरण दोनों साफ रहे। रैली में नगर प्रबंधक, नगर अभियान प्रबंधक, निगम के कर्मचारियों एवं कई छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

गिरिडीह में जेईई एडवांस की लापता छात्रा को तलाश रही पुलिस

गिरिडीह, (हि.स.)। नगर थाना क्षेत्र के करबला रोड स्थित जय प्रकाश नगर की रहने वाली जेईई एडवांस की छात्रा 19 वर्षीय नुपुर रानी पिछले दो दिनों से लापता है। उसके परिजनों की चिंता बढ़ती ही जा रही है। छात्रा के पिता भुनेश्वर प्रसाद और चाचा यशवंत प्रसाद ने नगर थाना में आवेदन देकर बेटी के सुरक्षित बरामदगी की गुहार लगाई है। नगर थाना को दिए आवेदन में नूपुर के चाचा यशवंत प्रसाद ने कहा है कि उनकी भतीजी नूपुर पढ़ाई में काफी तेज है लेकिन जेईई एडवांस की परीक्षा पास नहीं होने के कारण वह कुछ परेशान थी। वह बुधवार की सुबह करीब 9 बजे किसी को जानकारी दिए बगैर घर से निकल गई। घर नहीं लौटने पर सभी परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद छात्रा के चाचा ने नगर थाना में आवेदन देकर उसकी सकुशल बरामदगी की गुहार लगायी। नगर थाना पुलिस ने गुरुवार को बताया कि लापता छात्रा की तलाश की जा रही है।

लोहरदगा सदर अस्पताल से निकाली गई टुगेदर फॉर क्लीन रैली

लोहरदगा, (हि.स.)। इंटरनेशनल डे ऑफ क्लीन एयर फॉर ब्लू स्काइज के मौके पर गुरुवार को सिविल सर्जन डॉ राजमोहन की अध्यक्षता में टुगेदर फॉर क्लीन रैली का आयोजन सदर अस्पताल से पावरगंज चौक तक किया गया। रैली के उपरांत सिविल सर्जन कार्यालय स्थित सभागार में कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इसमें बताया गया कि वायु प्रदूषण के असुरक्षित स्तर के संपर्क में आने वाले गर्भवती माताओं एवं बच्चों को जीवन भर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वायु प्रदूषण से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव जैसे दिल की बीमारी, फेफड़े का कैंसर, दमा, स्ट्रोक, आंखों और गले में जलन इत्यादि के बारे में बताया गया। इस मौके पर सदर अस्पताल में कार्यरत चिकित्सक एवं कर्मीगण उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनेंगी लखपति दीदियां : गिरिराज सिंह

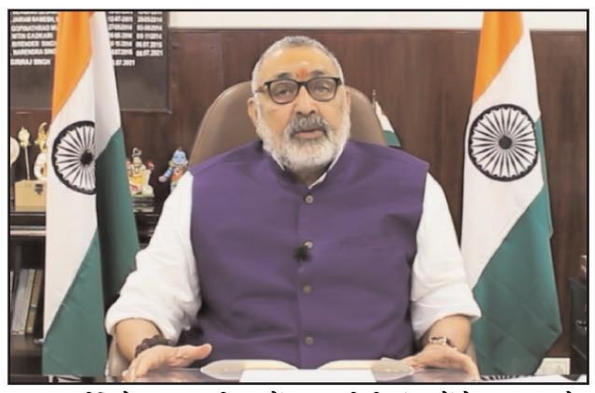

बेगूसराय (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत सरकार का प्रमुख गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) गरीबों की आजीविका में सुधार के लिए दुनिया की सबसे बड़ी पहल है। उन्होंने कहा है कि यह मिशन समयबद्ध तरीके से कड़ी मेहनत और बहु-आयामी दृष्टिकोण के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को वास्तविकता में साकार करने के लिए प्रेरित है। लखपति दीदियों को सक्षम बनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदलने के लिए सरकार संपूर्ण दृष्टिकोण को अधिकतम प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि "आज दस करोड़ ग्रामीण महिलाएं स्व-सहायता समूहों का हिस्सा हैं। जब आप गांव में जाएंगे, तो आपको बैंक वाली दीदी, आंगनवाड़ी दीदी और दवाई वाली दीदी मिलेंगी। यह मेरा सपना है कि गांवों में दो करोड़ लखपति दीदी बने।" इस सोच को आगे बढ़ाने के लिए कल "दो करोड़ लखपति महिला एसएचजी सदस्यों का विकास" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। लखपति दीदी महिला सशक्तिकरण का उत्तीर्ण उदाहरण है, जो आने वाले वर्षों में रूरल इकॉनमी के रीढ़ की हड्डी साबित होगी। हमें दीदियों को लखपति इसलिए नहीं बनाना कि उनके पास लाख रुपये हो, बल्कि इसलिए बनाना है कि चार धाम का पुण्य मिले और रात में ठीक से नींद आ सके कि हम किसी के जीवन में बदलाव ला पाए। लखपति दीदी ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पूर्णतः सकारात्मक बदलाव लाएंगी। उन्होंने कहा कि मिशन ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के प्रयास में उनकी आजीविका वृद्धि के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें महिलाओं को समूह के रूप में एकत्रित करना, उनके संगठनों को सुदृढ़ बनाना, वित्तपोषण और ऋण सहायता आदि के लिए जानकारी प्रदान करना और कौशल के साथ सक्षम बनाने के ठोस प्रयास शामिल है।

मिशन चार मुख्य घटकों में निवेश के माध्यम से अपने उद्देश्य को प्राप्त करना चाहता है। सामाजिक गतिशीलता और ग्रामीण निर्धनों के स्व-प्रबंधित और वित्तीय रूप से टिकाऊ सामुदायिक संस्थानों को बढ़ावा देने और सुदृढ़ बनाने, ग्रामीण निर्धनों का वित्तीय समावेशन, टिकाऊ आजीविका तथा सामाजिक समावेशन, सामाजिक विकास और अभिसरण मुख्य घटक हैं। मिशन ने गहन रणनीति के तहत सभी राज्यों और दिल्ली एवं चंडीगढ़ को छोड़कर सभी केंद्र शासित प्रदेशों के 742 जिलों में फैले 7091 प्रखंडों को कवर किया है। नौ करोड़ 54 लाख महिलाओं को 87.39 लाख स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) में संगठित किया गया है। समुदाय संचालित दृष्टिकोण मिशन की कार्यान्वयन रणनीति का केंद्र है। करीब चार लाख सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों को कई श्रेणियों में प्रशिक्षित किया गया है। मिशन ने संपूर्ण समाज के दृष्टिकोण को अपनाया है, जहां स्वयं सहायता समूह परिवारों की आय बढ़ाने में सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए सरकार, निजी क्षेत्र, बहु-पक्षीय एजेंसियों, केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (सीएसओ) और तकनीकी संस्थानों के साथ सहयोग और साझेदारी को सुदृढ़ किया गया है। मिशन के तहत संचयी रूप से 33497 करोड़ से अधिक रुपये सामुदायिक निवेश सहायता के रूप में प्रदान किए गए हैं। 2013-14 से स्वयं सहायता समूहों को 6.96 लाख करोड़ रुपये का बैंक ऋण दिया गया है।मिशन के विभिन्न स्तरों पर किए गए प्रयासों का परिणाम 1.88 प्रतिशत पर गैर निष्पादित संपत्ति है। वित्तीय सेवाओं की अंतिम मील डिलीवरी प्रदान करने के लिए एक लाख से अधिक एसएचजी सदस्यों को बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट एजेंट/डिजीपे पॉइंट के रूप में पहचाना और प्रशिक्षित किया गया है। वर्तमान में करीब एक लाख सात हजार बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट सखी और डिजीपे सखी तैनात की गई हैं। डीएवाई-एनआरएलएम फार्म इन्टर्वेन्शन के तहत गहन ब्लॉकों में टिकाऊ कृषि, पशुधन और गैर इमारती वन उत्पाद(एनटीएफपी) को बढ़ावा देता है। प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण तथा फसल और पशु उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृषि पारिस्थितिकी प्रथाओं के साथ-साथ पशुधन प्रथाओं को बढ़ावा दिया गया है। अगस्त 2023 तक करीब तीन करोड़ 20 हजार महिला किसान इससे लाभांवित हुई हैं। गैर-कृषि रणनीति के तहत दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन स्टार्ट-अप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम (एसवीईपी) पर काम करता है। जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमियों को स्थानीय उद्यम स्थापित करने में सहायता करना है। एसवीईपी के तहत अब तक करीब दो लाख 45 हजार उद्यमों को समर्थन दिया गया है। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में करीब 28 हजार 623 कस्टम हायरिंग सेंटर और सामुदायिक प्रबंधित टूल बैंक स्थापित किए गए हैं। यह सीएचसी छोटे और सीमांत किसानों को मामूली दर पर कृषि उपकरण और अन्य सेवाएं प्रदान करते हैं। प्रधानमंत्री की कल्पना के अनुरूप लखपति दीदियां अमृत काल में ग्रामीण अर्थव्यवस्था और परिदृश्य को गति प्रदान करेंगी।

हिंदू समाज को डेंगू और मलेरिया कहनेवालों को जनता नकार देगी : हरि सहनी

बेगूसराय, (हि.स.)। एक दिवसीय दौरे पर गुरुवार को बेगूसराय आए बिहार विधान परिषद में प्रतिपक्ष के नेता हरि सहनी ने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आज इंडिया और भारत खूब चर्चा में है। इंडिया नाम किसने रखा था और भारत नाम किसने रखा था, यह अंतर देखने की चीज है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री कहलाते हैं, इंडिया के नहीं। हरि सहनी ने कहा है नरेन्द्र मोदी को रोकने के लिए विपक्ष चाहे कितनी ताकत लगा ले, 2024 में एक बार फिर मोदी ही प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि देश का नाम भारत हमारे सनातन परंपरा के संत-महात्माओं ने रखा था जबकि इंडिया नाम अंग्रेजों ने रखा। भारतीय जनता पार्टी जन आकांक्षा के अनुसार काम करती है, आईएनड-ीआईए गठबंधन से पूछ कर नहीं। हमारी यह धरती आध्यात्मिक है, शहीदों की धरती है। दुनिया ने इसे सोने की चिड़िया कहा लेकिन आजादी के बाद स्वतंत्रता का इतिहास वैसा नहीं प्रस्तुत किया गया, जैसा किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि हमारा सनातन धर्म गिरने वाले को संभाल लेता है। हमेशा आगे बढ़ाने और उठाने की बात करता है, पिछड़ने और गिरने की नहीं। भारत की जनता सब कुछ जान रही है। आईएनडीआ-ईए गठबंधन का विषय यह नहीं है कि उनमें से कौन प्रधानमंत्री होगा बल्कि एकमात्र विषय है कि नरेन्द्र मोदी नहीं आए। इस विचारधारा के लोगों के दर्द का निवारण 2024 में जनता कर देगी। दुनिया इस देश को आध्यात्मिक गुरु मानती है। विदेशी अक्रांता अंग्रेजों ने जब हमारे देश पर कब्जा किया तो उन्होंने नाम रखा था इंडिया। अब देश की जनता की अपेक्षा है कि अंग्रेजों द्वारा रखे गए सभी नाम को हटाया जाए। सनातन धर्म सभी धर्म का मूल है, सनातन धर्म सभी धर्म की रक्षा की बात करता है। दुनिया में जहां भी भारत के लोग रहते हैं तो वहां दीपावली, छठ, दुर्गा सहित सनातन धर्म के सभी पर्व-त्योहार मनाते हैं। यहां कुर्सी के लिए मारामारी करने वाले लोग चाहते हैं कि कुछ भी हो जाए, वह शासन में आएं। वह हिंदू समाज को डेंगू और मलेरिया कह रहे हैं, लेकिन वैसे लोगों को जनता नकार देगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कौन समझाए कि उनके गठबंधन से पहले भी स्टेशन और चौक का नाम बदल गया। अब भारत कहा जा रहा है तो किसी को दर्द क्यों हो रहा है। संविधान में भी भारत का ही उल्लेख है। अंग्रेजों का जो चिन्ह बचा हुआ था, नरेन्द्र मोदी उसे मिटा रहे हैं। प्रेसवार्ता में राज्यसभा सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा, विधान पार्षद सर्वेश कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष राजीव वर्मा, विधायक सुरेन्द्र मेहता, जिला परिषद अध्यक्ष सुरेन्द्र पासवान, सांसद प्रतिनिधि अमरेन्द्र कुमार अमर, पूर्व जिलाध्यक्ष राज किशोर सिंह, क्षेत्रीय प्रभारी रविन्द्र रंजन, लोकसभा संयोजक कृष्णमोहन पप्पू, जिला उपाध्यक्ष कुंदन भारत एवं मीडिया प्रभारी शुभम कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

संपादकीय

भारत अर्थात इंडिया

हमारे देश का सांस्कृतिक और पौराणिक नाम 'भारत' है। संविधान में 'इंडिया' नाम का भी उल्लेख है। संविधान की प्रस्तावना में लिखा है-'इंडिया, जो भारत है, राज्यों का संघ कहलाया जाएगा।' यही संवैधानिक व्यवस्था जारी रही है। भारत और इंडिया हमारे देश के पूरक नाम रहे हैं, जिन पर हमें गौरव महसूस करना चाहिए। भारत जी-20 देशों की अध्यक्षता कर रहा है और 9-10 सितंबर को शिखर सम्मेलन होगा, जिसमें कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष या प्रधानमंत्री भाग लेंगे। 'राष्ट्रपति भवन' ने विदेशी मेहमानों के लिए 9 सितंबर को रात्रि-भोज का आयोजन किया है। उसके निमंत्रण-पत्र में लिखा गया है-'प्रेसीडेंट ऑफ भारत...।' अभी तक 'प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया' का चलन रहा है। अलबत्ता हिंदी में 'भारत के राष्ट्रपति' लिखने की भी परंपरा रही है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ऑसियान समिट में शिरकत करने इंडोनेशिया जा रहे हैं। इस संदर्भ में लिखा गया है-'प्राइम मिनिस्टर ऑफ भारत...।' ये नए प्रयोग गलत नहीं हैं, लेकिन अचानक ऐसा बदलाव सामने आया है, तो अटपटा और संदेहास्पद जरूर लग रहा है। ऐसे बदलाव की जरूरत क्या थी? क्या मोदी सरकार संविधान में महत्त्वपूर्ण संशोधन के मंसूबे रखती है? क्या संविधान की प्रस्तावना में भी परिवर्तन किया जा सकता है? इनके जवाब संसद के विशेष सत्र के दौरान मिल सकते हैं, लेकिन हमारी जड़ें, हमारा परिचय और हमारी सांस्कृतिक विरासत 'भारत' में निहित है। 'विष्णु पुराण', 'ब्रह्म पुराण' और कई अन्य धार्मिक ग्रंथों में 'भारतम्' शब्द का उल्लेख मिलता है। लेकिन हमारे देश को आर्यावर्त, हिंद, हिंदुस्तान, भारतखंड, हिमवर्ष, जम्बूद्वीप आदि नामकरणों से भी संबोधित किया जाता रहा है। किसी को कोई आपत्ति नहीं रही। 2016 में एक याचिका के संदर्भ में सर्वोच्च अदालत ने फैसला दिया था कि इंडिया और भारत दोनों ही नाम प्रचलित रहेंगे। नागरिक अपनी इच्छा और पसंद के मुताबिक नाम का इस्तेमाल कर सकते हैं। 'भारत' के अलावा 'इंडिया' के साथ भी मिथकीय कथाएं जुड़ी हैं। महारानी इंदुमती अयोध्या के सम्राट अज की धर्मपत्नी और महाराजा दशरथ की माता थीं। जब राजा राम अयोध्या के सिंहासन पर बैठे, तो उनके कालखंड में दादी इंदुमती का नाम भी प्रचलित था, जिसे आज हम 'इंडिया' कहते हैं। 'भारत' नाम राजा राम के छोटे भाई भरत के नाम पर पड़ा। किंवदन्ति यह भी है कि राजा दुष्यंत और शकुंतला के पुत्र का नाम भी भरत था। ऋषि कण्व ने भरत को 'चक्रवर्ती सम्राट' बनने का आशीर्वाद दिया था, लिहाजा उनके आधार पर हम 'भारत' बने। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव जी के 'चक्रवर्ती पुत्र' भरत विश्व-विजयी सम्राट थे, लिहाजा देश का नाम 'भारत' पड़ा। ऐसी कई मिथकीय कथाएं और मान्यताएं होंगी, जो 'भारत' के सांस्कृतिक अतीत का खुलासा करती रही हैं, लेकिन 1947 में देश की आजादी के बाद जब संविधान ने आकार और स्वीकृति प्राप्त की, तो अनुच्छेद एक में 'इंडिया अर्थात भारत' का उल्लेख किया गया। यदि देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने 'भारत' शब्द का प्रयोग किया है, तो किसी प्रोटोकॉल का हनन नहीं किया गया है। हमारे 'राष्ट्रगान' में 'भारत भाग्य विधाता' लिखा गया है, तो भारत सरकार की कई परियोजनाओं के साथ 'इंडिया' शब्द लिखा गया है। हमारे केंद्रीय बैंक, उच्च शैक्षिक संस्थानों, अस्पतालों, चुनाव आयोग आदि के साथ भी 'इंडिया' शब्द आज भी नत्थी है। किसी को हटाने का कोई निर्णय और आदेश नहीं है। फिर सियासी चीखा-चिल्ली क्यों? देश में 'सदी के महानायक' अमिताभ बच्चन और उनकी सांसद-पत्नी जया बच्चन ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी है-'भारत माता की जय।' हमारे महान एवं विश्व चैम्पियन बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी 'भारत' को ही मूल नाम और परिचय माना है। ढेरों प्रतिक्रियाएं आना स्वाभाविक है।

भारत और इंडिया हमारे देश के पूरक नाम रहे हैं, जिन पर हमें गौरव महसूस करना चाहिए। भारत जी-20 देशों की अध्यक्षता कर रहा है और 9-10 सितंबर को शिखर सम्मेलन होगा, जिसमें कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष या प्रधानमंत्री भाग लेंगे। 'राष्ट्रपति भवन' ने विदेशी मेहमानों के लिए 9 सितंबर को रात्रि-भोज का आयोजन किया है। उसके निमंत्रण-पत्र में लिखा गया है-'प्रेसीडेंट ऑफ भारत...।' अभी तक 'प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया' का चलन रहा है। अलबत्ता हिंदी में 'भारत के राष्ट्रपति' लिखने की भी परंपरा रही है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ऑसियान समिट में शिरकत करने इंडोनेशिया जा रहे हैं। इस संदर्भ में लिखा गया है-'प्राइम मिनिस्टर ऑफ भारत...।' ये नए प्रयोग गलत नहीं हैं, लेकिन अचानक ऐसा बदलाव सामने आया है, तो अटपटा और संदेहास्पद जरूर लग रहा है। ऐसे बदलाव की जरूरत क्या थी? क्या मोदी सरकार संविधान में महत्त्वपूर्ण संशोधन के मंसूबे रखती है? क्या संविधान की प्रस्तावना में भी परिवर्तन किया जा सकता है? इनके जवाब संसद के विशेष सत्र के दौरान मिल सकते हैं, लेकिन हमारी जड़ें, हमारा परिचय और हमारी सांस्कृतिक विरासत 'भारत' में निहित है। 'विष्णु पुराण', 'ब्रह्म पुराण' और कई अन्य धार्मिक ग्रंथों में 'भारतम्' शब्द का उल्लेख मिलता है। लेकिन हमारे देश को आर्यावर्त, हिंद, हिंदुस्तान, भारतखंड, हिमवर्ष, जम्बूद्वीप आदि नामकरणों से भी संबोधित किया जाता रहा है। किसी को कोई आपत्ति नहीं रही।

कुछ अलग

अंततः जमीन के टुकड़े पर

'आओ उसी आकाश के नीचे छुपा जाए, जमीं का कोई टुकड़ा नसीब में आए।' आपदा जिस कद्र गुजर गई उससे हिमाचल में इनसान का आधार कमजोर पड़ गया। घाव चेहरे के जब जमीं पर उतर आएं, प्रगति के दिन और रातें कांपती हैं। इसी एहसास में हिमाचल सरकार के पिछले दो महीनों की समीक्षा होनी चाहिए। ऐसा बहुत कुछ हो रहा है जो पहले नहीं हुआ। ऐसा बहुत कुछ सुना जा रहा, जो पहले नहीं सुना। नींद में सुला दिए गईं रिपोर्टें, सर्वेक्षण व हिदायतें अब सवालिया निशान बन कर हाजिर हैं, तो यह वक्त नीतियों, कार्यक्रमों, प्राथमिकताओं, सामाजिक संस्कारों और सरकार के राजनीतिक श्रृंगारों को बदलने का है। अगर समाज को हक है कि सरकार से पूछे, तो उन मेहरबानियों पर उगी वक्त की काई को भी हटाना होगा। जाहिर है आपदा ने पूरे हिमाचल के सामने जो दर्पण खड़ा किया है, उसकी दरारों में झांकते हुए केवल सरकार को ही नहीं सीखना है, बल्कि समाज को भी यह देखना है कि प्रदेश में राज्य का नया आचरण व चरित्र खड़ा करें। अभी केंद्र सरकार द्वारा वाया सुप्रीम कोर्ट 13 हिमालयी राज्यों की 'कैरिंग कैपस्टी' की योजना बनाने के निर्देश देने की अरदास हुई है। इसे सही परिप्रेक्ष्य में देखा, सुना और किया जाए, तो विकास के बीच उगते नासूर को खत्म किया जा सकता है, लेकिन फर्ज की हिदायतें तो केंद्र से नीतियों की राह बटोरना चाहती हैं। हिमालयी राज्य केवल पर्यावरण का भंडार नहीं, मानव अस्तित्व का भौगोलिक व जलवायु परिस्थितियों से मुकाबला भी है। इसलिए यह स्वतंत्र रूप से अपनी देखभाल या अनिवार्य मानदंडों का पालन नहीं कर सकते और न ही राष्ट्रीय योजनाओं में आबादी के आधार पर न्याय प्राप्त कर सकते हैं। अब वक्त आ गया है जब हिमालयी तथा समुद्र तटीय राज्यों के लिए राष्ट्रीय योजनाएं, अनुसंधान, तकनीक, नवाचार तथा विकास का ढांचा अलग से सुनिश्चित किया जाए। हम पिछले पंद्रह सालों से सुझाव दे रहे हैं कि हिमालयी राज्यों को सुरक्षित, आत्मनिर्भर तथा न्याय की दृष्टि से संबल देना है, तो पर्वतीय राज्य विकास मंत्रालय की स्थापना करनी होगी। देश की वर्तमान राजनीति जिन पैमानों से बनती व बंटती है, वहां पर्वतीय राज्य आबादी के आधार पर हाशिए से बाहर हो जाते हैं। भारतीय सुरक्षा बलों में पर्वतीय जज्बा जब तक खुले मन से भर्ती होने की असीमित संभावना में परिलक्षित होता था, रोजगार का यह पहलू परवान चढ़ता था, लेकिन अब आबादी का कोटा हिमालयी राज्यों को किनारे लगा देता है। कभी वित्त आयोग की सारी सिफारिशें हिमालयी राज्यों के पक्ष में केंद्र से लागत का नब्बे प्रतिशत दिला देती थी, लेकिन जब धर्मशाला-शिमला जैसे शहर, स्मार्ट सिटी परियोजना में आए तो लागत 50 : 50 प्रतिशत के आधार पर हो गई। इसी तरह अब केंद्र की मदद से इलेक्ट्रिक वाहनों की खेप बड़े शहरों की रखवाली कर रही है, तो हिमाचल के मनाली, शिमला, मकलोडगंज व कसौली की 'कैरिंग कैपस्टी' के आकलन की जरूरत में बसों का यह तोहफा क्यों आबादी-आबादी खेल रहा है।

कोरोना के कारण मार्च 2020 में जब हमारे कार्यालय बंद हुए तो लगभग साल भर तक नहीं खुल

सीखने की उम्र

पीके खुरराना

पंजाब के एक प्रसिद्ध विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए नामचीन बिजनेस गुरु शिव खेड़ा ने स्वीकार किया कि दो साल पहले तक उन्हें ईमेल करना नहीं आता था। सहायकों की टीम उनके काम निपटा देती थी। कोरोना काल में जब सारी दुनिया को लॉकडाउन से गुजरना पड़ा, दफ्तर बंद हो गए और अपने बहुत से काम खुद निपटाने की जरूरत आन पड़ी तो उन्होंने अपने पोते-पोतियों से ईमेल करना सीखा। कोरोना का सबसे बड़ा सबक यही है कि परिस्थितियां कब किसे विवश कर दें, कहना मुश्किल है, इसलिए जितना संभव हो, अपने कामों के लिए हमें आत्मनिर्भर होना चाहिए। जहां तक संभव हो अपने कामों से संबंधित टूल्स का ज्ञान होना चाहिए, उन्हें प्रयोग करना आना चाहिए। सहायक उपलब्ध हों, और रूटीन के काम खुद न करने पड़ें तो बहुत अच्छा है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि आवश्यकता होने पर हम किसी का मुंह ताकने के लिए विवश न हो जाएं। हम सब जानते हैं कि कर्नल सैंडर्स ने 65 वर्ष की उम्र में केएफसी की स्थापना की जो आज दुनिया भर में फैला है। उस वक्त जब उन्होंने केएफसी की स्थापना की तो बिजनेस नया था। नए बिजनेस को संभालना, चलाना, कर्मचारियों का चयन, नियुक्ति, प्रशिक्षण और उन्हें टिकाए रखना, ग्राहकों को अच्छी क्वालिटी का स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध करवाना, कच्चे माल की खरीद, व्यवसाय का प्रचार आदि सब उन्होंने उसी उम्र में किया। तब क्या चुनौतियां नहीं आई होंगी। पैंसठ साल की उम्र में कर्नल सैंडर्स ने उन चुनौतियों का मुकाबला करने के कुछ नए तरीके तो अवश्य सीखे ही होंगे। खुद मैं अपनी बात करूं तो बुढ़ापे की इस उम्र में भी मैं अब भी हर रोज कुछ न कुछ नया सीख रहा हूं। कोरोना के कारण मार्च 2020 में जब हमारे कार्यालय बंद हुए तो लगभग साल भर तक नहीं खुले। हम सब अपने-अपने घरों से ही काम कर रहे थे। सहायक नहीं थे। कार्यालय में बैठ कर बहुत से काम जो मैं टीम के विभिन्न सदस्यों को सौंप सकता था, तब संभव नहीं थे, इसलिए बहुत से काम खुद करने की जरूरत आन पड़ी तो उन्हें करना शुरू किया। जैसे कोई नन्हा बच्चा चलना सीखते हुए लडख़ड़ाता है, कई बार गिरता भी है, लेकिन फिर चलना शुरू कर देता है, वही मेरे साथ भी हुआ। सहायकों द्वारा किए जाने वाले जो काम मैं खुद करता था, उनकी गुणवत्ता और पैकेजिंग बहुत अच्छी नहीं होती थी, पर शुरुआत हो गई। बहुत से काम ठीक ढंग से करने सीख लिए, हालांकि बहुत से काम अभी भी सीखने की स्टेज पर ही हूं। अपने काम खुद करने की प्रेरणा मुझे अपनी पोती की उम्र की एक छोटी सी बच्ची से मिली। तनावमुक्त जीवन जीने का प्रशिक्षण देने के कारण लोग मुझे हैपीनेस गुरु के रूप में जानते हैं। पिछले वर्ष मैं उस वक्त हैरान रह गया जब मेरी पुस्तकों के प्रकाशक डा. विनीत गेरा ने मेरा परिचय श्रीमती नित्या मेहता से करवाया। नित्या जी की तेरह साल की बिटिया स्निग्धा मेहता ने अपने उपन्यास का दूसरा भाग लिखा था और उसका प्रकाशन भी मेरे प्रकाशक द्वारा ही होना था, अतः डा. गेरा ने मुझसे अनुरोध किया कि मैं स्निग्धा के उपन्यास की भूमिका लिख दूं। मैं यह जानकर चमत्कृत था कि इस छोटी सी बच्ची ने इस कच्ची उम्र में न केवल उपन्यास लिखना सीखा, बल्कि एक प्रकाशित लेखिका बनने का गौरव भी प्राप्त किया। कोरोना ने बहुत सी नौकरियां छीन लीं, बहुत से व्यवसाय बंद हो गए, कई घर उजड़ गए और बहुत से लोग भगवान को प्यारे हो गए। इस कठिन समय में बहुत से लोग निराश हुए, हताश हुए या डिप्रेशन में चले गए। इस कठिन समय में मुझे यही उचित लगा कि मैं अपने देशवासियों की हरसंभव सहायता करूं। तब मैंने स्पिरिचुअल हीलर की अपनी सेवाओं को ऑनलाइन भी देना आरंभ किया और लोगों को रोगमुक्त होने में सहायता की। पत्रकारिता की मेरी पृष्ठभूमि के कारण मैं अपने पास आने वाले लोगों से कई तरह के सवाल पूछता था ताकि उनके बारे में अधिक से अधिक जानकर उनकी व्यक्तिगत उन्नति में भी सहायक हो सकूं। इसी दौरान मेरी मुलाकात आकाशवाणी शिमला, जालंधर, जयपुर, दिल्ली आदि केंद्रों के मुखिया रह चुके प्रसिद्ध साहित्यकार स्वर्गीय विश्व प्रकाश दीक्षित 'बटुक' की अड़सठ वर्षीय सुपुत्री सुश्री माधवी दीक्षित से हुई। वे भी आकाशवाणी में वरिष्ठ पदों पर रह चुकी हैं और रिटायरमेंट के बाद खाली बैठने के बजाय कुछ नया करने और सीखने का शौक उन्हें मेरे संपर्क में ले आया। बातचीत के दौरान सुश्री दीक्षित के एक कथन ने मेरे ज्ञान चक्षु खोले। उन्होंने कहा कि ज्यादातर भारतीय 'कर्स ऑफ नालेज', यानी ज्ञान के अभिशाप नामक रोग से ग्रसित हैं। 'कर्स ऑफ नालेज' का खुलासा करते हुए उन्होंने मुझे बताया कि आम भारतीय या तो यह मानता है कि वह सब कुछ जानता है और उसे कुछ भी नया सीखने की जरूरत नहीं है। इसका दूसरा पहलू यह है कि हमारे पास जो ज्ञान है, हम उसकी महत्ता नहीं समझते और उसे व्यवसाय बनाने या उससे आर्थिक लाभ लेने की कोशिश नहीं करते, तीसरा पहलू यह है कि हम बिना कोशिश किए ही यह मान लेते हैं कि अमुक काम हमारे बस का नहीं है और चौथा पहलू यह है कि अक्सर हम उम्र का बहाना बना कर कुछ नया सीखने से इन्कार कर देते हैं कि लोग क्या सोचेंगे। उनका यह खुलासा हमें नई दिशा देने में समर्थ है। कोशिश किए बिना ही हार मान लेना गलत है, और कुछ नया करने या नया सीखने की कोई एक उम्र नहीं होती, हर उम्र में नया ज्ञान सीखा जा सकता है, नया कुछ किया जा सकता है। इसमें मैं अपनी ओर से इतना ही जोडऩा चाहूंगा कि हमारे पास बहुत सा ऐसा ज्ञान होता है, जिसे व्यवसाय में बदलकर उससे आर्थिक लाभ लेना संभव है। इसके लिए सिर्फ कल्पनाशक्ति की आवश्यकता है। स्पिरिचुअल हीलिंग के अपने शौक को मैंने व्यवसाय में बदला। तकनीक का सहारा लेकर हीलिंग का ऑनलाइन सिस्टम तैयार किया। आज भी मेरा वह अनुभव कायम है कि हर उम्र के लोग जीवन का उत्साह बनाए रखने के लिए कुछ न कुछ नया सीखना ही चाहते हैं। नई बातें सीखने से हमारा दिमाग चुस्त रहता है और भूलने की बीमारी नहीं घेरती। मेरा प्रयास सिर्फ इतना सा है कि हम जो नया ज्ञान अर्जित करें, उसे सिर्फ शौक ही न रहने दें बल्कि उसका आर्थिक लाभ भी लें। आज जब मैं हैपीनेस गुरु से आगे बढ़ कर स्पिरिचुअल हीलर यानी आध्यात्मिक चिकित्सक के रूप में प्रसिद्धि पा चुका हूं तो अपने पास आने वाले लोगों को ये बताने से गुरेज नहीं करता कि खुश रहने के लिए शौक पालिए, पर यदि आप उन्हें बिजनेस में भी बदल सकें तो सोने पर सुहागा होगा। मुझे खुशी है कि खुशनुमा गपशप सरीखी मेरी बातचीत के इस तरीके के कारण भी बहुत से नए बिजनेस खुले हैं, सफल हुए हैं, उनके कारण नए रोजगार बने हैं और हम सब देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती में विनम्र योगदान कर पा रहे हैं।

मेरा प्रयास सिर्फ इतना सा है कि हम जो नया ज्ञान अर्जित करें, उसे सिर्फ शौक ही न रहने दें बल्कि उसका आर्थिक लाभ भी लें। आज जब मैं हैपीनेस गुरु से आगे बढ़ कर स्पिरिचुअल हीलर यानी आध्यात्मिक चिकित्सक के रूप में प्रसिद्धि पा चुका हूं तो अपने पास आने वाले लोगों को ये बताने से गुरेज नहीं करता कि खुश रहने के लिए शौक पालिए, पर यदि आप उन्हें बिजनेस में भी बदल सकें तो सोने पर सुहागा होगा। मुझे खुशी है कि खुशनुमा गपशप सरीखी मेरी बातचीत के इस तरीके के कारण भी बहुत से नए बिजनेस खुले हैं।

क्या प्रदेश आपदा से सीख लेगा?

बरसात तो पहले भी होती थी, लेकिन वर्ष 2023 की बेदर्दी मानसून हिमाचलवासियों को कभी न भूलने वाले गहरे जख्म दे गई। मात्र दो महीने की विनाशलीला ने इस सुंदर प्रदेश को तबाह तथा छलनी-छलनी कर दिया। इस बार जलप्रपात तथा भूस्खलन के भयानक मंजर ने यह भी समझाया कि हिमाचल वालो, अभी भी सुधर जाओ, कोई तुम्हारे आंसू पोंछने नहीं आएगा। इस बार यह भी पता चला कि मात्र दो महीने में लगभग 395 लोगों का असमय और अकारण मौत के मुंह में चले जाना, 349 लोगों का घायल होना तथा 40 का लापता होना कोई बड़ी घटना नहीं है। इस विनाशलीला में चारों ओर लाशें, बिखरते और गिरते आशियाने, बहते पुल, हर तरफ चीख-ओ-पुकार, सिसकियां, बिलखते लोग, अपनों के बिछड़ जाने का गम, मदद के लिए उठते हाथ, ईश्वर के लिए प्रार्थनाएं- सब कुछ था, लेकिन मानकों के अनुसार यह कोई बड़ी राष्ट्रीय आपदा या त्रासदी नहीं थी। बीघों जमीन का बहना, बागीचों का जलमग्न हो जाना, लगभग 1200 सडक़ों का बाधित होना, पथ परिवहन के लगभग 5000 रूट बंद होना, बिजली के लगभग 5000 ट्रांसफार्मर खराब होना, दस हजार पेयजल योजनाएं ठप्प हो जाना, 2457 घरों का गिरना, बहना तथा टूटना, 10569 घरों का आंशिक नुकसान, 1000 से अधिक गाडियों का जलप्रपात में बह जाना तथा परिणामस्वरूप 8604 करोड़ 88 लाख रुपए की बरबादी का आकलन कोई राष्ट्रीय आपदा नहीं होती? मात्र दो महीने के अन्तराल में हिमाचल के लोग भूस्खलन, बाढ़, बादल फटना, बिजली गिरना, ऑरेंज अलर्ट, रैड अलर्ट की चेतावनियां भयंकर तथा डरावनी बर्बादी देख तथा सुन कर भयभीत रहे। इतनी तबाही के बाबजूद राष्ट्रीय आपदा घोषित न होना भी बड़ा प्रश्नचिन्ह है। बिहार, केरल तथा उत्तराखंड की त्रासदी में पूरे देश के लोगों ने वहां के लोगों का दर्द समझ कर प्रधानमंत्री राहत कोष तथा मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए अंशदान दिया है। हैरानी की बात है कि इस सुंदर, आकर्षक तथा छोटे से राज्य हिमाचल प्रदेश में घटित इस भयंकर त्रासदी के लिए कहीं से भी मदद के हाथ नहीं उठ सके। हिमाचल प्रदेश की जानी मानी फिल्मी हस्तियों का इस विपत्ति में कोई भी सहयोग न मिलना भी कल्पना से परे है। केवल हरियाणा, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तमिलनाडु तथा राजस्थान की सरकारों ने 56 करोड़ रुपए भेज कर संकट के समय हिमाचल प्रदेश के आंसू पोंछने की कोशिश की है। स्वतन्त्र पत्रकार रवीश कुमार का यह कहना कि चंद्रयान की सफलता के शोर में दिल्ली से अंतरिक्ष में चांद बहुत पास दिखा, लेकिन राजधानी के बहुत पास जलप्रलय से बर्बाद हिमाचल प्रदेश के लोगों की चीख-ओ-पुकार नहीं सुना जाना बहुत कुछ सोचने पर विवश करता है। केन्द्र सरकार ने इस आपदा में कुल मिलाकर लगभग साढ़े आठ सौ करोड़ जारी किए हैं जो कि 8604 करोड़ 88 लाख की भरपाई के लिए बहुत ही कम हैं। प्रदेश में इन हालात के मद्देनजर नजर केन्द्र सरकार से राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की दरकार थी, ताकि प्रदेश के पुनर्निर्माण तथा फिर से पटरी पर लाने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की होती। इस समय पर्यटकों के न आने से हिमाचल का पर्यटन उद्योग ठप्प हो चुका है। वर्तमान हालात में सेब से लगभग 5500 करोड़ रुपए की आर्थिकी को संभालना प्रदेश सरकार के लिए चुनौती बन गया है। सब्जियों तथा फलों की ढुलाई तथा उन्हें मण्डियों तक पहुंचाना मुश्किल हो गया है। वित्तीय संकट के कारण प्रदेश सरकार कोई आर्थिक मदद देने की स्थिति में नहीं है। यह ठीक है कि राजनीति हमारे जीवन का एक अटूट अंग है, लेकिन इस संकट के समय में प्रदेश की सरकार, प्रदेशवासियों, नीति निर्माताओं, प्रशासकों तथा जनता को व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठ कर प्रदेश के सतत विकास के बारे में सोचना होगा। विभिन्न राजनीतिक दलों को अपनी आत्मा की आवाज को सुन कर प्रदेश के भविष्य के बारे में चिंतन तथा विश्लेषण करना चाहिए। भविष्य की चुनौतियों को मद्देनजर रखते हुए सरकार को निम्नलिखित कड़े फैसले लेने की आवश्यकता है :

1. आपदा के समय हिमाचल प्रदेश को किसी पर निर्भर न होना पड़े, इसलिए विशेष आपदा कोष स्थापित किया जाना चाहिए। इस समय लगभग 10 हजार करोड़ से अधिक के नुकसान की भरपाई के लिए प्रदेश सरकार के पास कम से कम तीन गुना जमा पूंजी अपेक्षित थी। 2. भवन निर्माण के लिए कड़े नियमों तथा उनकी अनुपालना अति आवश्यक है। होटल निर्माण, उद्योग निर्माण, बिजली-पानी परियोजनाओं तथा धर्मस्थल निर्माण की स्थापना के लिए विशेष निरीक्षण सहित अनुमति ली जानी चाहिए। 3. मन्दिरों, मस्जिदों, गुरद्वारों तथा गिरजाघरों के आस्था के सैलाब से बनने वाले बेतरतीब निर्माण कार्यों पर रोक लगनी चाहिए। धार्मिक स्थलों का निर्माण भी नियमपूर्वक होना चाहिए। 4. प्रदेश में आने वाले पर्यटकों के लिए स्पष्ट तथा कड़ी पर्यटक नीति बनाई जानी चाहिए। प्रदेश के चार मुख्य द्वारों पर उनका विधिवत पंजीकरण होना चाहिए। पर्यटकों से उपयोग तथा उपभोग पर्यावरण टैक्स लिया जाना चाहिए। 5. अन्धाधुंध जंगलों के कटान, सडक़ निर्माण, नदी-नालों के अतिक्रमण तथा खड्डों के भूमि कटान पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। भू-माफियाओं, खनन माफियाओं, माइनिंग, बजरी, रेत तथा स्टोन क्रशर मालिकों, बिल्डरों तथा ठेकेदारों पर सरकार की लगाम होनी चाहिए। प्रशासन, पुलिस तथा कानून व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त होनी चाहिए। इस संदर्भ में राजनीतिक दखल तथा भाई-भतीजावाद न होकर 'जीरो टॉलरेंस' होनी चाहिए। 6. पर्यटन के कारण मनाली, कुल्लू, मंडी, धर्मशाला, शिमला तथा सोलन आदि शहर वर्तमान में कंक्रीट के जंगल बन चुके हैं। इन शहरों में अब बेतरतीब निर्माण पर रोक लगनी चाहिए। भूकम्प, बाढ़, हिमपात, आगजनी तथा किसी भी आपदा की दृष्टि से यह बहुत ही आवश्यक है।

मात्र दो महीने के अन्तराल में हिमाचल के लोग भूस्खलन, बाढ़, बादल फटना, बिजली गिरना, ऑरेंज अलर्ट, रैड अलर्ट की चेतावनियां भयंकर तथा डरावनी बर्बादी देख तथा सुन कर भयभीत रहे। इतनी तबाही के बाबजूद राष्ट्रीय आपदा घोषित न होना भी बड़ा प्रश्नचिन्ह है। बिहार, केरल तथा उत्तराखंड की त्रासदी में पूरे देश के लोगों ने वहां के लोगों का दर्द समझ कर प्रधानमंत्री राहत कोष तथा मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए अंशदान दिया है। हैरानी की बात है कि इस सुंदर, आकर्षक तथा छोटे से राज्य हिमाचल प्रदेश में घटित इस भयंकर त्रासदी के लिए कहीं से भी मदद के हाथ नहीं उठ सके। हिमाचल प्रदेश की जानी मानी फिल्मी हस्तियों का इस विपत्ति में कोई भी सहयोग न मिलना भी कल्पना से परे है। केवल हरियाणा, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तमिलनाडु तथा राजस्थान की सरकारों ने 56 करोड़ रुपए भेज कर संकट के समय हिमाचल प्रदेश के आंसू पोंछने की कोशिश की है।

देश दुनीया से

चीन की गीदड़ भभकी ,दिखावा या हकीकत

इस समय पूरा विश्व भारत के प्रति चीन के बदलते नजरिये को देखकर काफी आश्चर्य चकित है । वह भी तब जब भारत इसी महीने आयोजित होने वाले जी – 20 बैठक का मेजबानी कर रहा है । चीन भी इस जी – 20 समूह का सदस्य देश है । पिछले दिनों दक्षिण अफ्रीका में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच सकारात्मक बैठक भी हुई थी । इसके बावजूद भी पिछले दिनों चीन के द्वारा जारी किये गए अपने स्टैण्डर्ड मैप में अक्साई चीन सहित अरुणांचल प्रदेश के कई हिस्सों को अपना बताया गया ।इसे लेकर भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इसके विरुद्ध कड़ी प्रतिक्रिया भी दी ।चीन के द्वारा ऐसा पहली बार नहीं किया गया है ,इससे पहले भी कई बार चीन इसे अपना हिस्सा बता चूका है । इस बार के नक्शे में भारत ही नहीं कई अन्य देशों मलेशिया ,फिलीपींस, ताईवान और विवादित दक्षिण चीन सागर को अपना हिस्सा दर्शाया गया है ।चीन के बढ़ते विस्तारवादी नीति को लेकर पूरे दक्षिण एशिया सहित विश्व की कूटनीतिक राजनीति में काफी उथल – पुथल मचा है । वैसे तो चीन ने पाकिस्तान के साथ जी – 20 से सम्बन्धित विभिन्न बैठको का अरुणांचल प्रदेश में आयोजित होने पर भी विरोध किया था ,जिसे भारत ने ख़ारिज करते हुए काश्मीर और अरुणांचल प्रदेश में बैठके आयोजित की ।आज चीन के द्वारा आधिकरिक घोषणा की गई कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत में आयोजित जी– 20 सम्मेलन हिस्सा नही लेगे । चीन के इस रुख के पीछे का कारण आने वाला समय ही बयां करेगा लेकिन चीन के इस बदलते नज़रिये से हर कोई हैरान हैं । चीन के इस बदलते बोल के पीछे कई कारण है ,सबसे जो महत्वपूर्ण है वह गलवान घाटी विवाद के बाद दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का भारत के प्रति बढ़ता विश्वास है ।पिछले तीन वर्ष से सीमा पर भारत का चीन के विरुद्ध लगातार कड़ा रुख अख्तियार किया हुआ है । इससे जितने भी दक्षिण पूर्व एशियाई देश चीन के विरुद्ध है ,सभी अब खुल कर भारत का साथ दे रहे है । ये देश आसियान के मंच पर अब तक खुलकर चीन का विरोध करने की हिमाकत नही जुटा पाते थे ।इससे पहले दक्षिण पूर्व एशियाई देश केवल आपस में बात कर ही चीन का विरोध व्यक्त करते थे । अब बदलते वक्त के साथ हर कोई खुलकर बात करने लगा है। नेपाल जैसे देश के काठमांडू के मेयर ने इस विवाद के बाद अपनी चीन की प्रास्तावित यात्रा को रद्द कर दिया है ।यही सब अब चीन को नागवार गुजर रहा है । इस समय जब भारत जी – 20 सम्मेलन का मेजबानी कर रहा है तो चीन के द्वारा विभिन्न तरीकों से दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। पिछले दिनों भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने एक इंटरव्यू में साफ कर दिया था कि भारत किसी भी कीमत पर अपनी सम्प्रभुता व अखंडता से कोई समझौता नही करेगा। इसका अंदेशा भारत को पहले से ही था तभी तों पिछले कई महीनों से सीमा पर कोर कमांडरो के बीच लगातार बैठकों का दौर जारी था। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार 23 अप्रैल को 18 वीं जबकि 13–14 अगस्त को ही भारत और चीन के कमांडरो के बीच सीमा पर 19 वीं मीटिंग हुईं थी ।इस मीटिंग में यह कोशिश किया गया कि दोनों देशों के सैन्य तनाव को कम किया जाय। इसी को लेकर भारतीय एन.एस .ए. अजित डोभाल ने ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान दक्षिण अफ्रीका में चीनी समकक्ष से बात की थी। जिसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स सम्मेलन से इतर मुलाकात किया था ।इन सब प्रयासों के बाद ये कयास लगाये जा रहे थे कि अब स्थिति कुछ समान्य जरुर होगी और चीनी राष्ट्रपति भारत में आयोजित जी –20 सम्मेलन जरुर हिस्सा लेगे । आज बीजिंग के तरफ से जारी वक्तव्य ने साफ कर दिया ,जिसका पहले से ही मीडिया में चर्चा था ।चीन के इस बिरोध का एक कारण और भी है । भारतीय प्रधानमंत्री लगातार दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के दौरे कर रहे है ।

आज चीन के द्वारा आधिकरिक घोषणा की गई कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत में आयोजित जी– 20 सम्मेलन हिस्सा नही लेगे । चीन के इस रुख के पीछे का कारण आने वाला समय ही बयां करेगा लेकिन चीन के इस बदलते नज़रिये से हर कोई हैरान हैं । चीन के इस बदलते बोल के पीछे कई कारण है ,सबसे जो महत्वपूर्ण है वह गलवान घाटी विवाद के बाद दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का भारत के प्रति बढ़ता विश्वास है । पिछले तीन वर्ष से सीमा पर भारत का चीन के विरुद्ध लगातार कड़ा रुख अख्तियार किया हुआ है । इससे जितने भी दक्षिण पूर्व एशियाई देश चीन के विरुद्ध है ,सभी अब खुल कर भारत का साथ दे रहे है ।

दृष्टिकोण

देश के लिए जवानी की तलाश

बूढ़ा हो जाने के बाद आदमी कितनी सफाई से झूठ को सच बना कर बोल लेता है। लगता है इतना बूढ़ा हो गया है। सच ही कह रहा होगा। हो सकता है वास्तव में इसने जीवन में इतनी ही उपलब्धियां हासिल कर ली हों! इसका जीवन एक शाहकार बन कर गुजरा हो। वास्तव में क्यों न इसकी बात मान ही लो कि दुनिया में सबसे अकलमंद गदहा होता है, और सबसे सुखी जीव सुअर है। जो बात एक बूढ़े होते आदमी के लिए सही है, वही बात एक बूढ़े हो गए देश के लिए भी सही है। एक झूठ को दस बार सच कह कह दुहरा दो, तो वह वास्तव में सच ही लगने लगता है। हम अपने देश की रगों में दौड़ते उद्दाम यौवन की कल्पना करते हैं, तो लगता है वास्तव में देश बुढ़ापा त्याग फिर से जवान हो उठा। काव्य पंक्तियां क्यों दुहरायें कि 'बूढ़े भारत की रगों में फिर से आई नई जवानी थी।' इसी से लगता है सैकड़ों बरस पुराने भारत के जीर्ण-शीर्ण मूल्य खण्डित हो गये। नये मूल्यों ने, नये बदलाव ने फिर जन्म ले लिया। देश चिरयुवा हो उठा, चिल्ला-चिल्ला कर उठाये गये नारे एक नया सच बन कर उभर आये। उन्होंने कितनी बार कोरोना के इस विचलित कर देने वाले दिनों में कहा था, यह घरबंदी का विलाप सदा नहीं रहेगा। अच्छे दिन आने वाले हैं। उन्हें आने से कोई रोक नहीं सकता। फिर बताया, हमने कहा था न कि यह कोरोना के एकालाप का विलाप नहीं रहेगा। लो कहां रहा? मृत्यु दर इतनी गिरी कि गिरावट को शर्मिंदा करने लगी और मरीजों के स्वस्थ होने की दर इतनी तेजी से बढ़ी कि लोगों ने उससे हर्षित हो मास्क को एक उपेक्षित कवच बना दिया। हाथों को सैनिटाइज करना भूल गए। देखो न, इस भीड़ भरे देश में आदमी पर आदमी चढ़ा चला आ रहा है, भला सामाजिक अन्तर कैसे रख लेते। लीजिये बन्धु हमारी कृपा से टीका दर टीका चले आ रहे हैं। एक सौ चालीस करोड़ लोगों के देश में एक करोड़ लोगों को रिकार्ड समय में टीका लग गया। छह महीने में उन्नीस करोड़ लोगों को और लग जायेगा। फिर भी आप हमारे कामयाब नेतृत्व को दाद नहीं देते। इधर देश के फिर धृष्ट कोने कोरोना संक्रमण के बढऩे की धमकी देने लगे। कोरोना की दूसरी या तीसरी लहर के फूट पडऩे की आशंकायें व्यक्त होने लगीं। भाई जान, क्या करें हम तो कोरोना मुक्त भारत के अच्छे दिन देश में ले ही आये थे। लेकिन आपको क्या कहें? आपने तो भीड़ तंत्र के साथ सफलता का जश्न मनाना शुरू कर दिया। बस सावधानी हटी और दुर्घटना घटी। आपको कैसे समझायें दोष कोरोनामुक्त भारत में अच्छे दिन आ जाने का नहीं, हम ही उसे सम्भाल नहीं पाये। तुम कहते हो भूख, बेकारी और महंगाई बढ़ गई। अरे महसूस तो करो, तुम्हारी भूख मिट गई। देश खुल गया है, बेकार हाथों को काम मिल गया। और महंगाई की दिक्कत की बात न करना। आर्थिक विकास दर के गिर कर ऋणात्मक होने की बात न करना, सकल घरेलू उत्पादन में रिकार्ड कमी आई, इसकी बात न करना। तालियां बजाना सीखो। हमने बता तो दिया है कि कोरोना का दबाव कम हो गया है। देश की आर्थिक गतिविधियां खुल रही हैं।

दुनिया में बढ़ रहा कोरोना से मौत का आंकड़ा : इसमें एशिया, मिडिल ईस्ट के देश सबसे आगे; डब्लूएचओ ने देशों से डेटा मांगा

जिनेवा।

डब्लूएचओ ने दुनियाभर में कोरोना के केस और वायरस से मौत का आंकड़ा बढ़ने की पुष्टि की है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने इसके लिए सभी देशों से कोविड-19 से जुड़ा पूरा डेटा शेयर करने की अपील की है। डब्लूएचओ के डायरेक्टर जनरल टेड्रोस अधनोम घेब्रेसियस ने कहा- यूरोप में कोरोना की वजह से भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ी है, जबकि एशिया और मिडिल ईस्ट में मौत के आंकड़ों में इजाफा हुआ है। डब्लूएचओ के मुताबिक, केवल 43 देश ही कोविड से होने वाली मौत के आंकड़े साझा कर रहे हैं। वहीं सिर्फ 20 देश ऐसे हैं जो भर्ती हुए मरीजों से जुड़ी जानकारी दे रहे हैं। संगठन ने बताया कि फिलहाल दुनिया में कोई भी एक वैरिएंट ऐसा नहीं है जो सबसे तेजी से फैल रहा हो।

डब्लूएचओ बोला- अब कोरोना साथ ही रहेगा

घेब्रेसियस ने कहा- भर्ती हुए मरीजों और मौत का आंकड़ा इस बात का सबूत है कि कोरोना अब हमारे बीच में ही रहने वाला है और हमें इसका मुकाबला करने के लिए तैयार रहना होगा। डब्लूएचओ ने कहा कि नॉर्दर्न हेमिस्फियर में ठंड आ रही है। ऐसे में कोरोना के मामले बढ़ सकते हैं। इसी वजह से अस्पतालों में कोविड मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है।

एरीस 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित

करीब 1 महीने पहले डब्लूएचओ ने ओमिक्रॉन के सब-वैरिएंट ईजी.5 या एरीस के बढ़ते मामलों को देखते हुए इसे 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित किया था। जुलाई के मध्य में मिले कोरोना के मामलों में से 17प्रतिशत केस इसी वैरिएंट के थे। ये जून की तुलना में 7.6प्रतिशत ज्यादा थे। एरीस वैरिएंट का केस 31 जुलाई को ब्रिटेन में सामने आया था। इस वैरिएंट के सबसे ज्यादा मामले अमेरिका, चीन और ब्रिटेन में ही मिल रहे हैं।

मई में कोरोना को ग्लोबल इमरजेंसी से हटाया गया था

डब्लूएचओ ने इस साल मई में कोरोना को ग्लोबल इमरजेंसी से हटा दिया गया था। हालांकि, डब्लूएचओ के गवर्नर जनरल ने कहा था कि कोरोना भले ही अब ग्लोबल इमरजेंसी नहीं है, लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि इससे अब कोई खतरा नहीं है। दुनिया में अगली महामारी जरूर आएगी और ये कोविड-19 से भी ज्यादा खतरनाक हो सकती है। ऐसे में हमें अभी से तैयारी करनी होगी।

न्यूज ब्रीफ

कैपिटल हिल के उपद्रवियों को माफ कर दूंगा, राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रामास्वामी ने न्यायपालिका को कोसा

वॉशिंगटन । अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी की

लोकप्रियता में लगातार इजाफा हो रहा है। अब विवेक रामास्वामी ने कहा है कि अगर वह 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में जीत जाते हैं तो वह 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल में हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन के आरोपियों को माफ कर देंगे। विवेक रामास्वामी ने इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी माफ करने की बात कही थी और कहा था कि ट्रंप के खिलाफ चल रहे मुकदमे राजनीति से प्रेरित हैं। विवेक रामास्वामी ने अमेरिका की न्याय व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। रामास्वामी ने कहा कि अमेरिका में अब दो स्तरीय न्याय व्यवस्था है। जिसमें एंतिफा और बीएलएम के दंगाई खुले घूम रहे हैं, जबकि छह जनवरी को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले लोगों को बिना जमानत जेल में डाल दिया गया है। बाइडन सरकार के अन्याय विभाग ने 1000 से अधिक शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है, जो हमारी न्याय व्यवस्था के आधारभूत सिद्धांतों पर काला धब्बा है। रामास्वामी ने कहा कि इस देश को एकजुट करने के लिए बतौर राष्ट्रपति मैं उन सभी अमेरिकी नागरिकों को माफ कर दूंगा, जिन्हें राजनीतिक संघवाद के चलते निशाना बनाया गया और जिन्हें प्रक्रिया के खिलाफ जाकर प्रताड़ित किया गया। इनमें 6 जनवरी 2021 के सभी शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी शामिल हैं, जिन्हें उनके संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करने की भी अनुमति नहीं दी गई। बता दें कि अमेरिकी संसद और उसके आसपास के इलाके को कैपिटल हिल कहा जाता है। अमेरिका में 2020 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन नेता डोनाल्ड ट्रंप को डेमोक्रेट नेता जो बाइडन के सामने हार का सामना करना पड़ा था। ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने चुनाव नतीजों में धांधली का आरोप लगाते हुए अपने समर्थकों से एकजुट होने की अपील की। इसके बाद छह जनवरी 2021 को करीब दो हजार लोग कैपिटल हिल इलाके में एकजुट हुए और आरोप है कि ट्रंप के उकसावे वाले बयान के बाद भीड़ ने कैपिटल हिल पर हमला बोल दिया।

दूसरों के विचारों के दबाव में न आएं: टकराव की स्थिति को खतरा न मानें, सहजता से असहमति जताना ताकत बना लें

वॉशिंगटन। कुछ दिन पहले एक व्यक्ति न्यूयॉर्क से लंदन का हवाई सफर कर रहे थे। इसी दौरान पीछे बैठे यात्री ने अपना पैर उनके आर्मरेस्ट पर रख दिया। इससे वे असहज हो गए, धड़कनें बढ़ने लगीं। वे कुछ करते इससे पहले ही उनके बगल में बैठे यात्री ने अपने पेन की निब पीछे वाले यात्री के पैर में चुभा दी। इससे पीछे के यात्री ने तुरंत अपने पैर पीछे हटा लिए। यह कहानी सुनाकर स्टैनफोर्ड मेडिसिन इंस्टीट्यूट की व्यवहार विशेषज्ञ करेन ओसिला कहती हैं- कुछ लोगों को टकराव के बारे में सोचकर ही तनाव हो जाता है। अक्सर लोग इससे बचते हैं, क्योंकि वे इसे खतरा मानते हैं। पर, ओसिला कहती हैं कि ऐसे विवाद आम बात हैं। संघर्ष से बचने वाले लोग इन स्थितियों से कैसे निपट सकते हैं। जिन लोगों को टकराव से हमेशा खतरा महसूस होता है, उन्हें की स्थिति से निपटने के लिए भरोसेमंद दोस्त की मदद लेनी चाहिए। गुड आर्ग्युमेंट्स के लेखक बो सेओ कहते हैं, असहमति जताने के लिए मनोवैज्ञानिक सुरक्षा जरूरी है।

अमेरिका ने यूक्रेन को दी साढ़े 17 करोड़ डॉलर की नई सैन्य मदद, अगस्त 2021 के बाद से 46वां पैकेज

वॉशिंगटन । अमेरिका ने यूक्रेन के लिए सैन्य मदद के बड़े पैकेज का एलान किया है। इस पैकेज के तहत यूक्रेन को एंटी टैंक हथियार और गोला-बारूद मिलेंगे। यह मदद साढ़े सत्रह करोड़ यूएस डॉलर की होगी। अमेरिका के रक्षा विभाग ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। बयान में कहा गया है कि बाइडन प्रशासन का यूक्रेन को यह अगस्त 2021 के बाद से अब तक 46वां जखीरा है। अमेरिका अपने सहयोगियों और मित्र देशों के साथ मिलकर यूक्रेन की सैन्य जरूरतों को पूरा करता रहेगा। अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दिए जा रहे इस नए पैकेज में एयर डिफेंस इक्विपमेंट्स, आर्टिलरी म्युनिशन, एंटी टैंक हथियार व अन्य कई हथियार शामिल हैं। रूस के साथ जारी युद्ध में यूक्रेन को अमेरिका के इस पैकेज से खासी मदद मिलने की उम्मीद है। बता दें कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से ही अमेरिका लगातार यूक्रेन का समर्थन कर रहा है। इस दौरान अमेरिका ने यूक्रेन को आर्थिक मदद देने का साथ ही सैन्य मदद भी दी है। हाल ही में रूस ने यूक्रेन के बंदरगाहों पर ड्रोन हमले किए हैं, जिनसे यूक्रेन को बंदरगाहों को भारी नुकसान हुआ है। ऐसे में यूक्रेन को अमेरिका मिलने वाले एयर डिफेंस सिस्टम से काफी मदद मिलने की उम्मीद है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन आज भारत आएंगे

उनके साथ चलेगा 60 गाड़ियों का सबसे बड़ा काफिला ; कई वजहों से खास है ये दौरा

वॉशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन 8 सितंबर को 3 दिन के दौरे पर भारत आ रहे हैं। ये राष्ट्रपति बनने के बाद उनका पहला भारत दौरा होगा। वो शाम को एयरफोर्स-1 से दिल्ली पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री मोदी भी उन्हें रिसीव कर सकते हैं। 8 सितंबर को बाइडेन पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे। पहले व्हाइट हाउस ने बताया था कि वो 7 सितंबर से दिल्ली के दौरे पर रहेंगे। अब व्हाइट हाउस ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया है कि वो अमेरिका से जर्मनी के रैम्स्टीन शहर जाएंगे। वहां से भारत आएंगे। इसके बाद 9-10 सितंबर को वो जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। बाइडेन को दिल्ली के आईटीसी मौर्या होटल में ठहराया जाएगा। बाइडेन की सुरक्षा के लिए अमेरिका की सीक्रेट सर्विस की टीम 3 दिन पहले ही भारत पहुंच चुकी है। बाइडेन सीक्रेट सर्विस के 300 कमांडो के सुरक्षा घेरे में रहेंगे। दिल्ली की सड़कों पर निकलने वाला सबसे बड़ा काफिला भी उनका ही होगा, जिसमें 55-60 गाड़ियां शामिल होंगी। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बाइडेन के लिए दुनिया की सबसे सेफ कार 'द बीस्ट' को भी भारत लाया जा रहा है। इसी कार में बैठकर वो जी-20 समिट के लिए जाएंगे। एक समय पाकिस्तान का सपोर्टर रहा अमेरिका पिछले कुछ समय से लगातार भारत को अपना दोस्त बता रहा है। वहीं भारत भी अमेरिका के साथ स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप बढ़ाने पर फोकस कर रहा है।

1962 में चीन के खिलाफ जंग में अमेरिका ने दिया भारत का साथ

बात 1962 में हुई भारत-चीन जंग की है। चीन ने 20 अक्टूबर को लद्दाख और मैकमोहन लाइन पर एक साथ हमला कर दिया था। अचानक हुआ ये हमला भारत के लिए घातक साबित हुआ और हमारी सेना की तरफ से पूरी ताकत लगाने के बावजूद चीन की आर्मी बढ़त हासिल कर रही थी। इस बीच 28 अक्टूबर को अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ, केनेडी ने पीएम नेहरू को एक खत लिखा। लेखक और यूएस सिक्योरिटी मामलों के एक्सपर्ट ब्रूस राइडल ने अपनी किताब फॉरगॉटेन क्राइसिस में बताया कि केनेडी का खत मिलने के अगले ही दिन नेहरू ने अमेरिकी राजदूत को एक मीटिंग के

लिए बुलाया। यहां तत्कालीन विदेश मंत्री कृष्णा मेनन ने उन्हें मदद के लिए जरूरी सप्लाई और हथियारों की जानकारी दी। यूएस ऐंबैस्डर ने दिल्ली में मौजूद ब्रिटिश और कनाडाई राजदूत को इसकी जानकारी दी। इसके बाद अमेरिका और ब्रिटेन ने यूरोप में अपने मिलिट्री बेस से भारत की मदद के लिए यूएस एयरफोर्स के बोइंग 707 एयरक्राफ्ट भेजा। 2 नवंबर तक हर रोज 8 फ्लाइट्स में 20 हजार किलो के हथियार और गोले-बारूद कोलकाता पहुंचाने लगे। इसमें रॉयल एयरफोर्स ने भी भारत का साथ दिया। इसके बाद भी जब चीन ने भारत को घेर लिया और वो लेह तक पहुंचने वाले थे, तब पीएम नेहरू के नाम 2 चिट्ठी लिखीं। इसमें उन्होंने अमेरिका को जंग के हालात बताते हुए फाइटर जेट्स, इन्हें ऑपरेट करने के लिए अमेरिकी पायलट और बॉम्बर भी मांगे। मीडिया हाउस पॉलिटिको के मुताबिक नेहरू ने ब्रिटेन के पीएम को भी ऐसा ही खत लिखा। अमेरिका ने भारत की मांग पूरी करते हुए जंग में शामिल होने से इनकार कर दिया, लेकिन फिर भी उसने मदद का भरोसा दिलाया और भारत के लिए हथियारों की सप्लाई बढ़ा दी। इसके अलावा यूएस ने अपनी सातवीं फ्लीट के जहाजों को बंगाल की खाड़ी में भेजने का आदेश दिया। इसका मकसद चीन को ये बताना था कि अमेरिका हर हाल में जंग में भारत के साथ है। इसके बाद 20 नवंबर को चीन ने सीजफायर की घोषणा कर दी। चीन के मुद्दे को लेकर भारत और अमेरिका की चिंता लगभग एक जैसी है। एक तरफ जहां एलएसी और हिंद महासागर में चीन की दखलंदाजी का भारत विरोध करता है। वहीं, अमेरिका भी ताइवान और साउथ चाइना सी में चीन की घुसपैठ की कोशिशों का विरोध करता है। ऐसे में चीन से निपटने के लिए दोनों देशों को एक-दूसरे के साथ की जरूरत है। इसके अलावा दोनों ही देश इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाकर चीन के दबदबे को कम करना चाहते हैं। हाल के वर्षों में चीन ने न केवल भारत पर बढ़त बनाने के लिए हिंद महासागर में अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं, बल्कि पूरे साउथ चाइना सी पर अपना दावा भी ठोका है। उसके इन कदमों को सुपर पावर बनने की कोशिशों के तौर पर देखा जाता है। यही वजह है कि अमेरिका भारत के साथ मिलकर क्वाड के विस्तार पर काम कर रहा है, ताकि चीन के इन मंसूबों पर पानी फेरा जा सके। मकसद हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी भी सैन्य या राजनीतिक प्रभाव से मुक्त रखना है। इसे चीनी दबदबे को कम करने के लिए बनाए गए एक रणनीतिक समूह के रूप में देखा जाता है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। वर्ल्ड रैंकिंग के मुताबिक, भारत पांचवी सबसे बड़ी इकोनॉमी है। इसके अलावा भारत दक्षिण एशिया का सबसे ताकतवर देश है। ये इलाका दुनिया के सबसे प्रमुख बाजारों में से है, यानी बड़े देशों के फायदे के लिए बहुत जरूरी है। वित्त वर्ष 2022-2023 में भारत और अमेरिका के बीच बाइलेट्रल ट्रेड 128 बिलियन डॉलर पार कर चुका है। यानी इस अंतराल में भारत और अमेरिका ने 10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यापार किया। अमेरिका उन कुछ देशों में से एक है जिनके साथ भारत का ट्रेड सरप्लस है। यानी भारत अमेरिका को ज्यादा सामान बेचता है और वहां से कम सामान खरीदता है। 2021-22 में, भारत का अमेरिका के साथ 32.8 अरब डॉलर का ट्रेड सरप्लस था। भारत इस ट्रेड सरपलस को बरकरार रखना चाहता है।

डिफेंस के क्षेत्र में साझेदारी दोनों देशों के लिए जरूरी

अमेरिका रूस के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा डिफेंस पार्टनर है। भारत की हथियार खरीद में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 14प्रतिशत है। अमेरिका के साथ भारत का रक्षा व्यापार 21 अरब डॉलर यानी 1.56 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है। रूस-यूक्रेन जंग के बाद से चीन के साथ रूस के रिश्ते और भी मजबूत हो गए हैं।

ग्रीन कार्ड पाने से पहले मर जाएंगे 4 लाख भारतीय

134 साल का वेटिंग टाइम; अमेरिकी स्थायी निवासी कार्ड के इंतजार में 11 लाख लोग

वॉशिंगटन।

अमेरिका में रह रहे 11 लाख भारतीयों को ग्रीन कार्ड मिलने का इंतजार है। ये दावा अमेरिका थिंक टैंक कैटो इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में किया गया है। इसके मुताबिक अमेरिका में रोजगार के लिए ग्रीन कार्ड का आवेदन करने वाले भारतीयों की संख्या 11 लाख तक है। इनमें से 4 लाख लोग ऐसे हैं जिन्हें ग्रीन कार्ड मिलने तक उनकी मौत हो चुकी होगी। अमेरिका में प्रवासी लोगों को परमानेंटली रहने के लिए ग्रीन कार्ड या स्थायी निवासी कार्ड दिया जाता है। अमेरिका में रोजगार आधारित नागरिकता के लिए 18 लाख लोगों के आवेदन पेंडिंग में है। इनमें से 63 प्रतिशत यानि 11 लाख भारतीयों के आवेदन हैं। ग्रीन कार्ड को ऑफिशियल भाषा में परमानेंट रेजिडेंट कार्ड कहा जाता है। किसी को ग्रीन कार्ड मिलने का मतलब ये होता है कि वो व्यक्ति उस जगह पर परमानेंटली रह सकता है। सभी देश एक तय सीमा में ये कार्ड लोगों को देते हैं। अमेरिका थिंक टैंक कैटो इंस्टीट्यूट ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि फैमिली स्पॉन्सर्ड सिस्टम के तहत लगभग 83 लाख नागरिकता के आवेदन पेंडिंग में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के लोगों को ग्रीन कार्ड मिलने में 134 सालों का वेटिंग टाइम लगेगा। ग्रीन कार्ड के लिए दिए गए आवेदनों में से 4 लाख 24 हजार आवेदक नागरिकता मिलने से पहले मर चुके होंगें। अमेरिका में साइंस, टेक्नोलॉजी और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में काम करने वालों में अधिकतर भारतीय और चीनी नागरिक हैं। फिर भी हर साल इनमें से कुछ को ही ग्रीन कार्ड मिल पाता है। ग्रीन कार्ड के लिए भारतीयों का बढ़ता इंतजार एक बड़ी समस्या हो गया है। बाइडेन प्रशासन और भारतीय मूल के अमेरिकी सांसदों के प्रयासों के बावजूद भी अब तक इसका कोई हल निकल नहीं पाया है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में नागरिकता लेना लगभग नामुमकिन हो गया है।

पिछले दो माह की तेज गर्मी ने तोड़े पुराने सभी रिकॉर्ड, पूरा वर्ष औसत से अधिक गर्म रहा

जिनेवा।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने कहा, पृथ्वी उत्तरी गोलार्ध में अब तक की सबसे भीषण गर्मी से तप रही है। अगस्त में रिकॉर्ड गर्मी व तापमान दर्ज हुआ है। उधर, यूरोपीय जलवायु सेवा कोपरनिकस ने घोषणा की कि पिछले दो माह सबसे गर्म रिकॉर्ड किए गए हैं। अगस्त औसत से करीब 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड अधिक गर्म रहा। डब्ल्यूएमओ-कोपरनिकस ने कहा, इस साल जुलाई में भी गर्मी के सभी रिकॉर्ड टूटे हैं। जुलाई में विश्व का औसत तापमान 16.95 डिग्री सेंटीग्रेड रहा, जो 2019 में सर्वाधिक औसत तापमान से एक तिहाई डिग्री अधिक है। वैश्विक तापमान का रिकॉर्ड एक डिग्री के 100वें या 10वें अंतर से टूटता है, अत: यह अंतर असामान्य है। कोपरनिकस की निदेशक कार्लो बूनटेम्पो व उपनिदेशक समांथा बर्गेस ने इसे तापमान गंभीर नतीजों वाला बताया है। अमेरिका के दक्षिण पश्चिम और मेक्सिको में प्राणघातक गर्म हवाएं चल रही हैं। वैज्ञानिकों ने इसके लिए जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया है। दक्षिणी ब्राजील में भीषण तूफान से 27 लोगों की मौत हो गई। बारिश के कारण कई शहरों में बाढ़ आ गई। रियो ग्रांडे डो सुल में तूफान से

सर्वाधिक मौतें हुईं। यहां दो दिन में 1,650 लोग बेघर हुए। देश में 60 शहर तूफान से प्रभावित हैं। मुकुम में एक मकान में रह रहे 15 लोगों की मौत हो गई। ग्रीक, तुर्किये और बुल्गारिया में भीषण बारिश से मृतक संख्या बढ़कर 8 हो गई है। इस्तांबुल में कई घर, दफ्तर जलमग्न हो गए। बुल्गारिया में अचानक आई बाढ़ घरों को बहा ले गई। कोपरनिकस ने कहा, जुलाई 2023 का औसत तापमान 1991 से लेकर 2020 तक के औसत तापमान से 0.7 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। दुनिया के समुद्रों का तापमान गत 30 वर्ष के मुकाबले आधा डिग्री अधिक दर्ज किया गया और उत्तरी अटलांटिक महासागर का औसत तापमान से 1.05 डिग्री अधिक गर्म रहा। अंटार्कटिक सागर में इस वर्ष औसत से 15प्रतिशत कम समुद्री बर्फ जमी।

खालिस्तानियों पर सुनक बोले- किसी तरह का कट्टरवाद स्वीकार नहीं फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर कहा- ब्रिटेन के हित में होगा तो ही साइन करेंगे

लंदन।

ब्रिटेन में खालिस्तानियों की भारत विरोधी हरकतों को लेकर प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा- किसी भी तरह का कट्टरवाद स्वीकार नहीं है। विरोध करने का मतलब ये नहीं कि इसके नाम पर हिंसा फैलाई जाए। हमारी सरकार बांटने वाली और हिंसक विचारधारा को काउंटर करने के लिए गंभीरता से भारत सरकार के साथ काम कर रही है।

सुनक ने ये बात जी20 समिट में आने से 3 दिन पहले कही। सुनक प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार भारत दौरे पर आएंगे। सुनक ने ब्रिटेन के सिक्योरिटी मिनिस्टर से हुई भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की बैठक का हवाला दिया। इसमें तय किया गया था कि ब्रिटेन खालिस्तानियों को काबू करने के लिए एक करोड़ रुपए खर्च करेगा। दरअसल, मार्च में लंदन में भारतीय उच्चायोग पर हमले के बाद ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थकों की हरकतों को लेकर भारत में चिंताएं बढ़ गईं। तब भारत ने ब्रिटेन से सख्त कदम उठाने की मांग की थी। भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर भी सुनक ने बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि डील तभी हो पाएगी जब ये ब्रिटेन के हित में होगी। कुछ दिनों पहले दोनों देशों में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर हितों के टकराव से जुड़े सवाल उठाए गए थे। दरअसल, सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति भारत की इंफोसिस कंपनी में एक बिलियन डॉलर शेयर्स की मालकिन हैं, लेकिन अक्षता के पास अब भी ब्रिटेन की नागरिकता नहीं है। यही वजह है कि सुनक के सियासी विरोधी इस मसले पर सवाल उठाते रहते हैं। इसकी वजह से सुनक को परेशानी भी हुई है। सुनक पर सवाल उठाने वालों का कहना है कि फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से अक्षता मूर्ति को फायदा पहुंच सकता है। भारत-ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर डील स्कॉच, कार और वीजा जैसे मुद्दों पर असहमति के कारण अटक गई है। भारत स्कॉच और कारों पर टैक्स में कमी करने को तैयार नहीं है जबकि ब्रिटेन भारतीय प्रोफेशनल्स को अधिक वीजा देने को तैयार नहीं है। भारत इस पर अड़ा है कि ब्रिटेन में निवेश करने वाली भारतीय फर्म के 10 हजार प्रोफेशनल्स को वीजा दिए जाएं। ब्रिटेन का कहना है कि वीजा नियम सबके लिए समान हैं, भारत को विशेष दर्जा नहीं दे सकते। ब्रिटेन की मांग है कि व्यापार संबंधी विवादों की सुनवाई भारतीय कोर्ट में न होकर अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में हो। भारत इसके लिए तैयार नहीं है। इसी के साथ एफटीए पर 26 में से 13 मुद्दों जैसे ज्वेलरी, टैक्सटाइल, फूड प्रोडक्ट पर ही सहमति बन पाई है। मई 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन के बीच भारत-यूके शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ था। इस दौरान भारत-ब्रिटेन ने आपसी रिश्तों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया था। शिखर सम्मेलन में दोनों देशों ने व्यापार, अर्थव्यवस्था, रक्षा, सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन को लेकर 10 साल का रोडमैप तैयार किया था।

मून मिशन लॉन्च करने वाला 5वां देश बना जापान

स्लाइपर लैंडर के साथ रवाना हुआ एच2-ए रॉकेट; खराब मौसम की वजह से पहले दो बार टला

टोक्यो।

जापान की स्पेस एजेंसी अपना मून मिशन लॉन्च किया। मून मिशन स्लाइपर लैंडर के साथ एच2-ए रॉकेट तनेगाशिमा स्पेस सेंटर से स्थानीय समयानुसार सुबह 8:42 बजे लॉन्च किया गया। इसके तीन से चार महीने में चंद्रमा की ऑर्बिट में पहुंचने और अगले साल जनवरी में लैंड करने की उम्मीद है। इसकी लॉन्चिंग डेट पहले 26 अगस्त थी। बाद में 28 अगस्त की गई, लेकिन खराब मौसम की वजह से जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी ने इसकी लॉन्चिंग टाल दी थी। चांद की सतह पर लैंडिंग की जापान की यह पहली कोशिश होगी। हालांकि, मई महीने में एक प्राइवेट जापानी कंपनी चांद पर उतरने की कोशिश की, जिसमें असफलता मिली। जापान का मून मिशन अपने साथ एक नया एक्स-रे टेलिस्कोप और एक लाइट वेट हाई-प्रिशिसन स्पेक्ट्रोस्कोपी मून लैंडर ले गया है। जो भविष्य में चंद्रमा पर लैंडिंग तकनीक बेस के रूप में काम करेगा।

भारत के चंद्रयान 3 की कामयाबी के बाद अब जापान के स्लिम लैंडर पर दुनिया की नजरें हैं। कहा जा रहा है कि अब तक के तमाम मून मिशन्स में लैंडिंग के लिहाज से यह सबसे एडवांस्ड टेक्नोलॉजी से लैस है और जिस जगह पर इसे लैंड करना है, ये बिल्कुल उसी स्पॉट पर उतरेगा। रडार से लैस स्लिम लैंडर चंद्रमा के इक्वेटर पर लैंड करेगा।

स्लिम के क्या मायने

'स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून' यानी स्लिम । इसको एसएलआईएम नाम दिया ही इसलिए गया है, क्योंकि माना जा रहा है कि ये एक्यूरेसी के मामले में बाकी के मून मिशन्स से बहुत बेहतर होगा। किसी भी मून मिशन में सबसे

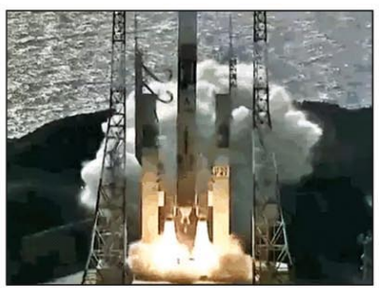

जरूरी चीज पिन पॉइंट लैंडिंग मानी जाती है। पुराने मिशन्स में ये माना जाता रहा है कि जहां बेहतर जगह हो वहां लैंडिंग की जाए। स्लिम के बारे में कहा जा रहा है कि ये जहां चाहेगा, बिल्कुल वहीं लैंड करेगा। ग्रैविटी के लिहाज से देखें तो चंद्रमा पर यह धरती की तुलना में 6 गुना कम है। लिहाजा, किसी भी लैंडर के लिए यहां लैंड करना बेहद चैलेंजिंग माना जाता है। हालांकि बदलते वक्त और टेलिस्कोपिक टेक्नोलॉजी की मदद से यह काम पहले के मुकाबले काफी आसान हुआ है। अब किसी भी मिशन के पहले ही साइंटिस्ट्स के पास हाईडेफिनेशन इमेजेस और लैंडिंग स्लॉट (जगह) की जरूरी जानकारी मौजूद होती है। ये तमाम बातें लैंडिंग और इसके बाद रिसर्च के लिहाज से काफी जरूरी होती हैं। खास तौर पर साउथ पोल यानी दक्षिणी ध्रुव पर। हमारे चंद्रयान ने चंद्रमा की इसी सबसे मुश्किल और सबसे ज्यादा रहस्यमयी जगह पर लैंड किया है। पिनपॉइंट लैंडिंग का सबसे बड़ा फायदा ये है कि एक खास जगह पर पहले से फोकस किया जाता है। इसके बारे में काफी हद तक जानकारी पहले से मौजूद होती है और इसी हिसाब से लैंडर का डिजाइन और पोस्ट लैंडिंग रोवर मूवमेंट तय किया जाता है। मकसद यही होता है कि उस खास जगह पर पानी की मौजूदगी और बाकी चीजों की सटीक जानकारी हासिल की जाए। स्लिम अगर कामयाब लैंडिंग करता है तो इसका टारगेट अपने आसपास का 100 मीटर क्षेत्र होगा। इस लैंडर का वजन 200 किलोग्राम है। लंबाई 2.4 मीटर और चौड़ाई 2.7 मीटर है। इसमें बेहतरीन रडार, लेजर रेंज फाइंडर और विजन बेस्ड नेविगेशन सिस्टम हैं। ये इक्विपमेंट्स एक्युरेट लैंडिंग में मदद करेंगे। इसमें लगे कैमरे चंद्रमा पर मौजूद चट्टानों की बिल्कुल साफ तस्वीरें लेंगे। इसके साथ ही इसमें लूनर एक्सप्लोरेशन व्हीकल और लूनर रोबोट भी हैं। इन्हें ओआरए-क्यू नाम दिया गया है। इनका साइज बहुत छोटा है और इन्हें हथेली पर रखा जा सकता है। स्लिम को मौसम बेहतर होते ही लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। यह तीन से चार महीने तक ऑर्बिट में चक्कर लगाएगा।

सीएम का जन संवाद कार्यक्रम एक ढकोसला : बजरंग गर्ग

हिसार (हिंस)। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सीनियर प्रवक्ता व जिला कन्वीनर बजरंग गर्ग ने कहा है कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का जन संवाद कार्यक्रम केवल एक ढकोसला है। जन संवाद कार्यक्रम की आड़ में सरकार जनप्रतिनिधियों को पकड़ कर थाने में बैठा रही है जो सरकार की विफलता का जीता-जागता सबूत है। उन्होंने कहा कि नगर पार्षद अमित ग्रोवर, हिसार संघर्ष समिति व सेक्टर 16-17 प्रधान जितेन्द्र श्योराण व अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति के हिसार जिला प्रधान दलजीत पंघाल को पुलिस द्वारा गिरफतार कर लिया गया। बजरंग गर्ग ने अपने साथियों सहित अर्बन एस्टेट चौकी में पहुचकर पुलिस अधिकारियों से बातचीत करके तीनों नेताओं को छुड़वाया। उन्होंने कहा कि भाजपा

सरकार से प्रदेश की जनता बेहद दुखी है। मुख्यमंत्री ने जनता की समस्या सुननी ही नहीं है तो जन संवाद कार्यक्रम करने का क्या मतलब रह जाता है। मुख्यमंत्री प्रदेश में जहां-जहां जन संवाद कार्यक्रम करते हैं, वहां जनता की समस्या सुनने की बजाए समस्या रखने वाले व्यक्तियों व नेताओं के खिलाफ झूठी कार्रवाई की जा रही है जो प्रजातंत्र की हत्या है, जिसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बजरंग गर्ग ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम कर रही है जिस कार्यक्रम में लाखों लोग भाग ले रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम में सब की बात सुनते हैं और अपनी बात रखते हैं। विपक्ष आपके समक्ष हिसार में हुआ जितने लोग स्टेज पर थे इससे आधे लोग तो मुख्यमंत्री के जन संवाद कार्यक्रम में तक नहीं आते। जन संवाद कार्य वो होता है जिसमें हर वर्ग का नागरिक अपनी मर्जी से आए और अपनी बात रख सके। इस मौके पर पार्षद जगमोहन मित्तल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता वजीर सिंह पूनिया, जिला प्रवक्ता एडवोकेट योगेश सिहाग, एडवोकेट अनिल जलंधरा, बीआर जैन, रवी मोहन, चिराग चावला, गौरव खुराना, वीरेंद्र सरदाना, अतुल सिंह आदि प्रतिनिधि मौजूद थे।

राजस्थान में जेजेपी की चाबी से खुलेगा विधानसभा का ताला : दुष्यंत चौटाला

जयपुर (हिंस)। हरियाणा के उपमुख्य2मंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार से हर वर्ग परेशान है क्योंकि कांग्रेस राज में प्रदेश में माइनिंग माफिया हावी है, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामले दिनों-दिन बड़े हैं और राजस्थान पेपर लीक में पूरे देश में नंबर-1 राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि सबको पता है कि लाल डायरी में गहलोत सरकार काले कारनामे छिपे है। वे गुरुवार को जयपुर में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान के विधानसभा चुनाव में जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) मजबूती के साथ ताल ठोकेगी और बेहतर चुनाव परिणाम और प्रदेश की जनता के आशीर्वाद से राजस्थान विधानसभा का जेजेपी के चुनाव चिन्ह चाबी से ताला खुलेगा। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि प्रदेश में जेजेपी का ग्राफ दिनों-दिन बढ़ रहा है और नए मजबूत साथियों के पार्टी से जुड़ने से पार्टी मजबूती से आगे बढ़ रही है। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि राजस्थान में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है और इसकी जिम्मेदार प्रदेश की कांग्रेस सरकार है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ आपराधिक मामले बड़े है और जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है। डिप्टी सीएम ने कहा कि इसी तरह माइनिंग माफिया राजस्थान में हावी है और उन्हें मौजूदा सरकार का कोई खौफ नहीं है। ऐसा लगता है कि राजस्थान में कांग्रेस का राज नहीं, बल्कि भ्रष्टाचारियों का माफियाराज चल रहा हो।

राजस्थान हाईकोर्ट : सार्वजनिक रोजगार पाने के लिए महिला के विवाहित होने की शर्त गैरकानूनी-असंवैधानिक घोषित

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा सार्वजनिक रोजगार पाने के लिए महिला का विवाहित होना जरूरी की शर्त को गैरकानूनी और असंवैधानिक घोषित कर दिया और कहा कि अविवाहित होने के आधार पर सरकारी रोजगार से वंचित करना संविधान के अनुच्छेद के तहत प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन और महिला की गरिमा का भी हनन है। महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मिनी कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी सहायिका के नियुक्ति के लिए जारी विस्तृत नियमों में विवाहित होना आवश्यक शर्त को अविवाहित उम्मीदवारों के लिए हाइकोर्ट ने अतार्किक, भेदभावपूर्ण और मौलिक अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन माना है। न्यायालय ने निर्णय में व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि इस न्यायालय को यह गौर करने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है कि भेदभाव करने का एक नया मोर्चा, जिसकी कल्पना या विचार तक संविधान निर्माताओं ने भी नहीं की थी, अब राज्य सरकार द्वारा परिपत्र में विवादास्पद शर्त (महिला का विवाहित होना जरूरी) डालकर खोल दिया है। जिला बालोतरा, राजस्थान निवासी मधु चारण की ओर से अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने पैरवी की। राजस्थान हाइकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश दिनेश मेहता ने रिपोर्टेबल निर्णय दिया। वर्तमान में अब नव सर्जित जिला बालोतरा के गांव गुगड़ी, ग्राम पंचायत आकड़ली बकसिराम निवासी मधु चारण की ओर से अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने रिट याचिका दायर कर बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मिनी कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी सहायिका के नियुक्ति के लिए जारी विस्तृत गाइडलाइन नियमों में महिला का विवाहित होना आवश्यक की शर्त सम्मलित कर रखी है, जिस कारण संपूर्ण राजस्थान के सभी संबंधित राजस्व ग्राम में स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों पर अविवाहित लड़की/महिला आवेदन ही नहीं कर सकती है। याची की ओर से बताया गया कि बाल विकास परियोजना अधिकारी बालोतरा द्वारा विज्ञप्ति दिनांक 28 जून-2019 जारी कर तहसील के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर रिक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मिनी कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी सहायिका के पदों के लिए आवेदन पत्र मांगे गए।

लाल डायरी में कुछ नहीं तो मंत्री गुढ़ा सस्पेंड क्यों ?

क्या उदयनिधि के बयान से कांग्रेस सहमत है ? : चतुर्वेदी

भरतपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा में भरतपुर पहुंचे पूर्व मंत्री एवं यात्रा के संयोजक अरुण चतुर्वेदी ने गुरुवार को कांग्रेस सरकार और राष्ट्रीय नेतृत्व पर जमकर निशाना साधा। भीलवाड़ा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर चतुर्वेदी ने कहा कि यदि लाल डायरी में कुछ नहीं था तो अपने ही मंत्री को सस्पेंड क्यों किया ? उसके साथ मारपीट क्यों की गई ? तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे और मंत्री उदयनिधि स्टालिन के बयान पर अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि उदयनिधि के बेटे के बयान पर कांग्रेस मौन क्यों है ? क्या कांग्रेस इस बयान से सहमत है ? उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन

खड़गे ने बयान दिया था कि लाल-पीली डायरी में कुछ नहीं है, यदि लाल डायरी में कुछ नहीं था तो कांग्रेस सरकार ने अपने ही मंत्री को विधानसभा में इस विषय पर बोलने पर सस्पेंड क्यों कर दिया। जब मंत्री अपने दस्तावेजों को सदन के पटल पर टेबल करने जा रहा था, तो कांग्रेस के सभी विधायक और मंत्री ने उसकी पिटाई क्यों की ? यदि लाल डायरी में कुछ नहीं था तो कांग्रेस के विधायक और मंत्री इतने आतंकित क्यों हो गए ? तमिलनाडु में मुख्यमंत्री के बेटे और मंत्री उदयनिधि स्टालिन के बीते दिनों सनातन धर्म पर दिए गए बयान को लेकर भाजपा नेता अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि तीन दिन से कांग्रेस उदयनिधि के बयान पर मौन साधे हुए है। कांग्रेस पार्टी उस पार्टी के साथ आईएनडीआईए के गठबंधन में साथ है। कांग्रेस इस बात का जवाब दे कि क्या वो स्टालिन के बेटे के वक्तव्य से सहमत है ? उन्होंने कहा कि सनातन चिरातन है, लगातार चलने वाला धर्म है, सनातन धर्म को समाप्त करने का वक्तव्य देना मानसिक दिवालियापन को प्रकट करता है। चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस के पांच साल के कार्यकाल में राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण के चलते ही भरतपुर क्राइम कैपिटल बन गया है। यहां कानून की धज्जियां उड़ी हुई है। बजरी, शराब, खनन और भू माफिया सक्रिय हैं। हालत ये है कि गुंडे गोली चलाते हैं तो पुलिस के सीने पर गोली लगती है, जब पुलिस गोली चलाती है तो बदमाशों के पैरों में लगती है। भरतपुर और राजस्थान में भ्रष्टाचार चरम पर है। यहां थानों की बोली लग रही है, हर कर्मचारी की बोली लग रही है, प्रत्येक कार्य के लिए लोकल टैक्स देना पड़ रहा है। कांग्रेस के बड़े-बड़े नेताओं पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगा चुके हैं। चतुर्वेदी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री की कुर्सी के नीचे ढाई करोड़ रुपए और सोने की सिल्ली मिलती है। पूरा प्रशासन और पुलिस महकमा इस घटनाक्रम को दबाने में जुट जाता है। सिर्फ खानापूर्ति के लिए एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की गई।

आतंकवादी समर्थकों को आश्रय देना बंद करें : उपराज्यपाल

सोपोर (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोपोर के लोगों से आग्रह किया कि वे आतंकवादी समर्थकों को किसी भी प्रकार का आश्रय देना बंद करें और बाकी सब पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों पर छोड़ दें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन आतंक-पारिस्थितिकी तंत्र को जड़ से खत्म करने और संघर्ष मुनाफाखोरों से सख्ती से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है, जिन्होंने पिछले कई दशकों के दौरान अपना खुद का खजाना भरा और आम आदमी को पीड़ित छोड़ दिया। डाक बंगला सोपोर में एक सभा को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने सोपोर और शेष जम्मू-कश्मीर के निवासियों से आतंक समर्थकों और आतंकियों को किसी भी प्रकार का आश्रय न देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बस इतना करो और बाकी काम पुलिस और सुरक्षा बलों पर छोड़ दो। प्रशासन के पूर्ण सहयोग से हमारी पुलिस और सुरक्षा

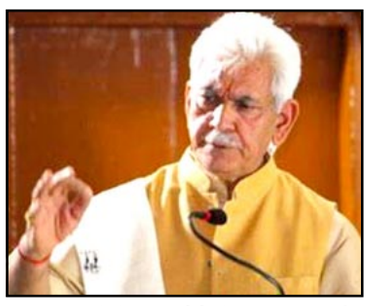

बल यह सुनिश्चित करेंगे कि जम्मू-कश्मीर की धरती से आतंक और उसके पारिस्थितिकी तंत्र का सफाया हो जाए। उन्होंने कहा कि हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक आतंक-पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ नहीं टूट जाती। उन्होंने कहा कि प्रशासन उन *संघर्ष मुनाफाखोरों* के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिन्होंने आतंकवाद को अपना हथियार बनाकर अपना खजाना भरा और आम आदमी को परेशानी में डाल दिया। उन्होंने कहा कि सोपोर को कंधार का खिताब किसने दिया, जो 1970 तक एक प्रसिद्ध व्यापारिक केंद्र था ? यहां पत्थरबाजी को बढ़ावा किसने दिया ? इसके लिए जिम्मेदार लोगों ने सोपोर के लोगों और आने वाली पीढ़ियों के साथ बहुत अन्याय किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महान समर्थन से जम्मू-कश्मीर प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि सोपोर का खोया हुआ गौरव पुनर्जीवित हो। उपराज्यपाल ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि 1970 के दशक के सोपोर को बड़े उत्साह के साथ वापस लाया जाए। उन्होंने कहा कि एशिया की सबसे बड़ी फल मंडी होने के बावजूद सोपोर को दशकों तक नुकसान झेलना पड़ा। उपराज्यपाल ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सोपोर देश का एक मॉडल शहर बनकर उभरे। उन्होंने कहा कि महान कवि महजूर ने एक बार कहा था कि अगर मुसलमान दूध हैं, तो हिंदू चीनी हैं। उन्होंने कहा कि सोपोर सांप्रदायिक सौहार्द्र के लिए जाना जाता था और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि वह स्थिति जल्द ही बहाल हो। उन्होंने कहा कि नगर पालिका समिति सोपोर शहर को साफ-सुथरा रखने के लिए बेहतरीन काम कर रही है लेकिन जब तक एक आम आदमी नहीं जागता और भूमिका नहीं निभाता, तब तक सड़कों पर विदेशी निर्मित संगमरमर का उपयोग करने का कोई मजा नहीं है। उन्होंने कहा कि हम यहां राजनीति या लाभ के लिए नहीं बल्कि अपने धर्म के रूप में विकास सुनिश्चित कर रहे हैं। जिन लोगों ने अपने लिए बड़े-बड़े घर बनाए और आम आदमी को परेशान होने के लिए छोड़ दिया, उन पर निशाना साधते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि यहां वीआईपी कल्चर को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए जम्मू-कश्मीर के किसी भी जिले का हर एक निवासी एक वीआईपी है। कोई भेदभाव नहीं है।

जी-20 सम्मेलन के दौरान एनएच-48 पर यातायात होगा नियंत्रित

गुरुग्राम (हिंस)। नई दिल्ली में शुक्रवार से शुरू होने जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर गुरुग्राम में यातायात पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की है। जिलाधीश एवं डीसी निशांत कुमार यादव ने बताया कि एडवाइजरी में जिले के सभी कॉर्पोरेट कार्यालयों और निजी संस्थानों को सलाह दी गई है कि वे अपने कर्मचारियों को कल यानी 8 सितंबर 2023 को घर से काम करने के लिए निर्देशित करें। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए यह एडवाइजरी जारी की गई है। जारी एडवाइजरी में बताया गया कि नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर 8 सितंबर को एनएच-48 पर यातायात नियंत्रित रहेगा। जिसके चलते गुरुग्राम शहर की सड़कों पर यातायात प्रभावित होने की संभावना है। सभी नागरिक 8 सितंबर को यात्रा के दौरान सावधानी बरते और भीड़-भाड़ से बचने के लिए केवल आवश्यकता पड़ने पर ही यात्रा करें।

फरीदकोट में सरकारी कर्मियों के जींस टी-शर्ट पहनने पर पाबंदी

फरीदकोट। फरीदकोट में सरकारी अधिकारियों के जींस-टीशर्ट पहनने पर रोक लग गई है। अब सभी को फार्मल कपड़ों में आफिस आना होगा। जिले के डीसी विनीत कुमार ने यह आदेश जारी किया है। डीसी ने आदेश जारी कर सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों के जींस टी शर्ट पहन कर दफ्तरों में आने पर तुरंत प्रभाव से पाबंदी लगा दी है और सभी को फार्मल ड्रेस में आने की हिदायतें दी है। डीसी की तरफ से जारी आदेश में लिखा गया है कि आम तौर पर देखने को मिल रहा है कि कई अधिकारी व कर्मचारी दफ्तरों में जींस टी शर्ट आदि पहन कर आते है। यह प्रथा ठीक नहीं है। ऐसा पहरावा लोगों पर अच्छा प्रभाव नहीं छोड़ता। ऐसे भी सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को दफ्तर में फार्मल ड्रेस ही पहन कर आना चाहिए।

गौ पूजा करने गौशाला पहुंचे बिजली मंत्री रणजीत सिंह

हिसार (हिंस)। बिजली मंत्री रणजीत सिंह जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में हिसार-दिल्ली बाइपास स्थित श्री हरियाणा कुरुक्षेत्र गौ चिकित्सालय एवं गौशाला में पहुंचे। उन्होंने गौशाला में गऊओं की पूजा-अर्चना की व चारा तथा गुड़ खिलाया। गौशाला के सेवादार व रामलीला कमेटी कटला के पूर्व प्रधान विनोद गुप्ता ने बताया कि गौशाला के पदाधिकारियों ने बिजली मंत्री का गौशाला प्रांगण में आने पर बुक्के देकर व फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया। बिजली मंत्री ने गौशाला का भ्रमण किया तथा वहां चल रहे सेवा कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर सत्यप्रकाश राजलीवाला, बनारसी दास गुप्ता, राजेन्द्र गावड़िया, नरेश मंगालीवाला, ब्रह्मानंद, राजेश गोयल, प्रवीन गर्ग झंडू, अनिल राजलीवाला, रामू दुर्जनपुरिया, विपुल अग्रवाल, राजेन्द्र गर्ग, संजय रावलवासिया, केवल कृष्ण गुर्जर, सीताराम, विनोद गुप्ता, राजू ऐलावादी, मोहित जैन, रामेश्वर, राजेश, रोहित, दिनेश, प्रेम भारद्वाज, बबलू, विकास सहित अन्य सेवादार भी उपस्थित रहे।

कांग्रेस पर्यवेक्षक ने नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ किया जिला अध्यक्ष बनाने पर मंथन

कैथल (हिंस)। जिला अध्यक्ष का चुनाव करने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त किए गए पर्यवेक्षक राजकुमार इंदौरिया व विधायक जगबीर सिंह मलिक गुरुवार को कैथल पहुंचे। उन्होंने अंबाला रोड के लोक निर्माण विश्राम गृह में कार्यकर्ताओं से जिला अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर राय मांगी। सभी कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर अपनी-अपनी राय पर्यवेक्षक को बताई। बैठक में जिला अध्यक्ष के लिए किसी एक नाम पर समिति नहीं बन पाई। पर्यवेक्षक से बात करते हुए पूर्व जिला अध्यक्ष कविराज शर्मा व अनिता दुल बड़सिकरी ने कहा कि कैथल जिला में कांग्रेस को ऐसे जिला अध्यक्ष की जरूरत है। जो पढ़ा लिखा और काबिल हो। ऐसा जिला अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए। जो सभी को साथ लेकर चले। इस मसले पर सभी कार्यकर्ताओं की राय है कि जिस भी जिला अध्यक्ष पर रणदीप सुरजेवाला सहमत होंगे। कार्यकर्ता उनके फैसले का स्वागत करेंगे। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव व पूर्व शहरी जिला अध्यक्ष सुधीर मेहता ने कहा कि जिला अध्यक्ष स्वतंत्र होना

चाहिए। उसे पर किसी एमएलए या मंत्री का कोई दबाव नहीं होना चाहिए। किसी चमचे को जिला अध्यक्ष नहीं बनाया जाना चाहिए। प्रदेश में संगठन में सभी को बराबर की भागीदारी मिलनी चाहिए। तभी संगठन मजबूत होगा और पार्टी सत्ता में लौट सकेगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश ने कहा कि जिलाध्यक्ष और संगठन के दूसरे पदाधिकारी किसी व्यक्ति विशेष की बजाए संगठन के वफादार होने चाहिए। जो भी जिलाध्यक्ष पार्टी के आला नेता और कार्यकर्ता तय करेंगे। वह उसे अपना पूरा सहयोग देंगे। पर्यवेक्षक ने सभी कार्यकर्ताओं से अलग-अलग इस मसले पर उनकी राय जानी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा नियुक्त किए गए पर्यवेक्षक राजकुमार इंदौरिया, पर्यवेक्षक जगबीर सिंह मलिक विधायक व रेणु बाला विधायक ने पूर्व विधायकों, जिला प्रभारी, प्रदेश प्रवक्ता, प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य, पूर्व जिलाध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष से राय ली। बैठक में शामिल होने के लिए रणदीप सुरजेवाला के समर्थक ढांड रोड किसान भवन में एकत्र हुए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा नियुक्त किए गए पर्यवेक्षक राजकुमार इंदौरिया ने जहां कांग्रेस नेताओं की जिलाध्यक्ष पद के लिए उनकी नब्ज टटोली, वहीं उन्होंने कांग्रेस पार्टी के स्थापना दिवस से लेकर तिरंगा झंडा तक को लेकर कुछ सवाल भी किए। सभी कांग्रेसी जनरल नॉलेज में फेल थे। इसी बीच पास बैठे पर्यवेक्षक जगबीर सिंह मलिक ने इंदौरिया के कान में कुछ बात भी कही। उन्होंने अपनी बात को घुमाते हुए कहा कि हमें अपनी पार्टी के इतिहास व उसके कार्यों की भी जानकारी होना बेहद जरूरी है।

राधा दामोदर मंदिर में दिन में जन्मे कन्हैया

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में चौड़ा रास्ता स्थित राधा दामोदर मंदिर एक ऐसा मंदिर में जहां दिन में दोपहर 12 बजे कन्हैया प्रगटे और मंत्रोच्चार के बीच जन्माभिषेक हुआ। इस दौरान मंदिर परिसर श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। इससे पहले तड़के 5.30 बजे मंगला आरती के साथ दर्शन खुले। सुबह धूप झांकी में ठाकुरजी को नवीन पोशाक धारण करवाई गई। इसके बाद 31 तरह के व्यंजनों व 21 तरह की नमकीन का ठाकुरजी को भोग लगाया गया। सुबह 11 बजे ठाकुरजी को जगमोहन में विराजमान किया गया। इसके बाद पांच पंडितों ने मंत्रोच्चार के बीच पाठ किए। इस बीच ठाकुरजी के पंचामृत, पंचगव्य आदि से अभिषेक किया गया।

किसान नेता छिकारा ने दी जैविक खेती अपनाने की सलाह

झज्जर (हिंस)। भारतीय किसान संघ के प्रदेशाध्यक्ष सतीश छिकारा ने गुरुवार को जिले के छारा इलाके में खेती का जायजा लिया। इस दौरान किसानों से बातचीत में उन्होंने जैविक खेती पर बल दिया, उपजों की मार्केटिंग पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी और फसल बीमा अपनाने के लिए प्रेरित किया। किसान नेता सतीश छिकारा ने कहा कि जैविक विधि से की गई खेती रासायनिक विधि से की गई खेती की तुलना में बराबर या अधिक उत्पादन देती है अर्थात जैविक खेती मृदा की उर्वरता व कृषकों की उत्पादकता बढ़ाने में पूर्णत: सहायक है। उन्होंने कहा कि वर्षा आधारित क्षेत्रों में जैविक खेती की विधि और भी अधिक लाभदायक है। जैविक विधि द्वारा खेती करने से उत्पादन की लागत तो कम होती ही है इसके साथ ही कृषक भाईयों को आय अधिक प्राप्त होती है और अंतर्राष्ट्रीय बाजार की स्पर्धा में जैविक उत्पाद अधिक खरे उतरते हैं। जिसके फलस्वरूप सामान्य उत्पादन की अपेक्षा में कृषक भाई अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। छिकारा ने कहा कि आधुनिक समय में निरंतर बढ़ती

जनसंख्या, पर्यावरण प्रदूषण, भूमि की उर्वरा शक्ति का संरक्षण व मानव स्वास्थ्य के लिए जैविक खेती की राह अत्यन्त लाभदायक है। मानव जीवन के सर्वांगीण विकास के लिए नितान्त आवश्यक है कि प्राकृतिक संसाधन प्रदूषित न हों, शुद्ध वातावरण रहे एवं पौष्टिक आहार मिलता रहे, इसके लिए हमें जैविक खेती की कृषि पद्धतियां को अपनाना होगा जोकि हमारे नैसर्गिक संसाधनों एवं मानवीय पर्यावरण को प्रदूषित किए बगैर समस्त जनमानस को खाद्य सामग्री उपलब्ध करा सकेगी तथा हमें खुशहाल जीने की राह दिखा सकेगी।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस सोमवार को

जयपुर (हिंस)। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जिले में सोमवार को विभिन्न जागरुकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसमें जनजागरुकता रैली, शपथ कार्यक्रम और कैंडल मार्च जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. बीएल मीणा ने बताया कि विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जिले में सोमवार को विभिन्न जागरुकता गतिविधियों जैसे जनजागरुकता रैली, शपथ कार्यक्रम और कैंडल मार्च जैसी गतिविधियों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया जाएगा।

सूर्यनगरी कृष्ण भक्ति में लीन .. नंद के घर आनंद भयो, जै कन्हैया लाल की..

जोधपुर (हिंस)। सूर्यनगरी में भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्योत्सव जन्माष्टमी पर्व आज धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर कृष्ण मंदिरों को फूलों और रंगबिरंगी लाइटों से सजाया गया है। साथ ही कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। शहर के सभी कृष्ण मंदिरों व अन्य स्थानों पर रात बारह बजे दही-माखन से भरी मटकियां फोड़ी जाएगी। इस बार जन्माष्टमी पर्व अलग-अलग तिथियां होने से दो दिन मनाया जा रहा है। स्मार्त मत वाले लोगों ने एक दिन पहले बुधवार को जन्माष्टमी मनाई थी वहीं वैष्णव मत वाले आज कृष्ण जन्मोत्सव मना रहे है। जोधपुर में कृष्ण जन्मोत्सव को लेकर कृष्ण मंदिरों में फूल मंडली से लेकर भगवान श्रीकृष्ण को संवारने से लेकर पूरे मंदिर को भव्य तरीके से सजाया गया है। चाहे शनिधाम स्थित बाके बिहारी कृष्ण मंदिर हो या फिर जूनी धान मंडी गंगश्यामजी मंदिर, बालकृष्ण लाल मंदिर, शास्त्रीनगर सी सेक्टर कृष्ण मंदिर, सरदारपुरा रानीजी का मंदिर, रातानाडा कृष्ण मंदिर, गीता भवन व सिवांचीगेट-द्वारकाधीश मंदिर सभी जगह कृष्ण की भक्ति में श्रद्धालु लीन नजर आ रहे है। मंदिरों और घरों में जहां श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़ी कथाओं को कहती झांकियां सजाई गई है वहीं कई स्थानों पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मटकी-फोड़ और भजन-कीर्तन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कृष्ण जन्माष्टमी पर कृष्ण मंदिरों को रंग रोगन और रोशनी से सजाया गया है। मंदिरों में फूल मंडलियां सजाई गई। मंदिरों में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला सुबह ही शुरू हो गया था। गली मौहल्लों में भी बच्चों ने अस्थाई कृष्ण मंदिरों की स्थापना के साथ मटकी फोड़ प्रतियोगिता रखी है। हांडी को रस्सी से ऊंचाई पर बांधा गया है जिसे कृष्ण भक्त युवक रात को फोड़ेंगे। चौपासनी स्थित श्याम मनोहर प्रभु मंदिर, जूनी मंडी स्थित बालकृष्ण लाल मंदिर, राजरणछोड़दास मंदिर, कटला बाजार स्थित कुंजबिहारी मंदिर, राधाकृष्ण मंदिर, गंगश्यामजी का मंदिर, जूना खेड़ापति बालाजी मंदिर, रातानाडा स्थित कृष्ण मंदिर, इस्कॉन और गीता भवन के साथ शहर के सभी मंदिरों में कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन किया गया है। इस्कॉन से जुड़े श्रद्धालु आज जन्माष्टमी मना रहे है। तनावड़ा फांटा स्थित राधा गोविंद मंदिर इस्कॉन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव पर आज सुबह से कार्यक्रम हो रहे है। मंदिर के अध्यक्ष सुंदरलाल ने बताया कि महोत्सव में आइआइटी के विद्यार्थियों की ओर से रोबोटिक्स के माध्यम से भगवान की लीलाओं पर आधारित प्रदर्शनी, भक्त प्रह्लाद गुरुकुल की ओर से प्रदर्शनी, कृष्ण भावनाभवित गेम्स स्टाल, भगवान की लीलाओं पर अनेक झाकियां सजाई गई है।

इस साल अब तक 20 आईपीओ आए, 18 में तेजी : साएंट डीएलएम ने सबसे ज्यादा 171प्रतिशत रिटर्न दिया, सभी आईपीओ का औसत रिटर्न 46 प्रतिशत

नई दिल्ली।

इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ में पैसा लगाने वालों के लिए 2023 शानदार साबित हो रहा है। इस साल अब तक मेन बोर्ड के 20 आईपीओ आ चुके हैं। इनमें से सिर्फ एक शेयर इश्यू प्राइस के नीचे है और एक इश्यू प्राइस के आसपास ट्रेड कर रहा है। लेकिन 18 शेयरों ने 171प्रतिशत तक रिटर्न दिए हैं।

लिस्ट हुई वाटर प्रोजेक्ट्स फर्म विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया साल का 20वां आईपीओ रहा। पहले ही दिन इस शेयर ने इश्यू प्राइस पर 47प्रतिशत रिटर्न दिया। वैसे सभी 20 आईपीओ ने लिस्टिंग के दिन औसतन 34प्रतिशत रिटर्न दिए।

आईपीओ आने से लेकर अब तक का इनका औसत रिटर्न भी 46प्रतिशत रहा है। साएंट डीएलएम ने सबसे ज्यादा 171प्रतिशत रिटर्न दिया। वहीं, उदयशिवकुमार इन्फ्रा और पिरामिड टेक्नोप्लास्ट इस रैली में पिछड़ गए।

विदेशी निवेशकों ने की ताबड़तोड़ खरीदारी, इससे बाजार को सपोर्ट

2023 में अब विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार में करीब 1.40 लाख करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। इससे आईपीओ बाजार को तगड़ा सपोर्ट मिला। इस बीच स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्टेड नई कंपनियों के शेयरों में औसतन 22प्रतिशत उछाल आया।

मेन बोर्ड आईपीओ का तेजी जारी रहने के संकेत

सेंट्रम कैपिटल के इन्वेस्टमेंट बैंकिंग पार्टनर प्रांजल श्रीवास्तव ने कहा, बाजार में पॉजिटिव ट्रेंड है। अच्छे शेयरों की डिमांड बनी हुई है। मेन बोर्ड आईपीओ का ओवर सब्सक्रिप्शन और लिस्टिंग के बाद बढ़त संकेत दे रही है कि तेजी बनी रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

सोना और चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली । सोने और चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआत गुरुवार को सुस्ती के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 59,000 रुपए के करीब कारोबार कर रहे थे, जबकि चांदी के वायदा भाव घटकर 72,500 रुपए से नीचे आ गए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के भाव में नरमी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 207 रुपए की गिरावट के साथ 72,265 रुपए के भाव पर खुला। फि लहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 127 रुपए की गिरावट के साथ 72,345 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 72,359 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 72,191 रुपए प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। मई महीने में चांदी के वायदा भाव 78 हजार रुपए किलो को पार कर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत भी नरमी के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 45 रुपए की गिरावट के साथ 59,043 रुपए के भाव पर खुला। फि लहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 48 रुपए की गिरावट के साथ 59,040 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 59,056 रुपए के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 59,017 रुपए के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 1942.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद प्राइस 1944.20 डॉलर था। फिलहाल यह 0.20 डॉलर की गिरावट के साथ 1944.00 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.50 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद प्राइस 23.50 डॉलर था। फिलहाल यह 0.06 डॉलर की गिरावट के साथ 23.44 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रही थी।

रिलायंस रिटेल ने आलिया भट्ट के किड्सवियर ब्रांड एड-ए-मम्मा की 51प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

मुंबई । रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड और एड-ए-मम्मा ने अब एक साथ आने का फैसला किया है।रिलायंस रिटेल ने आलिया भट्ट के किड्सवियर ब्रांड एड-ए-मम्मा की 51प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद ली है। एड-ए-मम्मा किड्स एंड मैटर्निटी वियर बनाती है। रिलायंस रीटेल वेंचर्स लिमिटेड ने इस कंपनी में 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए ज्वाइंट वेंचर किया है। कंपनी की योजना इस सेगमेंट में एक्सपैंशन की है। आरआरवीएल ने कहा कि वह एक्ट्रेस भट्ट के साथ मिलकर इस बिजनेस का विस्तार करेगी। बॉलीवुड एक्टर आलिया भट्ट ने ट्वीट कर इस संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि एड-ए-मम्मा एक बूट-स्ट्रैप्ड वेंचर है जिसका मकसद बड़ा है। रिलायंस रीटेल देश की सबसे बड़ी रीटेल है. हम दोनों का मकसद एक है। हम दोनों स्वदेशीकरण को बढ़ावा देना चाहते हैं। आलिया भट्ट ने साल 2020 में एड-ए-मम्मा की स्थापना की थी. इस ब्रांड से किड्स क्लोदिंग मिलता है। 2-12 साल के उम्र बच्चों के लिए यह ब्रांड कपड़ा बेचती है। इसके कपड़े नैचुरल फैब्रिक्स से बने होते हैं।

रुपया दो पैसे टूटकर 83.15 प्रति डॉलर पर

मुंबई । रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे गिरकर 83.15 पर आ गया। अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने और कच्चे तेल की कीमतों के बढ़ने का असर घरेलू मुद्रा पर पड़ा। विदेशी मुद्रा के कारोबारियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से जारी विदेशी कोष के प्रवाह का असर रुपए पर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.15 पर खुला, जो पिछले बंद स्तर की तुलना में दो पैसे की गिरावट है। रुपया डॉलर के मुकाबले 83.13 पर बंद हुआ था। वहीं छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.85 पर पहुंच गया।

अकाउंट में पैसे नहीं, फिर भी कर सकेंगे पेमेंट

यूपीआई पर क्रेडिट लाइन सर्विस शुरू, ऑफलाइन यूपीआई पेमेंट का ऑप्शन भी मिलेगा

मुंबई।

अब आपके अकाउंट में पैसे नहीं होने पर भी आप अपने मोबाइल फोन के जरिए पेमेंट कर सकेंगे। इसके लिए नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस से क्रेडिट लाइन लिंक करने की सर्विस क्रेडिट लाइन ऑन शुरू कर दी है। इसके साथ ही अलग-अलग पेमेंट मोड भी लॉन्च किए गए हैं। इसमें बोलकर पेमेंट करने के लिए हलो यूपीआई और फीचर फोन के जरिए ऑफलाइन पेमेंट करने के लिए यूपीआई लाइटएक्स शामिल हैं। इसके अलावा बिलपे कनेक्ट और यूपीआई टैप एंड पे कन्वर्सेशनल पेमेंट सर्विस भी शुरू की गई हैं। इस मौके पर इंफोसिस चेअरमैन और एनसीपीआई एडवाइजर नंदन नीलेकणि, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और एनसीपीआई चेयरमैन विश्वमोहन महापात्रा मौजूद थे। इन अलग-अलग पेमेंट मोड के जरिए एनसीपीआई का टारगेट हर महीने 100 बिलियन ट्रांजेक्शन हासिल करना है।

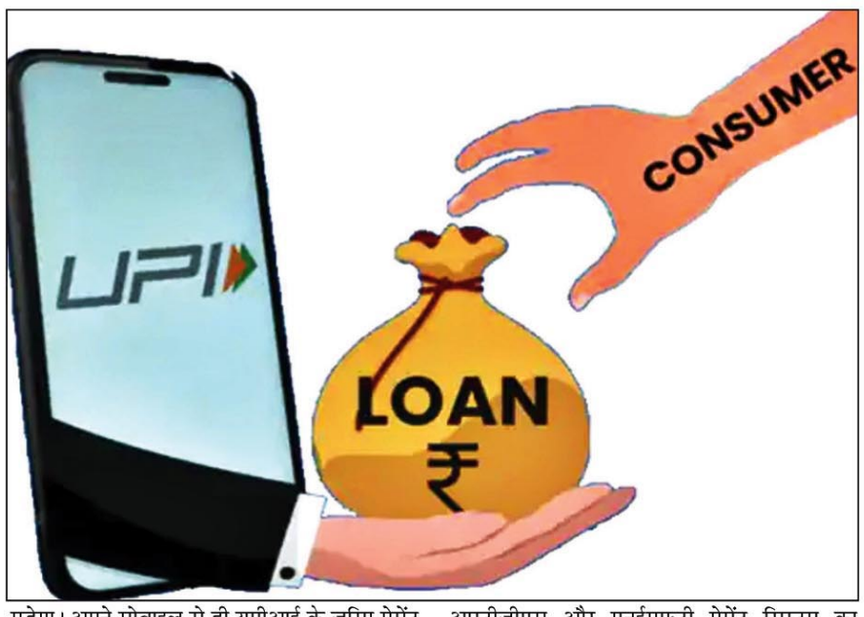

क्रेडिट लाइन ऑन यूपीआई क्या है

क्रेडिट लाइन ऑन यूपीआई सर्विस की घोषणा इस साल अप्रैल में की गई थी। यह एक तरह का डिजिटल क्रेडिट कार्ड है, जो प्री-अप्रूव्ड लोन की तरह काम करता है। इसमें क्रेडिट कार्ड की तरह ही कस्टमर को खर्च करने के लिए अमाउंट की एक लिमिट दी जाएगी। इसके लिए पहले बैंक में अप्लाई करना पड़ेगा। बैंक से अप्रूवल मिलने के बाद आपके अकाउंट में पैसे हो या न हो आप यूपीआई से पेमेंट कर पाएंगे। मान लीजिए आपने अपने बैंक से 10 हजार रुपए की क्रेडिट लाइन अप्रूव करा ली। इसके बाद आप 10 हजार रुपए तक यूपीआई पेमेंट से खर्च कर सकेंगे। आप जितना अमाउंट खर्च करेंगे, बैंक आपसे उतने का ही ब्याज लेगा। यह फिलहाल कुछ सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के बैंकों के साथ लाइव है। जिन भुगतान ऐप्स पर यह लाइव है।

ग्राहकों को कैसे होगा फायदा

ग्राहकों को अलग-अलग कार्ड कैरी नहीं करना पड़ेगा। अपने मोबाइल से ही यूपीआई के जरिए पेमेंट कर सकेंगे। समय की बचत होगी। क्रेडिट कार्ड बनने में थोड़ा समय लगता है। क्रेडिट लाइन अप्रूवल के बाद तुरंत मिल जाएगी। पॉइंट-ऑफ-परचेज क्रेडिट एक्सपीरियंस सीमलेस हो जाएगा। ये बीएनपीएल सेक्टर में ट्रांसफॉरमेशनल ग्रोथ ला सकता है।

2016 में हुई यूपीआई की शुरुआत

2016 में यूपीआई की लॉन्चिंग के साथ ही डिजिटल पेमेंट की दुनिया में एक क्रांति आ गई। यूपीआई ने सीधे बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने की सुविधा दी। इससे पहले डिजिटल वॉलेट का चलन था। जबकि यूपीआई में ऐसा कुछ नहीं करना पड़ता। पेनाऊ सिंगापुर में एसोसिएशन ऑफ बैंक्स द्वारा विकसित यूपीआई की तरह का ही एक पेमेंट सिस्टम है। भारत में आरटीजीएस और एनईएफटी पेमेंट सिस्टम का ऑपरेशन आरबीआई के पास है। सिस्टम को नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ऑपरेट करती हैं।

यूपीआई से जुड़ी खास बातें

यूपीआई सिस्टम रियल टाइम फंड ट्रांसफर करता है। एक एप्लीकेशन में कई बैंक अकाउंट लिंक किए जा सकते हैं। किसी को पैसा भेजने के लिए आपको सिर्फ उसके मोबाइल नंबर, अकाउंट नंबर या यूपीआई आईडी की जरूरत पड़ती है। यूपीआई को आईएमपीएस के मॉडल पर डेवलप किया गया है। इसलिए यूपीआई ऐप के जरिए आप 24×7 बैंकिंग कर सकते हैं। यूपीआई से ऑनलाइन शॉपिंग करने के लिए ओटीपी, सीवीवी कोड, कार्ड नंबर, एक्सपायरी डेट आदि की जरूरत नहीं होती।

यूपीआई से अब कैश भी विड्रॉ कर सकेंगे

एटीएम पर क्यूआर कोड स्कैन करने से निकल जाएगा पैसा

मुंबई।

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई से अब कैश भी विड्रॉ किया जा सकेगा। मुंबई में चल रहे ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में यूपीआई एटीएम दिखाया गया है। इस एटीएम के इस्तेमाल के लिए कार्ड की जरूरत नहीं पड़ती। बस क्यूआर कोड स्कैन कर पैसा निकाला जा सकता है। गुरुवार को, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इससे जुड़ा एक वीडियो शेयर किया है। इस एटीएम को नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने डेवलप किया है। यूपीआई एटीएम एक रेगुलर एटीएम के जैसे ही काम करता है। ये एटीएम अभी केवल यूपीआई ऐप को सपोर्ट करता है, लेकिन यह जल्द ही गूगल पे, फोनपे और पेटीएम जैसे अन्य ऐप पर भी लाइव होगा। इस टेक्नोलॉजी को अलग-अलग चरणों में रोलआउट किया जा रहा है।

कैसे काम करता है सिस्टम

एटीएम मशीन पर यूपीआई कार्डलेस कैश को सिलेक्ट करें। 100, 500, 1000, 2000, 5000 जैसा अमाउंट चुनें। एटीएम पर क्यूआर कोड डिस्प्ले होगा। ऐप से स्कैन करें। यूपीआई पिन दर्ज करें। अब कैश बाहर आ जाएगा। हिताची ने भी लॉन्च किया यूपीआई एटीएम जापान की कंपनी हिताची ने भी ऐसा ही एक एटीएम लॉन्च किया है। यह देश का पहला वाइट लेबल यूपीआई एटीएम है। देशभर में हिताची के 3000 से ज्यादा लोकेशन पर एटीएम हैं। एटीएम मशीनें जिनकी ओनरशिप, मेंटेनेंस और ऑपरेशन की जिम्मेदारी किसी नॉन-बैंकिंग सर्विस प्रोवाइडर के पास होती है । आनंद महिंद्रा ने यूपीआई एटीएम का वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, इस एटीएम को 5 सितंबर को मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2023 में अनवील किया गया था। जिस गति से भारत फाइनेंशियल सर्विसेस का डिजिटलीकरण कर रहा है और उन्हें कॉर्पोरेट-सेंट्रिक के बजाय कंज्यूमर-सेंट्रिक बना रहा है, यह बहुत ही शानदार है।

जी20 डिनर में एकसाथ नजर आएंगे 500 बिजनेसमैन

मुकेश अंबानी, गौतम अडाणी और टाटा संस चेयरमैन भी इनवाइट; शनिवार को होगा इवेंट

नई दिल्ली।

अरबपति मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी सहित 500 बिजनेसमैन शनिवार (9 सितंबर) को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जी20 लीडर्स के साथ डिनर करेंगे। सूत्रों के हवाले से बताया है कि 500 बिजनेसमैन में टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन, आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला, भारती एयरटेल के फाउंडर-चेयरमैन सुनील मित्तल सहित अन्य बिजनेसमैन को इनवाइट किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह डिनर विभिन्न देशों के प्रमुखों की मेजबानी करेगा। यह डिनर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत में बिजनेस और इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटी को हाइलाइट करने का मौका देगा।

9 और 10 सितंबर को होने वाली है जी-20 समिट

9 और 10 सितंबर को दिल्ली में जी-20 समिट होने वाली है। ये समिट प्रगति मैदान के इंटरनेशनल एग्जीबिशन कम कन्वेंशन सेंटर में होगी। इसी को भारत मंडपम नाम दिया गया है। उनकी कंपनी आरकॉप एसोसिएट्स ने सिंगापुर की कंपनी एडास के साथ भारत मंडपम को तैयार किया है। इसकी सजावट में हर राज्य के आर्टवर्क का इस्तेमाल है। सबसे खास समिट हॉल के लिए चेक रिपब्लिक से मंगाया गया झूमर है। इसी हॉल में 29 देशों के राष्ट्राध्यक्ष मीटिंग करेंगे।

म्यूनिख ऑटो शो में एडवांस फीचर और इनोवेटिव-टेक्नोलॉजी वाली कारें एडवांस्ड नेविगेशन सिस्टम से मिलेगी 600 फीट दूर की विजिबिलिटी

नई दिल्ली ।

यूरोप के जाने-माने ऑटो शो आईएए मोबिलिटी-2023 में सभी बड़े कार ब्रांड्स ने एडवांस फीचर और इनोटिव टेक्नोलॉजी वाली कारें शोकेस की हैं। कनेक्टिविटी और अलर्ट जैसे फीचर्स से कहीं आगे अब ये कारें हाईटेक फीचर्स के साथ ड्राइविंग का अनुभव बदलने को तैयार हैं। ऑडी की क्यू 6 ई-ट्रॉन का एचयूडी सिस्टम 600 फीट दूर की जानकारी पहले ही बता देगा। इससे दुर्घटना की आशंका खत्म होगी। रेनो की नई कार सस्टेनेबल मॉडल को ध्यान में रखकर बनाई गई है। चीनी कार निर्माता की मिनीवैन ने फीचर्स के मामले में सबको पीछे छोड़ दिया है।

ऑडी क्यू6 ई-ट्रॉन : ड्राइवर और पैसेंजर्स के लिए अलग-अलग स्क्रीन - थ्री-डी इंटीरियर से लैस इस ईवी में इंफोटेनमेंट के लिए डैशबोर्ड पर 3 डिस्प्ले हैं। इसे एआई बेस्ड वॉयस असिस्टेंट से कंट्रोल कर सकते हैं। ऑगमेंटेड रियल्टटी इनेबल्ड हेड अप डिस्प्ले से ड्राइवर को 600 फीट आगे की जरूरी जानकारियां जैसे ट्रैफिक साइन, नेविगेशन, विजिबिलिटी रियल टाइम में पता चलती हैं। सिंगल चार्जिंग में 600 किमी रेंज है।

डेंजा डी-9 : हर रो में स्क्रीन, टेलगेट सिर्फ रिमोट कंट्रोल से ही खुलता है - यह पूरी तरह से नेक्स्ट जेन है। सेकेंड रो में जबर्दस्त सुविधाएं हैं। ड्राइविंग से थकान हो रही हो तो सीट में ही मसाज फंक्शन दिया गया है। बड़ी पैनेरोमिक सनरूफ है। साथ ही फ्रिज भी है। टेलगेट खोलने के लिए रिमोट दिया गया है। इसमें सात पैसेंजर और इतने ही सूटकेस आसानी से आते हैं। स्क्रीन भी 7 हैं। सिंगल चार्जिंग में 620 किमी की रेंज है।

रेनो सीनिक : एक कमांड से कांच से बनी छत का रंग बदल जाएगा - इस कार में 24प्रतिशत रिसायकल्ड चीजें इस्तेमाल की गई हैं। इसके अलावा इसे 90प्रतिशत रिसायकल कर सकते हैं। सपाट ग्लास से बनी सोलरबी ग्लास रूफ पर खास कोटिंग की गई है। वॉयस असिस्टेंट या बटन से रूफ का कलर क्लाउडी या नॉर्मल कर सकते हैं। फुटबॉल व किराना रखने के लिए खास स्पेस दिया गया है। सिंगल चार्जिंग में 619 किमी की रेंज मिलती है।

वित्त मंत्रालय ने पीएमएलए को किया और सख्त

कंपनी का 10 फीसदी हिस्सेदार भी होगा लाभकारी मालिक

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) को और सख्त कर दिया है। इसके तहत अब किसी कंपनी में 10 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले साझेदार लाभकारी मालिकों की श्रेणी में आएंगे। पहले यह सीमा 15 फीसदी थी। मंत्रालय ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम नियम-2005 में संशोधन किया है। इस नियम के तहत वित्तीय खुफिया इकाई को जानकारी देने के लिए जिम्मेदार प्रबंधन स्तर के अधिकारी को प्रधान अधिकारी के रूप में भी माना जाएगा। सरकार साझेदारी फर्मों के लिए लाभकारी मालिक की परिभाषा बदल कर बेनामी गतिविधियों को रोकने का इंतजाम कर रही है। संशोधन के मुताबिक, ट्रस्ट के मामले में रिपोर्टिंग इकाई यह सुनिश्चित करेगी कि ट्रस्टी खाता-आधारित संबंध शुरू होने या लेनदेन के समय अपनी स्थिति का खुलासा करें। यदि ग्राहक एक ट्रस्ट है, तो रिपोर्टिंग इकाई को यह सुनिश्चित करना होगा कि ट्रस्टी खाता आधारित संबंध शुरू करने के समय या 50,000 रुपये के बराबर या उससे अधिक राशि का कोई लेनदेन करते समय स्थिति का खुलासा करें। इसमें चाहे एक लेनदेन या कई लेनदेन हों।

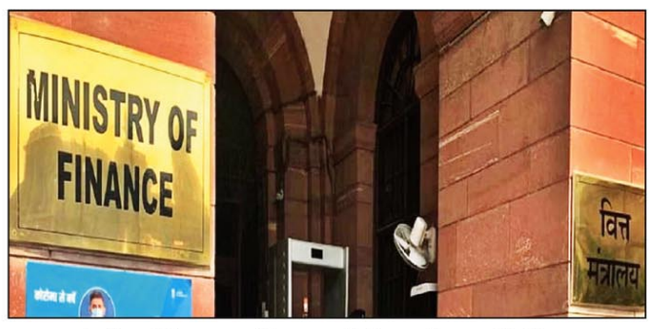

रखने होंगे लेनदेन के रिकॉर्ड - सख्त अनुपालन और निगरानी सुनिश्चित करने के लिए रिपोर्टिंग इकाई को ग्राहक के लेनदेन के विश्लेषण के रिकॉर्ड भी बनाए रखने होंगे। जो भी बाद में हो, के बाद पांच साल के लिए ड्यू डिलिजेंस भी करना होगा। सरकार ने हाल में आतंकवाद के वित्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग पर फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स के मूल्यांकन से पहले विभिन्न मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी प्रावधानों को कड़ा कर दिया है।

मईमें अधिसूचित हुएथे बदलाव - वित्त मंत्रालय ने मई, 2023 में पीएमएलए प्रावधानों में बदलावों को अधिसूचित किया था। इसके तहत चार्टर्ड और कास्ट अकाउंटेंट व कंपनी सचिवों को अपने ग्राहकों से कुछ विशेष वित्तीय लेनदेन के लिए एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत उत्तरदायी बनाया गया था। इन लेनदेन में किसी भी संपत्ति की खरीद-बिक्री और बैंक खातों का प्रबंधन शामिल है। सरकार ने मार्च में पीएमएलए नियमों में संशोधन किया था। इसमें बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए राजनीतिक रूप से उजागर व्यक्तियों (पीईपी) के वित्तीय लेनदेन को रिकॉर्ड करना जरूरी कर दिया गया था। इसके साथ ही, वित्तीय संस्थानों या रिपोर्टिंग एजेंसियों को पीएमएलए के तहत गैर-लाभकारी संगठनों या गैर-सरकारी संगठनों के वित्तीय लेनदेन के बारे में जानकारी एकत्र करने की जिम्मेदारी दी गई थी।

टाटा कंज्यूमर खरीद सकती है हल्दीराम में हिस्सेदारी

मुंबई । टाटा समूह की एफएमसीजी कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स नमकीन भुजिया और मिठाइयों की रिटेल चेन कंपनी हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदने पर विचार कर रही है। बताया जा रहा है कि हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदने के लिए टाटा कंज्यूमर कठी बातचीत भी चल रही है। खबरों के मुताबिक टाटा कंज्यूमर हल्दीराम में 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीद सकती है। खबर के मुताबिक हल्दीराम ने ये हिस्सेदारी बेचने के लिए 10 बिलियन डॉलर का वैल्युएशन मांगा है। हालांकि टाटा कंज्यूमर का मानना है कि हल्दीराम ने जो वैल्युएशन मांगा है वो बेहद ज्यादा है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स इस डील को करने में कामयाब हो गया तो उससे पेप्सी, बीकानेर और रिलायंस रिटेल जैसी कंपनियों को टक्कर देने में मदद मिलेगी। टाटा कंज्यूमर प्रोडेक्ट्स के प्रवक्ता ने डील की अफवाहों पर कुछ भी कहने से इंकार कर दिया है। हल्दीराम के सीईओ कृष्ण कुमार चुटानी ने भी डील पर कुछ भी कहने से इंकार किया है।

अमेजन ओरिजिनल सीरीज बंबई मेरी जान का एक्शन से भरपूर ट्रेलर हुआ रिलीज

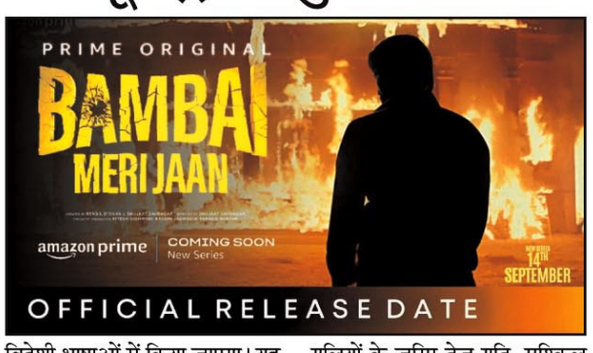

मुंबई (ईएमएस)। प्राइम वीडियो ने अपनी आने वाली फिक्शन क्राइम थ्रिलर अमेजन ओरिजिनल सीरीज बंबई मेरी जान के ट्रेलर को रिलीज कर दिया। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी, कासिम जगमगिया और फरहान अख्तर द्वारा निर्मित, एस हुसैन जैदी की कहानी के साथ, बंबई मेरी जान रेंसिल डी सिल्वा और शुजात सौदागर द्वारा बनाई गई है। यह सीरीज शुजात सौदागर द्वारा निर्देशित की गई है। इसमें केके मेनन, अविनाश तिवारी, कृतिका कामरा निवेदिता भट्टाचार्य और अमायरा दस्तूर जैसे बहुमुखी और प्रतिभाशाली अभिनेताओं को एक साथ दिखाया गया है। 10-एपिसोड वाली इस हिंदी ओरिजिनल सीरीज का प्रीमियर विशेष रूप से भारत और 240 देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर 14 सितंबर को तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और अंग्रेजी सहित कई भारतीय भाषाओं और फ्रेंच, जर्मन, इतालवी, पुर्तगाली, जापानी, पोलिश, लैटिन स्पेनिश, कैस्टिलियन स्पेनिश, अरबी और तुर्की जैसी विदेशी भाषाओं में किया जाएगा। यह सीरीज चीनी, चेक, डेनिश, डच, फिलिपिनो, फिनिश, ग्रीक, हिब्रू, हंगेरियन, इंडोनेशियाई, कोरियाई, मलय, नॉर्वेजियन बोकम, रोमानियाई, रूसी, स्वीडिश, थाई, यूक्रेनी और वियतनामी सहित कई विदेशी भाषाओं में उपशीर्षक के साथ भी उपलब्ध होगी। जब ईमानदारी भूख से टकराती है तो हमेशा हारती है।

मैं ईमानदार था पर डरा भूखा था। इस गहराई से भरपूर वर्णन के साथ शुरूआत करते हुए, बंबई मेरी जान का ट्रेलर दर्शकों को 1970 के दशक की काल्पनिक बंबई की गलियों के जरिए तेज गति, मुश्किल और गहरे सफर पर ले जाता है, जहां गैंगवार, अपराध और विश्वासघात एक आम बात थी। इस पृष्ठभूमि के खिलाफ, काल्पनिक सीरीज एक ईमानदार पुलिस वाले की एक मनोरम कहानी है, जो देखता है कि उसका बेटा गरीबी और संघर्ष के जीवन से उबरने के लिए अपराध का रास्ता चुनता है। ट्रेलर दर्शकों को उस दर्द की झलक दिखलाता है जो एक पिता को झेलना पड़ता है, जब वह अपने परिवार को खोए हुए लोकाचार, लालच और भ्रष्टाचार के कारण टूटते हुए देखता है।

दर्शकों का दिल जीत रही सामंथा रूथ प्रभु की हालिया रिलीज फिल्म कुशी

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु की हालिया रिलीज फिल्म कुशी इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर खूब धूम मचा रही है। बता दें कि एक्ट्रेस सामंथा रूथ प्रभु देश भर में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक हैं। अपनी वास्तविक अनफि ल्टर्ड व्यक्तित्व के अलावा जो चीज अभनेत्री को इतना खास बनाती है, वह उनकी खूबसूरत स्क्रीन पर उपस्थिति है, जो किसी भी भूमिका में प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता को दशार्ती है। उनकी हालिया रिलीज, कुशी रोम-कॉम आउटिंग के साथ लोगों का दिल जीत रही है। यह उनकी एक ऐसी शैली है जिसमें उन्होंने कुछ समय बाद कदम रखा है। हाल ही में द फैमिली मैन, यशोदा, शाकुंतलम जैसे प्रोजेक्ट में उनकी अलग- अलग बहुमुखी प्रतिभा को देखी है जो बेहद शानदार थी। अभनेत्री ने बार-बार यह साबित किया कि वह किसी भी भूमिका में खुद को बेहद सहजता के साथ ढाल लेती है। चाहे वह द फैमिली मैन 2 में एक पीड़ित सैनिक की भूमिका हो या ऊ अनातवा जैसे शानदार डांस नंबर, यशोधा में गर्भवती मां की भूमिका या फिर शाकुंतलम में अप्सरा जैसी डिज्नी राजकुमारी की भूमिका हो। बता दें कि कुशी में अभनेत्री आराध्या की भूमिका में हैं, जहां उन्होंने बेहद वास्तविक किरदार निभाया है जो प्रेम विवाह के बाद की जिंदगी और उसके बाद होने वाले संघर्ष की कहानी को दिखाती है। सामंथा हमेशा की तरह अपनी बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों का दिल जीत रही है। कुशी के बाद सामंथा अपनी नेक्स्ट सिटाडेल में दिखाई देंगी जिसमें वह शानदार एक्शन के साथ एक पूरी तरह से अलग भूमिका निभाएंगी।

चांदनी बेन्ज को लेकर सीरियस हुए ईशान खट्टर, शादी की तैयारी

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड में आजकल नए एक्टर्स के रिलेशनशिप जल्दी ही उभरकर सामने आ रहे हैं। ऐसे में इन दिनों ईशान खट्टर व चांदनी बेन्ज की चर्चा जोरों पर है। गौरतलब है कि शाहिद कपूर के भाई ईशान खट्टर बीते कई महीनो से एक मिस्टीरियस गर्ल को लेकर चर्चा में थे। अब एक्टर की इस मिस्टीरियस गर्ल का नाम सामने आ गया है। जैसा की सभी जानते हैं कि एक्टर को अपनी बाइक्स से कितना प्यार है इसी के चलते कुछ दिन पहले एक लड़की को ईशान के साथ बाइक राइड करते देखा गया था। इतने टाइम तक कन्फ्यूजन में रहने के बाद आि-खरकार इस मिस्टीरियस गर्ल का नाम रिवील हो गया है। यह लड़की कोई और नहीं बल्कि मलेशिया की एक मॉडल और टीवी एक्ट्रेस हैं जिसका नाम चांदनी बेन्ज हैं। खबरों की माने तो कपल अपने रिलेशन को लेकर काफी सीरियस है। ईशान तो एक्ट्रेस को अपने क्लोज फ्रेंड्स से भी मिलवा चुके हैं। बता दें कि चांदनी बेन्ज कोलालांपुर, मलेशिया से हैं। सिंगापुर के टीवी ड्रामा माय मदर्स स्टोरी से वे वहां पॉपुलर हुई थीं। इन दिनों चांदनी इंडिया में हैं और मॉडलिंग कर रहीं हैं। वह बॉलीवुड में एंट्री करना चाहती है। बात करें ईशान के वर्कफ्रंट की तो एक्टर को आखिरी बार फोन भूत में देखा गया था और अब वे जल्द ही एक पेट्रियॉटिक फिल्म पिप्पा में नजर आने वाले हैं।

भाई संग मस्ती करते हुए तस्वीरें शेयर की सारा ने

हाल ही में एक्ट्रेस सारा अली खान ने अपने ब्रदर संग कुछ मस्ती करते हुए तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। सारा अली खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें देखा जा सकता है कि दोनों एक दूसरे की बाहों में पोज दे रहे हैं। इस दौरान सारा अपने भाई को मूंह बना-बनाकर चिढ़ाती दिख रही हैं। वहीं इब्राहिम भी फुल मस्ती मूड में नजर आ रहे हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान सारा अली खान पिंक कलर का आउटफिट में गॉर्जियस लग रही हैं। वहीं उनके भाई इब्राहिम भी ब्लैक शर्ट में हैंडसम लग रहे हैं। वर्कफ्रंट पर सारा अली खान को आखिरी बार विक्की कौशल के साथ जरा बचके जरा हटके में देखा गया था। अब वह जल्द ही फिल्म मेट्रो इन दिनों में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में सारा के साथ आदित्य रॉय कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

ताजमहल के दीदार करने आगरा पहुंची मलाइका

बालीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोरा घूमने निकली हैं, लेकिन इस बार वह अपने बॉयफ्रेंड संग नहीं, बल्कि अकेली ही ताजमहल के दीदार करने आगरा पहुंची हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि मलाइका अरोड़ा प्रिंटेड सूट में गजब की खूबसूरत लग रही हैं। सूट के साथ साइड में उन्होंने मैचिंग दुपट्टा कैरी किया है और पैरों में व्हाइट चप्पल पहनी है। चेहरे पर काला चश्मा और पिंक लिपस्टिक लगाए एक्ट्रेस का लुक देखते ही बन रहा है। टैरिस पर वह ताजमहल के सामने एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं। फैंस मलाइका की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। बता दें, कुछ दिनों पहले मलाइका बॉयफ्रेंड व एक्टर अर्जुन कपूर संग ब्रेकअप की खबरों को लेकर खूब सुर्खियों में रहीं। हालांकि, इन सबके बीच कपल ने लंच डेट पर स्पॉट होकर अलगाव की अफवाहों पर विराम लगा दिया था।

अक्षय कुमार की फिल्म 'द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू' का नाम बदला, नए पोस्टर में लिखा 'द ग्रेट भारत रेस्क्यू'

देश में इस वक्त भारत बनाम इंडिया विवाद चल रहा है। इस विवाद के बीच बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने अपनी आने वाली फिल्म द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू का नाम बदलकर मिशन रानीगंजः द ग्रेट भारत रेस्क्यू कर दिया है। अक्षय कुमार की यह फिल्म 6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म ओएमजी-2 की सफलता के बाद अब अक्षय कुमार एक नए अवतार में नजर आएंगे। अक्षय ने आज सोशल मीडिया पर फिल्म का पहला मोशन पोस्टर शेयर किया है। टीजर में वह एक माइनिंग इंजीनियर जसवन्त सिंह गिल की भूमिका में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म जसवन्त सिंह की वीरता पर आधारित है। 1989 में, जसवन्त ने 350 फीट नीचे फंसे 65 खनिकों को बचाया। घटना बिहार के रानीगंज की है, जिसे मिशन रानीगंज के नाम से भी जाना जाता है।

पहले इस फिल्म का नाम द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू था, लेकिन अब एक नए वीडियो के साथ अक्षय ने फिल्म के नए नाम मिशन रानीगंजः द ग्रेट भारत रेस्क्यू की घोषणा की है। फिल्म का पहला टीजर गुरुवार 7 सितंबर को रिलीज किया जाएगा। यह पहली बार नहीं है कि इस फिल्म का नाम बदला गया है। पिछले साल जब फिल्म की घोषणा हुई थी, तो फिल्म का नाम कैप्सूल गिल था। तब इसका नाम द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू और अब मिशन रानीगंजः द ग्रेट भारत रेस्क्यू रखा गया है। फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी गई है।

ईशा देओल ने कंगना के पॉलिटिक्स में आने पर जताई असहमति

धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी ईशा देओल न सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं, बल्कि एक बेहतरीन डांसर भी हैं। ईशा ने अपने एक्टिंग करियर की श-ुरूआत फिल्म कोई मेरे दिल से पूछे से की थी। इस फिल्म के लिए उन्होंने कई अवॉर्ड भी जीते। ईशा ने कई बड़े बजट की बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है, लेकिन वह 2004 में रिलीज हुई फिल्म धूम से सुर्खियों में आईं। हाल ही में ईशा ने बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत पर कमेंट किया है। कंगना की एक्टिंग के साथ-साथ ईशा ने बताया है कि वह असल में अपने राजनीतिक विचारों के बारे में क्या सोचती हैं। मीडिया से बात करते हुए ईशा से पूछा गया कि क्या एक्ट्रेस को अन्य क्षेत्रों में भी अपनी किस्मत आजमानी चाहिए? क्या कंगना को राजनीति में आना चाहिए? ईशा ने कहा, मैं इससे पूरी तरह असहमत हूं। मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं, मुझे थलाइवी में उनका काम बहुत पसंद आया। मेरी मां ने अभिनय के साथ-साथ राजनीति में भी काम किया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि अभिनय को इसके लिए अलग रखा जाना चाहिए। मुझे लगता है कि वह बहुत अच्छा काम कर रही है। कंगना इस समय अपनी आने वाली फिल्म चंद्रमुखी-2 को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इसका ट्रेलर भी रिलीज किया गया था। इसके साथ ही कंगना की फिल्म इमरजेंसी भी खूब चर्चा में है। ईशा देओल हाल ही में अपने भाई सनी देओल की फिल्म गदर-2 की स्क्रीनिंग के दौरान मीडिया के सामने आईं। फिलहाल ईशा फिल्म इंडस्ट्री से दूर हैं।

गिले-शिकवे दूर कर दिए सनी-शाहरुख ने

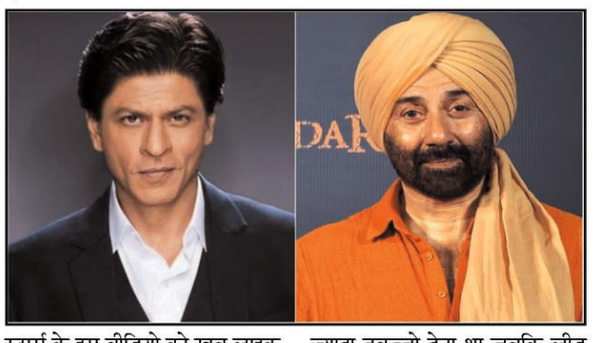

बीते दिनों बालीवुड एक्टर सनी देओल ने गदर 2 की सक्सेस पर ग्रैंड पार्टी होस्ट की, जिसमें बॉलीवुड के अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ और अनुपम खेर जैसे कई दिग्गज सितारों ने शिरकत की। वहीं, पार्टी में शाहरुख खान ने बीवी गौरी संग शामिल होकर सनी देओल संग सारे गिले-शिकवे दूर कर दिए। इस पार्टी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में शाहरुख खान सनी देओल से गले मिलते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में दोनों एक दूसरे से काफी करीब दिखाई दे रहे हैं। दोनों एक-दूसरे के कंधे पर हाथ रखकर पार्टी से बाहर निकले और कैमरे के लिए जमकर पोज दिए। फैंस दोनों स्टार्स के इस वीडियो को खूब लाइक कर रहे हैं। मालूम हो, शाहरुख खान और सनी देओल के बीच 30 साल पहले एक झगड़ा हुआ था। दोनों का ये झगड़ा फिल्म डर के सेट पर हुआ था, जिसकी वजह शाहरुख को ज्यादा तवज्जो देना था जबकि लीड रोल में सनी देओल थे। इसके बाद दोनों एक्टर्स एक-दूसरे से दूर ही रहते थे। हालांकि, अब गदर 2 की सक्सेस पार्टी में दोनों के बीच का मन मुटाव दूर हो गया है।

मोस्ट अवेटेड फिल्म दोनों का ट्रेलर रिलीज

बालीवुड की मोस्ट अवेटेड फिल्म दोनों का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में एक्टर सनी देओल के छोटे बेटे राजवीर देओल और एक्ट्रेस पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा ढिल्लों प्रमुख भूमिका में है। यह फिल्म राजवीर और पलोमा की पहली फिल्म है। सिनेमाघरों में फिल्म 5 अक्टूबर को रिलीज होगी। दोनों नए कलाकारों को देखने के लिए फैंस आतुर हैं। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शन के बैनर तले बनी है। ट्रेलर की शुरूआत में दिखाया जाता है कि देव (राजवीर) को पता चलता है कि उसकी बेस्टफ्रेंड अलीना शादी कर रही है। राजवीर की मां उसे कहती है कि जिंदगीभर उसी प्लेटफॉर्म पर अटके रहोगे। नया चैप्टर तभी शुरू होता है जब पन्ना पलटोगे। इसी दौरान अलीना, देव को कहती हैं कि अगर तू शादी में नहीं आया तो मैं तुझे मार डालूंगी। इसके बाद राजवीर शादी में पहुंच जाता है, जहां पर उसकी मुलाकात मेघना (पलोमा) से होती है। इस दौरान दोनों की दोस्ती हो जाती है और वहीं देव अकेले में खुद से बातें कर रहा होता है कि मैं उस लड़की की शादी में आया हूं जिसे मैं 10 साल से चाहता था और ये सारी बाते मेघना सुन लेती है जिससे वह हैरान हो जाती है।

शाहरुख खान की बहुचर्चित फिल्म 'जवान' रचेगी इतिहास

शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' इस वक्त चर्चा में है। 'पठान' की सफलता के बाद फैंस उनकी फिल्म 'जवान' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है और दर्शकों को शाहरुख खान का अलग-अलग लुक काफी पसंद आया है। अब इस फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है और इस फिल्म ने प्रदर्शन से पहले ही अच्छी कमाई करनी शुरू कर दी है। 'जवान' की एडवांस बुकिंग इसी श-ुक्रवार से शुरू हो गई है। इस बारे में शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी शेयर किया है। शाहरुख के फैंस और सिने प्रेमी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके अलावा शाहरुख खान के अलग-अलग फैन क्लब भी इस फिल्म के अलग-अलग शो आयोजित कर रहे हैं। 'बुक माय शो' की रिपोर्ट के मुताबिक, देशभर में जवान के 75 लाख टिकट बेचे गए हैं। जवान को उत्तर भारत में 5000 स्क्रीन्स मिली हैं जबकि देशभर में फिल्म 5500 स्क्रीन्स पर रिलीज होगी। इतना ही नहीं, इस मौके पर कुछ बंद पड़े सिंगल स्क्रीन थिएटर भी दोबारा खुलते नजर आ रहे हैं। कुल मिलाकर इस तस्वीर को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि शाहरुख खान की 'जवान' भारत में पहले दिन 60 से 70 करोड़ रुपये की कमाई करेगी। अगर ऐसा हुआ तो 'जवान' यह रिकॉर्ड हासिल करने वाली पहली फिल्म बन सकती है। फिल्म समीक्षक और ट्रेड एक्सपर्ट तरण आदर्श ने भी हिंदी फिल्मों को लेकर सकारात्मक बयान दिया है। उन्होंने कहा, 'वर्तमान समग्र स्थिति हिंदी फिल्मों के लिए सकारात्मक है। जो लोग सोचते थे कि हिंदी सिनेमा खत्म हो गया है, उनके लिए यह एक गरिमापूर्ण उत्तर है। बॉलीवुड फिल्में देखने के लिए लोग सिनेमाघरों का रुख कर रहे हैं।

'यारियां-2' का गाना 'सिमरूं तेरा नाम' हुआ रिलीज

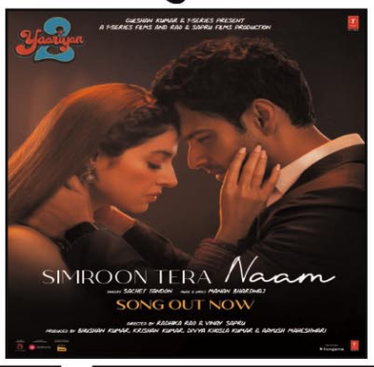

राधिका राव और विनय सप्रू के निर्देशन में बनी यारियां-2 में दिव्या खोसला कुमार, मिजान जाफरी और पर्ल वी पुरी मुख्य भूमिका में हैं, जो एक खूबसूरत चचेरे भाई के रिश्ते को सेलिब्रेट करता है। दिव्या खोसला कुमार उर्फ लाडली की लव लाइफ कहानी का केंद्र बिंदु होने के साथ निमार्ताओं ने अब सिमरूं तेरा नाम गाना रिलीज कर दिया है, जो आपके दिल को छूकर आपको भावुक कर देगा। सचेत टंडन ने इसे खूबसूरती से गाया है, जिसे मनन भारद्वाज ने लिखा और कंपोज किया है। गाने में दिव्या और यश के बीच की केमिस्ट्री कमाल की है। यारियां-2 में दिव्या खोसला कुमार, यश दासगुप्ता, मिजान जाफरी, अनस्वर राजन, वरीना हुसैन, प्रिया वारिर और पर्ल वी पुरी हैं। यह फिल्म 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म को राधिका राव और विनय सप्रू ने डायरेक्ट किया है।

सूडोकु नवताल- 6546

सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6545 का हल

8	2	4		9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्दजाल - 7293

जु	श	मु	म	स्ती	त	हो	प	न	र	द
र्म	क्रि	ल	ना	द	म	जा	अं	दा	ज	क
य	के	दो	हे	नि	इ	ना	न	व	टि	रू
इं	ट	स्ती	न	शा	वा	न्सा	क	ले	ज	की
प	दा	सा	भा	ने	तो	हो	न	गो	खा	त
ब	जि	त	प	ग	स	ए	व	सं	वॉ	व
द	प	न्दा	न	जी	म	ह	अ	गो	प्ला	द
क	र	क	प	क्श	प	भा	र	चो	आ	ख
र	व	त	म	रा	भी	त	ग	अ	न	अ
क	र	ल	प	र	ज	ता	रे	र	ह	द
मुं	ब	ई	से	आ	या	मे	रा	दो	स्त	न

शब्दजाल में लारा दत्ता की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

भागमभाग, जुर्म, मस्ती, अंदाज, दोस्ती, आन, इन्सान, खाकी, मुंबई से आया मेरा दोस्त, जिन्दा.

शब्दजाल - 7292 का हल

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	ब	न	र	क
र	बा	बु	ल	आ	वा	जी	द	इ	ल	ल
म	व	दे	पू	ह	जी	स्म	न	का	क	हो
म	ची	न	श	ट	ज	प	म	पा	त	न
सा	त	ई	पा	में	व	खें	न	भा	र्क	का
ला	मे	म	सु	प	गं	र	न	ई	र	बु
श	जं	र्म	मे	ता	क	सा	या	न	ज	ल
क	क	ग	ए	सं	ज	प	र	ली	न	ए
ब्रे	बो	र्न	य	त	चि	क	री	जि	प	क्स
त	रा	जु	न	ज	बा	त्र	य	ब्दा	ता	प्रे
बे	बी	लो	नि	या	ल	र	न	रा	त	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6246

1	6		4		7	
	30	3	21		35	
7	5			4	2	6
	33	6	39		31	
4			7	6	1	
	33	4	42		26	1
3	1		6		5	4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6245 का हल

1	6	5	4	3	7	2
5	42	7	33	1	23	3
7	5	6	3	4	2	1
2	32	3	38	7	32	6
4	3	2	7	6	1	5
6	24	1	33	5	35	4
3	1	4	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

वर्ल्ड कप के 4 लाख टिकट रिलीज करेगा बीसीसीआई : 8 सितंबर को रात 8 बजे से खरीद सकेंगे; फैंस की नाराजगी के बाद लिया फैसला

मुंबई।
भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड वर्ल्ड कप के 4 लाख टिकट रिलीज करेगा। फैंस 8 सितंबर को रात 8 बजे से ये टिकट खरीद सकेंगे। वर्ल्ड कप के लिए भारत के मैचों के टिकट 10 मिनट के अंदर ही बिक गए थे। कई फैंस को टिकट खरीदने का मौका तक नहीं मिल सका था, जिसके बाद उन्होंने इंटरनेट पर नाराजगी जताई थी। नाराजगी के बाद बीसीसीआई ने कहा कि भारत में फैंस ही क्रिकेट की असली जान है। इसे देखते हुए बोर्ड ने टूर्नामेंट के लिए एक्स्ट्रा टिकट रिलीज करने का फैसला किया। वनडे वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से शुरू होगा। पूरा टूर्नामेंट भारत में ही होना है।

स्टेट एसोसिएशन से बात करने के बाद लिया फैसला - बीसीसीआई ने मीडिया रिलीज जारी करते हुए बताया कि बोर्ड टिकट बिक्री के लिए 8 सितंबर को नया फेज शुरू करेगा। बोर्ड ने कहा, वर्ल्ड कप टिकट की बहुत ज्यादा डिमांड है, इस कारण फैंस को टिकट नहीं मिल पाए। इसे देखते बोर्ड ने होस्टिंग स्टेट एसोसिएशन से बात की और करीब 4 लाख टिकट रिलीज करने का फैसला किया है।

ऑफिशियल वेबसाइट से टिकट खरीद सकेंगे - बीसीसीआई ने बताया, क्रिकेट वर्ल्ड कप की जनरल टिकट सेल्स 8 सितंबर को रात 8 बजे से शुरू होगी। इसके बाद भी अगर जरूरत पड़ी तो फैंस को अगले फेज की टिकट बिक्री के बारे में इन्फॉर्म किया जाएगा।

6 अलग-अलग फेज में बिके थे भारत के टिकट - भारत के वर्ल्ड कप मैचों के टिकट 6 अलग-अलग फेज में बिके थे, लेकिन टिकट बिक्री शुरू होने के कुछ मिनटों में सभी टिकट खत्म हो गए। 3 सितंबर को भारत-पाक मैच के टिकट बिके थे, ये भी कुछ मिनटों के अंदर ही बिक गए। इसके बाद फैंस ने सोशल मीडिया पर बीसीसीआई और बुक माय शो (टिकट बिक्री वेबसाइट) की आलोचना की थी। कहा गया था कि बीसीसीआई ने कुल टिकट का 15 से 25प्रतिशत हिस्सा ही बिक्री के लिए जारी किया था। यहां तक कि भारत-पाकिस्तान का जो मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 14 अक्टूबर को खेला जाएगा, उस मैच के टिकट भी बहुत कम दर्शकों को मिल सके। जबकि इस ग्राउंड की दर्शक क्षमता एक लाख 32 हजार है। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस मुकाबले के कुछ टिकट ब्लैक में 10 से 55 लाख रुपए तक की कीमत में बिक रहे हैं।

भारत के मैचों के सभी टिकट बिके - भारत के अलावा बाकी टीमों के मैचों के वर्ल्ड कप टिकट 25 अगस्त से बिकना शुरू हो गए थे। टीम इंडिया के मैचों के वॉर्म-अप समेत लीग स्टेज के सभी मैचों के टिकट बिक चुके हैं। लेकिन बाकी टीमों के मैच टिकट अब भी आईसीसी की ऑफिशियल वेबसाइट पर बिक रहे हैं।

इन अहम मुकाबलों के टिकट अब तक नहीं बिके - आईसीसी की ऑफिशियल वेबसाइट पर अब भी कुछ अहम मुकाबलों के टिकट पूरी तरह नहीं बिके हैं। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड - 5 अक्टूबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा। श्रीलंका और पाकिस्तान - 10 अक्टूबर को हैदराबाद में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका- 12 अक्टूबर को लखनऊ में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका - 16 अक्टूबर को लखनऊ में खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

काउंटी चैम्पियनशिप में केंट के लिए खेलेंगे चहल: एशिया कप के बाद वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया में नहीं मिली जगह

मुंबई। एशिया कप के बाद वर्ल्ड कप में नहीं चुने गए स्पिनर युजवेंद्र चहल काउंटी चैम्पियनशिप में खेलेंगे। उन्होंने केंट के साथ करार किया है। वह नॉटिंघमशर और लंकाशर के खिलाफ घरेलू मैदान पर केंट के लिए उपलब्ध रहेंगे। वहीं समरसेट के खिलाफ अवे मैच के लिए भी टीम के साथ रहेंगे। काउंटी क्लब केंट की ओर से जारी बयान में युजवेंद्र चहल ने कहा कि इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में खेलना मेरे लिए एक रोमांचक चुनौती है और मैं इसका बहुत इंतजार कर रहा हूं। वहीं केंट क्लब के कोच पॉल डाउटन ने कहा कि हम सीजन के तीन मैचों के लिए युजवेंद्र चहले जैसे क्वॉलिटी स्पिनर को पाकर खुश हैं। चहल केंट की ओर से खेलने वाले दूसरे भारतीय क्रिकेटर हैं। उनसे पहले तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने जून-जुलाई में केंट के लिए पांच मैचों में 13 विकेट ले चुके हैं। चहल ने 33 फर्स्ट क्लास मैचों में 35.25 की औसत से 87 विकेट विकेट लिए हैं। उनका बेस्ट फिगर पारी में 44 रन पर 6 विकेट और मैच में 112 रन पर 8 विकेट है।

पापा बनने वाले हैं ईशांत शर्मा

नई दिल्ली । क्रिकेटर ईशांत शर्मा पापा बनने वाले हैं। उनकी पत्नी प्रतिमा सिंह गर्भवती हैं। प्रतिमा की बहन आकांक्षा ने सोशल मीडिया पर ये जानकारी साझा की है। इसमें तीन तस्वीरें साझा की गयी हैं। एक में ईशांत और प्रतिमा अपने परिवार के साथ यह खुश नजर आये। वहीं एक अन्य तस्वीर में ईशांत जहां डैड टू बी का पोस्टर जबकि प्रतिमा मम्मी टू बी का पोस्टर लिए दिखीं। आकांक्षा ने इंस्टाग्राम पर ईशांत और अपनी बहन प्रतिमा की फोटो साझा करते हुए लिखा है- मेरे प्रिय प्रतिमा और इशांत बहुत बहुत बधाई! आप दोनों को हार्दिक बधाई। मुझे भरोसा है कि आप लोग महान माता-पिता बनेंगे। मैं इस छोटे सितारे के इस दुनिया में आने और एक सितारे की तरह चमकने का इंतजार नहीं कर सकती। ईशांत और महिला बास्केटबॉल खिलाड़ी प्रतिमा का प्रेम विवाह हुआ था। दोनो की पहली मुलाकात भी अनूठी रही है। ईशांत को एक बास्केटबॉल इवेंट में मेहमान के तौर पर जाना था। वहां, प्रतिमा चोट की वजह से खेल नहीं रही थी। वह तब स्कोरर की भूमिका में थीं। प्रतिमा को देखते ही ईशांत को उनसे प्यार हो गया। ईशांत को मालूम नहीं था कि प्रतिमा भी खिलाड़ी हैं। धीरे धीरे उनकी मुलाकातें बढ़ी जो बाद में प्यार में बदल गईं। वहीं प्रतिमा ने एक साक्षात्कार में कहा था कि इशांत पहली ही नजर में उन्हें पसंद आ गए। इसके बाद पांच साल तक डेट करने के बाद साल 2016 में दोनों शादी के बंधन में बंध गये।

विश्वकप में उतरेंगे रोहित सहित तीन आईपीएल खिताब विजेता कप्तान

मुम्बई । अक्टूबर-नवंबर में भारत की मेजबानी में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सभी टीमों ने अपने संभावित खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। विश्वकप की शुरुआत 5 अक्टूबर से अहमदाबाद में होगी। इसका खिताबी मुकाबला 19 नवंबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा। विश्वकप में में कुल 10 टीमें भाग लेंगी। इस विश्वकप में रोहित शर्मा , हार्दिक पंड्या सहित छह ऐसे खिलाड़ी भी खेल रहे हैं जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में कप्तानी की है। इसमें से भी केवल तीन रोहित, पंड्या और वॉर्नर ही हैं, जिन्होंने अपनी कप्तानी में टीम को आईपीएल खिताब जिताया है। रोहित ने जहां मुम्बई को पांच बार खिताब जिताया है। वहीं पंड्या ने गुजरात टाइटंस को एक बार और वॉर्नर ने भी सनराइजर्स हैदराबाद को एक बार खिताब जीताया था। जहां शर्मा मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित भारतीय टीम के भी कप्तान हैं। वहीं भारतीय टीम में शामिल पंड्या, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल भी विश्वकप कप टीम में शामिल हैं। ये तीनो भी आईपीएल टीमों के कप्तान हैं। हार्दिक ने अपनी कप्तानी में गुजरात टाइटन्स को एक बार खिताब जिताया है जबकि श्रेयस अय्यर कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान हैं। वहीं केएल राहुल आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी कर रहे हैं। इनके अलावा दक्षिण अफ्रीकी टीम में शामिल एडेन मार्करम और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर भी सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान रहे हैं।

इस एशिया कप से जुड़े विवाद

बारिश में भारत-पाक मैच, खराब शेड्यूलिंग, महंगे टिकट और खाली स्टेडियम; अब फ्लडलाइट्स बनी समस्या

मुंबई।
श्रीलंका और पाकिस्तान में खेला जा रहा एशिया कप अब तक का सबसे विवादित एसीसी टूर्नामेंट होता जा रहा है। लाहौर में करीब आधे घंटे तक मैच सिर्फ इसलिए रोकना पड़ा, क्योंकि गद्दाफी स्टेडियम की फ्लडलाइट्स चालू नहीं हुई। फ्लडलाइट्स तो लापरवाही का नतीजा है, लेकिन बारिश के मौसम में श्रीलंका को 9 मैचों की मेजबानी मिलना, होस्ट देश को ही 4 मैचों के लिए 3 बार ट्रैवल करना, खाली पड़े स्टेडियम, महंगे टिकट, मेजबानी को लेकर कन्फ्यूजन और खराब शेड्यूलिंग जैसे विवाद भी इस टूर्नामेंट के साथ जुड़ चुके हैं।

पाकिस्तान में होना था टूर्नामेंट, भारत के कारण शेड्यूल में देरी हुई - साल 2021 में ही तय हो गया था कि 2023 एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान करेगा। सब कुछ तय था, लेकिन शेड्यूल जारी होने से पहले बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कह दिया कि टीम इंडिया पाकिस्तान नहीं जाएगी। बस यहीं से पहला विवाद शुरू हो गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और एशियन क्रिकेट काउंसिल के बीच महीनों तक हुई चर्चा के बाद 15 जून को तय हुआ कि टूर्नामेंट पाकिस्तान के साथ श्रीलंका में भी कराया जाएगा। एसीसी और पीसीबी ने मीटिंग कर फैसला किया कि मेजबान पाकिस्तान में 4 और श्रीलंका में 9 मैच खेले जाएंगे। टीम इंडिया अपने सभी मुकाबले श्रीलंका में ही खेलेगी और फाइनल भी श्रीलंका में ही होगा।

यूएई को नहीं दी मेजबानी - पीसीबी और एसीसी ने जून में तय किया कि एशिया कप पाकिस्तान के साथ श्रीलंका में होगा। उस समय पीसीबी के चेयरमैन रहे नजम सेठी ने कहा कि उन्होंने यूएई में टूर्नामेंट कराने की मांग की थी, लेकिन उनकी मांग ये कहकर टाल दी गई थी कि वहां बहुत गर्मी होगी। जबकि 2022 में पिछला एशिया कप लगभग इसी समय 27 अगस्त से 11 सितंबर तक यूएई में ही खेला गया था। पिछले साल किसी भी मैच में न तो बारिश की समस्या आई थी और न ही फ्लडलाइट्स की, लेकिन एसीसी ने यूएई में लगातार तीसरी बार एशिया कप नहीं कराने का

फैसला किया। 2022 से पहले 2018 का एशिया कप भी यूएई में ही हुआ था।

मेजबान को ही 2 देशों की 3 यात्राएं करनी पड़ गई - 6 टीमों का एशिया कप पहली बार हाइब्रिड मॉडल में खेला जा रहा है। 1984 में शुरू हुआ ये टूर्नामेंट इससे पहले 15 बार खेला गया, लेकिन कभी भी 2 देशों में एक साथ मैच नहीं हुए। इस बार 2 देशों में मैच हो रहे हैं, जिस कारण टीमों की ट्रैवलिंग बढ़ गई। यहां तक कि होस्ट देश पाकिस्तान को ही 4 मैचों के लिए 2 देशों में 3 यात्राएं करनी पड़ गईं। 30 अगस्त को नेपाल के खिलाफ टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच पाकिस्तान ने मुल्तान में खेला। 31 अगस्त को टीम फिर श्रीलंका के कोलंबो रवाना हुई, क्योंकि 2 सितंबर को उन्हें भारत के खिलाफ कैंडी में मुकाबला खेलना था। 3 सितंबर को पाकिस्तान टीम कैंडी से कोलंबो और कोलंबो से लाहौर के लिए रवाना हुई। टीम ने 6 सितंबर को यहां बांग्लादेश से मैच खेला। 7 सितंबर को टीम लाहौर से कोलंबो रवाना होगी, क्योंकि टीम 10 सितंबर को भारत के खिलाफ सुपर-4 स्टेज में अपना दूसरा मैच खेलेगी। पाकिस्तान को पूरे एशिया कप में सबसे ज्यादा ट्रैवल करना पड़ा। उनके अलावा श्रीलंका और बांग्लादेश ने 3 मैचों के लिए 2 देशों में ट्रैवल किया। इस दौरान भारत और अफगानिस्तान के मुकाबले एक-एक वेन्यू पर ही हुए।

खाली पड़े स्टेडियम - नेपाल और पाकिस्तान के बीच 30 अगस्त को एशिया कप का ओपनिंग मैच मुल्तान में खेला गया, लेकिन 35 हजार दर्शक क्षमता वाले इस स्टेडियम में मुकाबला देखने के लिए बहुत कम दर्शक पहुंचे। यहां तक कि आधे से ज्यादा स्टेडियम पूरे मैच में खाली ही नजर आया। अफगानिस्तान-बांग्लादेश और अफगानिस्तान-श्रीलंका में हुए लाहौर के मुकाबलों में भी बेहद कम दर्शक पहुंचे।

पीसीबी ने टिकट नहीं बिकने का मुआवजा एसीसी से मांगा - बारिश के कारण अब तक 2 मैच प्रभावित हुए, दोनों ही मुकाबले भारत के थे। बारिश के कारण इन मुकाबलों के टिकट कम बिके। इनके अलावा लाहौर में हुए मुकाबलों में भी कम ही दर्शक पहुंचे। अब रिपोर्ट्स के अनुसार, पीसीबी ने नहीं बिकने वाले टिकट का मुआवजा एसीसी से मांगा है।

फ्लडलाइट्स ने आधे घंटे तक रोका मैच - इस एशिया कप से जुड़ा सबसे लेटेस्ट विवाद पाकिस्तान-बांग्लादेश के बीच खेले गए सुपर-4 स्टेज के पहले मुकाबले में सामने आया। जहां पाकिस्तानी पारी के 5 ओवर पूरे हो जाने के बाद स्टेडियम की फ्लडलाइट्स बंद पड़ गई। इस कारण लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में मुकाबला रोकना पड़ा। करीब 20 से 25 मिनट बाद फ्लडलाइट्स चालू हो सकी और मुकाबला फिर से शुरू हुआ। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में फ्लडलाइट्स बंद पड़ने का मामला कोई पहली बार सामने नहीं आया है। इससे पहले 2015 में पाकिस्तान-जिम्बाब्वे सीरीज में भी फ्लडलाइट्स चालू नहीं हुई थी। यहां तक कि 2020 और 2023 में पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान भी इसी स्टेडियम की फ्लडलाइट्स बंद पड़ जाने के कारण मुकाबला रोकना पड़ा था। 3 बार समस्या सामने आने के बाद भी स्टेडियम मैनेजमेंट ने इस पर कुछ खास काम नहीं किया।

बारिश ने भारत-पाक मैच का मजा खराब किया - महीनों तक चर्चाओं के बाद तय हुआ कि श्रीलंका में भारत के सभी मैच होंगे और कैंडी शहर में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला होगा, लेकिन सितंबर के दौरान तो श्रीलंका में बारिश होती है, अभी यहां रिटर्निंग मॉनसून का समय है और देश के कई शहर बारिश की मार झेल रहे हैं। 2 सितंबर को भारत-पाक मैच पर भी बारिश का साया मंडरा रहा था। भारत ने पहली पारी खेली और 266 रन बनाए।

यूएस ओपन ; मेदवेदेव-रुबलेव गर्मी से परेशान, 2 बार मैच रुका

ढाई घंटे के मैच में मेदवेदेव को 2 बार सांस लेने में दिक्कत हुई रूसी खिलाड़ी थके दिखे

न्यूयार्क।
यूएस ओपन में रूसी खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव ने हमवतन एंड्री रुबलेव को 6-4, 6-3, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। दोनों खिलाड़ी गर्मी की वजह से कोर्ट पर परेशान दिखे। 33 डिग्री तापमान के बीच 2 घंटे 45 मिनट तक मैच खेला गया। मेदवेदेव को सांस लेने में भी दिक्कत हुई। उन्होंने दो बार मेडिकल टाइम आउट लिया, जिसकी वजह से मैच रूका। वहीं तीसरे सेट के दौरान मेदवेदेव ने कैमरे में आकर कहा, आप किसी एक खिलाड़ी को यहां मरते हुए देखेंगे।

आयोजकों ने नहीं बंद की छत

दरअसल मेदवेदेव और एंड्री रुबलेव के बीच क्वार्टर फाइनल का मैच आर्थर ऐश स्टेडियम में दोपहर 1.45 बजे शुरू हुआ। उस समय तापमान 33 डिग्री था। गर्मी के साथ ही उमस थी। आयोजकों के पास छत बंद कर एयर कंडीशनिंग चालू करने का विकल्प था। आयोजकों ने छत को बंद नहीं किया और गर्मी और उमस के बीच मैच करवाए। बरसात के दिनों में छत को बंद कर मैच होते हैं। गर्मी इतनी ज्यादा थी कि दोनों खिलाड़ी चेंज ओवर के दौरान चेहरे पर पानी डालते रहे। वहीं बीच-बीच में पंखे की हवा भी दी गई। दोनों खिलाड़ी काफी थके हुए नजर आए। मैच के बाद मेदवेदेव ने कहा कि अगर यह मैच चौथे सेट तक जाता तो उन्हें यहीं पर स्नान करना पड़ जाता। बेलारूस की एरिना सबालेंका सेमीफाइनल में पहुंची विमेंस सिंगल्स में बेलारूस की एरिना सबालेंका ने चीन की झेंग किनवेन को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन की सेमीफाइनल में पहुंची। एक घंटे 13 मिनट तक चले मैच में उन्होंने चीनी खिलाड़ी को 6-1, 6-4 से हराया। सबालेंका इस साल के शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम किया था।

एशिया कप में छाये पाक तेज गेंदबाज, हारिस ने लिए सबसे ज्यादा विकेट

लाहौर।
पाकिस्तान ने एशिया कप के सुपर फोर में बांग्लादेश के खिलाफ सात विकेट से बड़ी जीत दर्ज की है। इस मैच में पाक गेंदबाजों ने बांग्लादेश को 192 रनों पर ही आउट कर दिया। पाक गेंदबाजों विशेष रुप से तेज गेंदबाजों ने लगातार तीसरे मैच में विरोधी टीम को समेटा है। इस प्रकार पाक गेंदबाजों ने तीन मैचों में ही 30 विकेट लिए हैं। इसमें टीम इंडिया भी शामिल है। इन 30 में से भी 23 विकेट तेज गेंदबाजों हारिस रऊफ, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह ने मिलकर लिए हैं। वहीं एक विकेट फहीम अशरफ को मिला है जबकि 6 विकेट स्पिनरों को मिले हैं। बांग्लादेश के खिलाफ 10 में से 9 विकेट तेज गेंदबाजों को जबकि भारत के खिलाफ सभी 10 विकेट तेज गेंदबाजों ने ही लिए थे। बांग्लादेश के खिलाफ हारिस ने 4 जबकि नसीम ने 3 विकेट लिए। तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और फहीम अशरफ को एक-एक विकेट मिला। रऊफ प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे। स्पिनर केवल एक विकेट ले सके। नेपाल के खिलाफ पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों को 5 विकेट मिले थे जबकि 5 विकेट स्पिनरों ने लिए थे। एशिया कप 2023 में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की बात करें, तो हारिस 9 विकेट लेकर नंबर एक पर हैं। वहीं शाहीन और नसीम 7-7 विकेट के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं।

एशिया कप के 39 साल के इतिहास की बात करें, तो सिर्फ 3 पारियों में ऐसा हुआ है कि जब तेज गेंदबाजों ने 9 या उससे अधिक विकेट लिए हैं। हर बार यह कारनामा पाक गेंदबाजों ने ही किया। 2 बार इस सत्र में उसके गेंदबाजों ने यह कारनामा किया। इससे पहले 2004 में भी पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों ने बांग्लादेश के खिलाफ ही 9 विकेट लिए थे।

एशिया कप 2023 की बात करें, तो पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों का स्ट्राइक रेट 17 हैं। इस प्रकार वे हर 17वीं गेंद पर एक विकेट ले रहे हैं। उनकी इकोनॉमी केवल 4.54 की है। 2 बार 4 विकेट लिया है 19 रन देकर 4 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वहीं भारतीय तेज गेंदबाज अब तक 6 ही विकेट ले पाये हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे के लिए ऑस्ट्रेलिया ने की प्लेइंग इलेवन की घोषणा

नई दिल्ली।
ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे के लिए प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी। स्टार ऑलराउंडर मिचेल मार्श टीम का नेतृत्व करेंगे। चोट के चलते नियमित कप्तान पैट कमिंस फिलहाल मैदान से दूर रहेंगे। 7 सितंबर को सीरीज का पहला वनडे मैच खेला जाएगा। वर्ल्ड कप से पहले 17 सितंबर को सीरीज समाप्त होगी। पहले वनडे मैच के लिए स्टार ऑलराउंडर मिचेल मार्श टीम का नेतृत्व करेंगे। मिचेल मार्श पांच मैचों की सीरीज के पहले मैच के दौरान कप्तानी करने वाले ऑस्ट्रेलिया के 29वें कप्तान बन जाएंगे। डेब्यूटेंट कप्तान की घोषणा के अलावा, ऑस्ट्रेलिया ने एक नए मध्यक्रम और गेंदबाजी आक्रमण की भी घोषणा की है। अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को टी-20 सीरीज में आराम देने के बाद प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया है।

कैमरून ग्रीन और मार्कस स्टोइनिस को मिली जगह

विकेटकीपर एलेक्स कैरी और जोश इंग्लिस को भी टीम में जगह मिली है। इसके अलावा, ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन और मार्कस स्टोइनिस क्रमशः नंबर 4 और नंबर 7 पर बल्लेबाजी करेंगे। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को टी-20 सीरीज में 3-0 से हराया है। बता दें कि पहले तीन मैच ब्लोमफोंटेन में, एक-एक मैच सेंचुरियन में और वांडरर्स जोहान्सबर्ग में खेले जाएंगे।

पहले वनडे के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन:-

डेविड वार्नर, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श (कप्तान), कैमरून ग्रीन, जोश इंग्लिस, एलेक्स कैरी, मार्कस स्टोइनिस, सीन एबॉट, एश्टन एगर, जोश हेजलवुड, एडम जम्पा

ऑस्ट्रेलिया टीम: मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, एश्टन एगर, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, एरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, तनवीर सांघा, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम जम्पा

दक्षिण अफ्रीका टीम: टेम्बा बावुमा (कप्तान), गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, सिसंडा मगाला, केशव महाराज, ऐडन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्टजे, तबरेज शम्सी , कैगिसो रबाडा, रासी वैन डेर डुसेन।

क्या आप सर्वश्रेष्ठ गोल स्कोरर हैं झूठ पकड़ने वाली मशीन के सामने रोनाल्डो का जवाब सुन चौंक जाएंगे

लंदन।
मौजूदा समय में इस बात को लेकर बहस चलती रहती है कि अर्जेंटीना के लियोनल मेसी सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर हैं या पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो। दोनों ने पिछले 20 वर्षों में फुटबॉल की दुनिया में राज किया है और कई अवॉर्ड जीते। हालांकि, पिछले साल मेसी ने अर्जेंटीना को फीफा विश्व कप जिताकर इस बहस को समाप्त करने की कोशिश की थी।

हालांकि, सऊदी के फुटबॉल क्लब अल नस्र के लिए रोनाल्डो के रिकॉर्ड ट्रांसफर और उनके वहां जाने के बाद दुनियाभर के कई और स्टार फुटबॉलर्स के सऊदी पहुंचने पर एक बार फिर यह बहस ताजा हो गई है।

कुछ फैंस का मानना है कि दुनियाभर के फुटबॉलर्स रोनाल्डो के बनाए गए रास्ते पर चल रहे हैं। ग्रेटेस्ट फुटबॉलर ऑफ ऑल टाइम की यह बहस तो हमेशा जारी रहेगी, लेकिन रोनाल्डो ने बिनेंस के साथ साझेदारी की और कंपनी के साथ लाई डिटेक्टर टेस्ट में भाग लिया।

रोनाल्डो से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि वह सर्वकालिक महान गोलस्कोरर हैं, तो इस पर पुर्तगाल के कप्तान ने हां में जवाब दिया। हालांकि, झूठ पकड़ने वाली मशीन ने जो जवाब दिया, उसने सभी को हैरान कर दिया। लाई डिटेक्टर टेस्ट मशीन ने भी रोनाल्डो के जवाब को सही बताया कि रोनाल्डो वाकई खुद को सर्वश्रेष्ठ गोल स्कोरर मानते हैं। रोनाल्डो ने अपने करियर में अब तक 850 से भी ज्यादा गोल किए हैं, जो कि एक विश्व रिकॉर्ड है। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में भी उनके नाम सबसे ज्यादा 123 गोल दागे हैं।

कई अन्य सवालों के साथ अल नस्र के फॉरवर्ड से यह भी पूछा गया कि क्या उन्हें विश्वास है कि पुर्तगाल विश्व कप जीत सकता है, जिस पर उन्होंने फिर से हां में जवाब दिया। हालांकि, टेस्ट से पता चला कि वह वास्तव में झूठ बोल रहे थे, जिस पर रोनाल्डो ने जवाब दिया, यह मशीन कितना निराशावादी है इसके बाद वह हंसने लगे। रोनाल्डो से भी पूछा गया कि क्या वह कभी फास्ट फूड खाते हैं, तो उन्होंने कहा हर समय। हालांकि, जब रोनाल्डो से पूछा गया कि क्या वह सोते समय खर्राटे लेते हैं, तो उन्होंने तुरंत जवाब दिया नहीं, लेकिन टेस्ट में झूठ पकड़ लिया गया। यानी वह खर्राटे लेते हैं। इससे पता चला कि गोल स्कोरिंग मशीन कहे जाने वाले रोनाल्डो वाकई इंसान हैं।

फुटबॉल जगत के लिए सऊदी अरब के दरवाजे खोलने के बाद से क्रिस्टियानो रोनाल्डो का जीवन अल नस्र में शानदार गुजर रहा है। वह सर्वकालिक महान गोल-स्कोरर हैं या नहीं, इस पर हमेशा बहस होती रहेगी, लेकिन फुटबॉल में इस स्ट्राइकर के प्रभाव पर कभी सवाल नहीं उठाया जा सकता। रोनाल्डो के सऊदी अरब चले जाने के बाद फुटबॉलरों की एक बड़ी भीड़ सऊदी अरब मूव करने में लगी है। सऊदी अरब फुटबॉल ने यूरोपीय बाजार पर धावा बोल दिया। इस पर यूरोप के कई क्लब और मैनेजर चिंता जता चुके हैं। इस साल चैंपियंस लीग जीतने वाली टीम मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला ने कहा था कि अगले कुछ महीने काफी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि कई फुटबॉल सऊदी का रुख कर सकते हैं।

फायदे की जगह नुकसान भी पहुंचा सकता है

नारियल पानी

नारियल पानी सेहत का खजाना माना जाता है। इसे पीने से शरीर की कई समस्याएं दूर होती हैं। नारियल पानी में पोटैशियम, सोडियम, कार्बेहाइड्रेट और अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। जो स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं को दूर करने में कारगर है। लेकिन क्या आप जानते हैं, जरूरत से ज्यादा नारियल पानी पीने से सेहत को बड़े नुकसान हो सकते हैं। तो चलिए जानते हैं, नारियल पानी पीने के साइड इफेक्ट्स। हालांकि नारियल पानी स्वीट ड्रिंक नहीं है, लेकिन इसमें कार्बोहाइड्रेट और कैलोरी की मात्रा अधिक होती है। अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो बेहतर होगा कि नारियल पानी पीने से परहेज करें। जिन लोगों को लो ब्लड प्रेशर की समस्या है, उनके लिए नारियल पानी का सेवन हानिकारक हो सकता है। अगर आप लो बीपी के मरीज हैं, तो नारियल पानी पीने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लें। अगर आप जरूरत से ज्यादा नारियल पानी पीते हैं, तो इससे आपको दस्त की समस्या हो सकती है। इसमें पोटैशियम ज्यादा मात्रा में पाया जाता है, जो दस्त का कारण बनता है। अधिक मात्रा में नारियल पानी पीने से आपको ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है। इसलिए हेल्दी डाइट करने के अलावा सीमित मात्रा में नारियल पानी पिएं। नारियल पानी में पोटैशियम अधिक मात्रा में पाया जाता है। जो किडनी को प्रभावित कर सकता है। अगर आप किडनी के मरीज हैं, तो नारियल पानी पीने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श लें। नारियल पानी में कैलोरी की मात्रा अधिक होती है। ऐसे में अगर आप नारियल पानी ज्यादा पीते हैं, तो आपका वजन बढ़ सकता है। इसलिए जरूरत से ज्यादा नारियल पानी नहीं पीना चाहिए।

स्टार फ्रूट खाने से सेहत को मिलते हैं कई फायदे

जब पौष्टिक आहार की बात आती है, तो हम कई सुपरफूड्स के बारे में बात करते हैं। मशरूम, ब्लूबेरी, दाल, केल और हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे सुपरफूड्स हमारी सेहत को विभिन्न फायदे पहुंचाते हैं, क्योंकि वे कैलोरी में कम होने के साथ-साथ कई विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। ऐसा ही एक सुपरफूड स्टार फ्रूट है, जिसे हिंदी में *कामराख* कहा जाता है। यह फल आमतौर एशिया में खाया जाता है। जैसा कि इसके नाम से पता चलता है, इसे काटने पर यह एक छोटे से पांच-बिंदु वाले तारे जैसा दिखता है। यह एक कुरकुरा और रसदार फल है, जो सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं स्टार फ्रूट के कुछ फायदों के बारे में-

फाइबर का अच्छा स्रोत : स्टार फ्रूट कई पोषक तत्वों, विशेषकर फाइबर से भरपूर होता है। इसके अलावा इसमें कैलोरी भी कम होती है। यह ग्लूकोज होमियोस्टैसिस (ब्लड ग्लूकोज को बनाए रखने के लिए इंसुलिन और ग्लूकागन का संतुलन बनाए रखने में योगदान देता है। फाइबर कब्ज से राहत दिलाता है और अच्छे बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देकर पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है।

कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रण में रखे : स्टार फ्रूट में कोलेस्ट्रॉल कम करने वाले प्रभाव पाए गए हैं, यह सब इसमें मौजूद घुलनशील फाइबर के कारण है। वे खराब कोलेस्ट्रॉल की गतिविधि को रोकते हैं और ब्लड से फैट मॉलिक्यूल को हटाते हैं। कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में रहने का मतलब है कि यह हृदय रोगों के खतरे को भी कम करता है।

वजन घटाने में कारगर : कम कैलोरी वाले और फाइबर भरपूर होने की वजह से स्टार फ्रूट वजन कम करने के लिए भी काफी मददगार है। इसे खाने से आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है, जो आपके मेटाबॉलिज्म को तेज कर सकता है। ऐसे में जब भी आपको भूख लगे तो इसे आप इसे बिना किसी हिचकिचाहट किसी भी समय खा सकते हैं।

दिल की सेहत के लिए गुणकारी : घुलनशील फाइबर ब्लड से फैट मॉलिक्यूल को हटाने में मदद कर सकता है और इसलिए हृदय रोग के खतरे को कम करता है।

जवान को मिली प्रतिक्रिया से अभिभूत हैं शाहरुख खान

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की फिल्म *पठान* की सफलता के बाद फैंस उनकी फिल्म *जवान* का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। इस फिल्म को लेकर पिछले कई दिनों से काफी चर्चा हो रही थी। जवान आखिरकार आज 7 सितंबर को रिलीज हो गई। इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त क्रेज है। सुबह पांच बजे से ही मुंबई के थिएटर के बाहर हजारों प्रशंसकों की भीड़ इकट्ठा हो गई है। इस बीच शाहरुख खान भी फैंस के उत्साह और प्यार से अभिभूत हैं। शाहरुख ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फैंस का शुक्रिया अदा किया है। इसके लिए शाहरुख ने उन्हें धन्यवाद देने के लिए ट्विटर पर एक वीडियो ट्वीट किया। फिल्म जवान की कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने एडवांस बुकिंग के मामले में कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में जवान के 75 लाख टिकट बेचे गए हैं। फिल्म ने एडवांस बुकिंग में 17 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है। कुल मिलाकर इस तस्वीर को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि शाहरुख खान की जवान भारत में पहले दिन 60 से 70 करोड़ रुपए की कमाई करेगी। अगर ऐसा हुआ तो जवान यह रिकॉर्ड हासिल करने वाली पहली फिल्म बन सकती है। इसमें शाहरुख के साथ साउथ एक्ट्रेस नयनतारा और विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म को हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगु भाषा में भी रिलीज किया गया है।

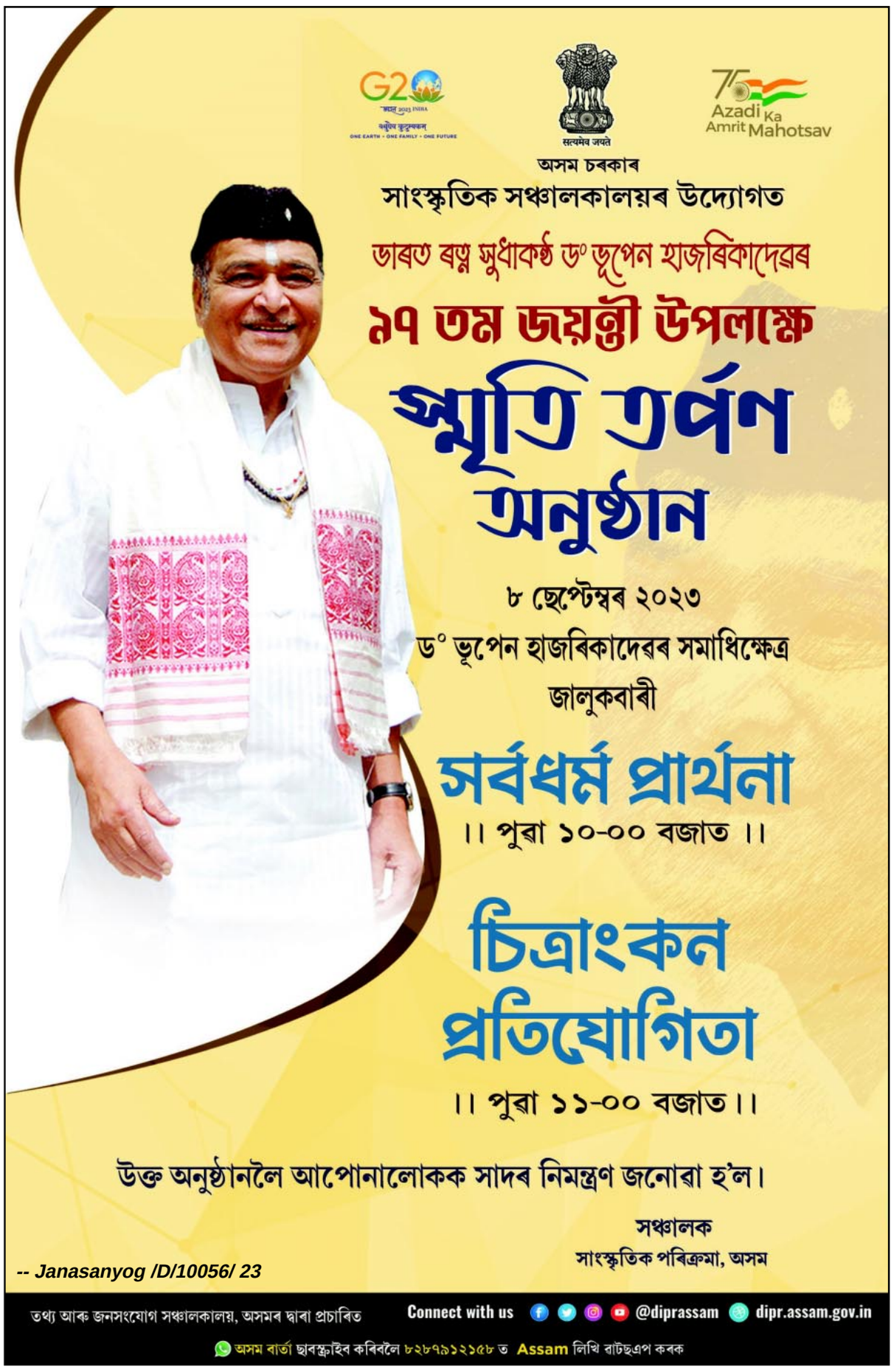

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**